Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi • Sunday, 29 March 2026 • Year : 05 • Issue : 73 • Ranchi Edition • Page : 12 • Price : ₹3 • www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

जब दुनिया आपको घुटनों के बल धकेलती है, तो आप प्रार्थना करने के लिए एकदम सही स्थिति में होते हैं।

–रूमी

12
Madhuri Dixit Shells Out...

नौकरशाही

डॉ. ब्रजेश मिश्र

सरकारी पैसे की बंदरबांट कोई नई बात नहीं है। इस कला को सीखने में ज्यादा समय नहीं लगता। हाकिम यह बखूबी जानते हैं कि सरकारी मद में खर्च दिखाकर निजी काम कैसे निकालते हैं? एक साहब ने अपनी मैडम के लिए कुछ ऐसा ही इंतजाम किया है। उनका यह प्रयोग नौकरशाही के गलियारे में खासा चर्चा में है। आखिर क्या चल रहा है अंदरखाने, जानें द फोटोन न्यूज के एक्जीक्यूटिव एडिटर की कलम से।

मैडम सर की गाड़ी

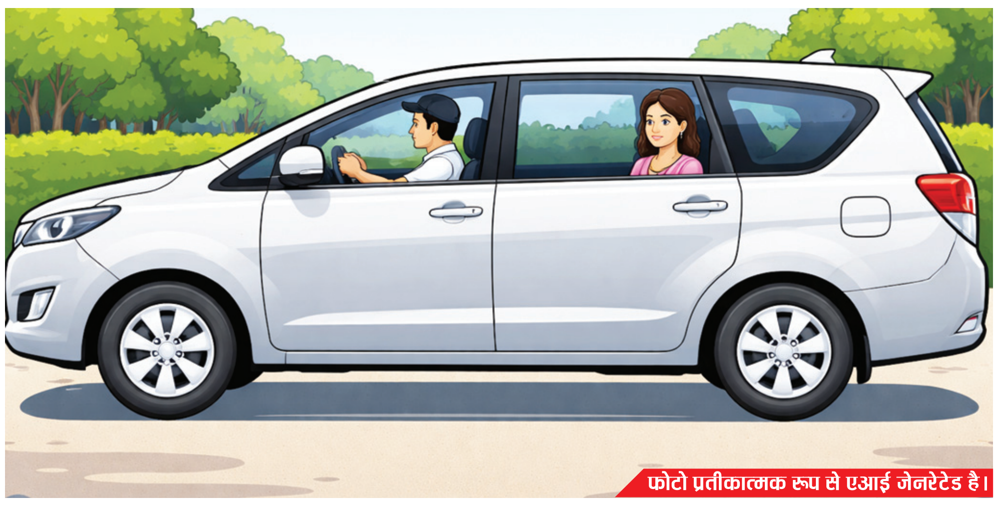

फोटो प्रतीकात्मक रूप से एआई जेनरेटेड है।

गुरु के घर के पास घंटे-घड़ियाल बज रहे थे। गेट के बाहर लंबी-लंबी गाड़ियों की कतार थी। पता चला कि रामनवमी पर नजदीक के मंदिर में पूजा चल रही है। सामने मंच पर छऊ का मंचन हो रहा है। विशेष मौके पर कई नौकरशाह हरि दर्शन के लिए आए थे। प्रसाद के बाद कुछ सपरिवार गुरु का आशीर्वाद लेने पहुंच गए। माहौल देखकर लगा, आज काम की बात नहीं निकलेगी। भारी मन से बस गुरु की बैठकी में बैठ गया। नौकरशाहों का मजमा पहले से ही लगा था। यह जमात अपने ही कुनबे के गैरमौजूद सूरमाओं की परतें उघाड़ने में मशगूल थी। एक जनाब डीएमएफटी का हाल बता रहे थे। वनांचल के कई जिलों में सरकारी धन की लूट की गाथा सुना रहे थे। बात स्टील सिटी में हुए कथित भ्रष्टाचार से शुरू हुई थी। धीरे-धीरे वार्ता का यह सफर लौह अयस्क वाले मंडल तक पहुंच गया। दूसरे ने प्रमंडल के एक जनपद की कमान संभाल रहे हाकिम का हाल सुनाया। बताया कि साहब की मैडम 'कॉरपोरेट लेडी' हैं। साहब को बड़ी कुर्सी मिलने के बाद मैडम का जलवा सातवें आसमान पर है। उनकी सुविधा के लिए साहब ने डीएमएफटी का सहारा लिया है। एक बड़ी गाड़ी मैडम सर को लाने-ले जाने में लगाई गई है। किसी को कोई शक न हो, इसके लिए गाड़ी पर दूसरे महकमे का स्टीकर तक लगा दिया गया है। मैडम पूरे शान से सरकारी सवारी से प्राइवेट काम कर रही हैं। यह अलग बात है कि इन साहब की यह चतुराई छिपी नहीं रह सकी। खुसुर-पुसुर के साथ रायता फैल गया। कई लोगों ने बड़ी सवारी का वीडियो तक बना लिया है। चर्चा अभी चल ही रही थी कि गुरु की नजर अचानक अटक गई। देखा आंतरिक वार्ता में बाहरी शख्स मौजूद है। तपाक से वातार्कार को रोका। कहा, अरे कुछ बोलने से पहले एक बार नजरें भी घुमा लिया करो। अखबार वाले भी आसपास मौजूद हैं। गुरु का हस्तक्षेप किसी हथौड़े की तरह पड़ा। कथा सुना रहे नौकरशाह का चेहरा लाल हो गया। माहौल की खामोशी भांपकर हालात को गुरु ने ही फिर संभाला। बोले- कोई नहीं, सब अपने लोग हैं। कमरे की बात कमरे तक ही रहेगी। गुरु के आश्वासन के बाद फिर हंसी-मजाक का दौर चल पड़ा, लेकिन बातचीत में न पहले वाला प्रवाह रहा और न ही सहजता का भाव। अब जोर इस बात पर था कि यह सब तो सामान्य सी बात है। चाहे स्टील नगरी में हो या छऊ वाले मुहल्ले में। थोड़ा इधर-उधर करके तो चलना ही पड़ता है। सभी चलते हैं। हालांकि बात ही बात में अपना काम तो हो चला था। बस मन के भीतर एक द्वंद्व था, डीएमएफटी का ऐसा उपयोग? यह तो जिलों में विकास की गति के लिए होता है। इन साहब को क्या सूझी कि यहां दिमाग लगा दिया? मन ही मन जवाब मिला- आखिर मैडम सर की सुख-सुविधा भी तो साहब की जिम्मेदारी है। उनकी खुशी का भी तो ध्यान रखना है। सो, गुरु के हाथ जोड़े, रामनवमी पर निकलीं रामजी की सवारियों को देखते-देखते निकल पड़ा।

SARAFA

सोना	:	13,725
चांदी	:	250.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

फैसला : चार महीने तक रूस नहीं बेचेगा पेट्रोल

NEW DELHI : रूस ने 1 अप्रैल से 31 जुलाई तक पेट्रोल निर्यात पर रोक का फैसला किया है। उप-प्रधानमंत्री अलेक्जेंडर नोवाक ने ऊर्जा मंत्रालय से इस प्रस्ताव को तैयार करने को कहा। रूस के मुताबिक यह कदम घरेलू सप्लाई बनाए रखने और कीमतें नियंत्रित रखने के लिए है। रूस रोजाना 1.2 से 1.7 लाख बैरल पेट्रोल निर्यात करता है। निर्यात रोकने से चीन, तुर्किये, ब्राजील, अफ्रीका और सिंगापुर जैसे देशों पर असर पड़ सकते हैं। ये देश रूसी तेल उत्पादों के बड़े खरीदार हैं। भारत पर असर कम होगा क्योंकि वह पेट्रोल नहीं, कच्चा तेल खरीदता है।

विमान की दिल्ली हवाईअड्डे पर इमरजेंसी लैंडिंग

NEW DELHI : आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम से दिल्ली आ रहे इंडिगो के एक विमान को शनिवार सुबह तकनीकी खराबी के कारण इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। इसमें सवार 161 यात्री और चालक दल के सभी सदस्य सुरक्षित हैं। दमकलकर्मियों को सुबह करीब 10:53 बजे आपातकालीन स्थिति की सूचना मिली जिसके बाद पांच गाड़ियां रनवे पर तैनात कर दी गयीं। दिल्ली पुलिस के मुताबिक इंडिगो का एक विमान विशाखापत्तनम से दिल्ली आ रहा था, तभी उसमें इंजन फेल होने जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। विमान को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतरा गया।

ओडिशा में बस हादसा, 5 लोगों की गई जान

BHUBANESWAR : ओडिशा के नयागढ़ जिले में शुक्रवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 40 से अधिक लोग घायल हो गए। यह हादसा दशपल्ला थाना क्षेत्र के टाकेरा के पास हनुमान घाटी में हुआ ।मृतकों में बस चालक समेत चार महिलाएं शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, निजी पर्यटक बस में करीब 60 यात्री सवार थे, जो ब्रह्मपुर से हरिशंकर घूमने जा रहे थे।

हथियार बनाने वाली फैक्ट्रियों व परमाणु केंद्रों को बनाया निशाना

ईरान पर इजरायल की 50 फाइटर जेट से एयरस्ट्राइक

NEW DELHI @ PTI : शनिवार को अमेरिका- इजरायल और ईरान के बीच युद्ध का 29वां दिन है। अब इस युद्ध का दायरा और बढ़ता जा रहा है। जंग के 28 दिन बाद अब हूती विद्रोही भी इसमें शामिल हो गए हैं। इस बीच इजरायल ने ईरान के अंदर 50 फाइटर जेट्स से हमला किया। इजरायली सेना के मुताबिक शुक्रवार रात ईरान के तीन इलाकों में हथियार बनाने वाली फैक्ट्रियों और परमाणु कार्यक्रम से जुड़े ठिकानों को निशाना बनाया गया। सेना ने बताया कि ये हमले खुफिया जानकारी के आधार पर किए गए और कई घंटों तक चले। हमलों में अराक और यज्द जैसे अहम इलाके शामिल रहे। जिन ठिकानों को निशाना बनाया गया, उनमें हथियार बनाने वाली सैन्य इंडस्ट्री और बैलिस्टिक के साथ एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल के पुर्जे बनाने वाली फैक्ट्री शामिल थी। इसके अलावा अराक में मौजूद हेवी वॉटर प्लांट पर भी हमला किया गया, जिसे इजरायल ने परमाणु हथियारों के लिए प्लूटोनियम तैयार करने में अहम बताया है।

ईरान ने सऊदी अरब के प्रिंस सुल्तान एयरबेस पर पर दागी 6 बैलिस्टिक मिसाइलें

29 ड्रोन से भी अटैक

दूसरी ईरान ने सऊदी अरब के प्रिंस सुल्तान एयरबेस पर 6 बैलिस्टिक मिसाइलें और 29 ड्रोन दागे। इस हमले में कम से कम 15 सैनिक घायल हुए, जिनमें 5 की हालत गंभीर बताई जा रही है। ईरान के इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि उसने दुबई में एक ठिकाने पर हमला किया, जहां यूक्रेन का एयर डिफेंस सिस्टम मौजूद था। ईरानी अधिकारियों के मुताबिक, इस ठिकाने का इस्तेमाल अमेरिकी सेना की मदद के लिए किया जा रहा था। ईरान की इमरजेंसी कमांड की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि हमले के समय वहां 21 यूक्रेनी नागरिक मौजूद थे और इस ऑपरेशन में पूरे कैंपस को तबाह कर दिया गया।

पीएम मोदी ने सऊदी क्राउन प्रिंस से फोन पर की बात

पीएम मोदी ने सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से फोन पर बात की और मिडिल ईस्ट में चल रहे तनाव पर चर्चा की। पीएम मोदी ने ऊर्जा ठिकानों पर हो रहे हमलों की निंदा की। दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि समुद्री रास्ते खुले और सुरक्षित रहने चाहिए और अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रभावित नहीं होना चाहिए। इधर, भारत सरकार ने उन खबरों को खारिज किया है जिनमें कहा जा रहा था कि पीएम और डोनाल्ड ट्रम्प की बातचीत में इलॉन मस्क भी शामिल थे।

अमेरिका के छह सामरिक जहाजों को किया टारगेट

ईरान के सशस्त्र बलों ने अमेरिका के छह सामरिक जहाजों को निशाना बनाया है। दावा किया गया है कि इस हमले में बड़ी संख्या में अमेरिकी सैनिक मारे गए हैं। ईरान ने इस हमले में बैलिस्टिक मिसाइलों और कद्र 380 क्रूज मिसाइलों का उपयोग किया। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गाड्र्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) के जनसंपर्क कार्यालय ने जारी बयान में यह जानकारी दी। हूती विद्रोहियों ने इजरायल पर बैलिस्टिक मिसाइलों से बड़ा हमला किया। यह ऐसे समय में हुआ है, जब अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान के खिलाफ युद्ध शुरू किए जाने के बाद क्षेत्र में तनाव चरम पर है।

विद्यार्थी थिंक ग्लोबल, एक्ट लोकल की भावना के साथ करें काम : उपराष्ट्रपति

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को भारत के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि प्रबंधन शिक्षा का उद्देश्य केवल कॉरपोरेट क्षेत्र के लिए पेशेवर तैयार करना नहीं, बल्कि ऐसे जिम्मेदार नागरिक तैयार करना भी है, जो समाज की चुनौतियों को समझें और उनके समाधान में सक्रिय भूमिका निभाएं। विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय लक्ष्य का उल्लेख करते हुए उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे थिंक ग्लोबल, एक्ट लोकल की भावना के साथ काम करें। उन्होंने कहा कि भारत के विकास की असली ताकत गांवों, छोटे शहरों और स्थानीय समुदायों में है, इसलिए शिक्षा और प्रबंधन की क्षमता का उपयोग जमीनी स्तर पर बदलाव लाने में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश को ऐसे युवाओं की आवश्यकता है, जो ज्ञान, नेतृत्व क्षमता और नैतिक मूल्यों के साथ आगे बढ़ें। उपराष्ट्रपति ने ये बातें इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट रांची के 15वें दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहीं। इस अवसर पर 558 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई, जबकि सात मेधावी छात्रों को मेडल और उपाधि देकर सम्मानित किया गया।

- आईआईएम रांची के 15वें दीक्षांत समारोह में सीपी राधाकृष्णन ने विद्यार्थियों को किया संबोधित
- ज्ञान, नेतृत्व क्षमता और नैतिक मूल्यों के साथ जीवन में आगे बढ़ने पर दिया जोर
- 558 स्टूडेंट्स को मिली डिग्री, सात मेधावी छात्रों को मेडल व उपाधि देकर किया गया सम्मानित

शैक्षणिक गुणवत्ता में उल्लेखनीय प्रगति

उपराष्ट्रपति ने कहा कि तीन वर्षों के बाद दोबारा आईआईएम रांची आकर उन्हें प्रसन्नता हो रही है। झारखंड के पूर्व राज्यपाल के रूप में अपने कार्यकाल को याद करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य से उनका विशेष भावनात्मक जुड़ाव रहा है और वे लगातार संस्थान की प्रगति पर नजर रखते रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीते वर्षों में आईआईएम रांची ने शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुसंधान और संस्थागत विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है, जो गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि एक प्रबंधक के निर्णय का असर कई लोगों के जीवन, रोजगार

और भविष्य पर पड़ सकता है, इसलिए हर निर्णय जिम्मेदारी के साथ लिया जाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सफलता केवल पद, वेतन या उपलब्धियों से नहीं मापी जानी चाहिए, बल्कि इस बात से तय होनी चाहिए कि व्यक्ति अपने मूल्यों और सिद्धांतों के साथ कितना दृढ़ रहता है।

बालेंद्र की शपथ के 24 घंटे के भीतर बड़ी कार्रवाई

नेपाल के पूर्व पीएम ओली व पूर्व गृहमंत्री रमेश अरेस्ट

KATHMANDU @ PTI : नेपाल में बालेंद्र सरकार शपथ ग्रहण के साथ पहले ही दिन से एक्शन में आ गई। शपथग्रहण को अभी 24 घंटे भी नहीं हुए कि जेन जी प्रदर्शन के दौरान निहत्थे छात्रों की हत्या के आरोप में पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और तत्कालीन गृहमंत्री रमेश लेखक को गिरफ्तार कर लिया गया। पहली कैबिनेट बैठक ने जेन जी आंदोलन की जांच के लिए गठित आयोग के सिफारिश को लागू करने का फैसला किया। शनिवार को सुबह सूरज निकलने से पहले पहले

रमेश लेखक और बाद में पूर्व प्रधानमंत्री ओली को गिरफ्तार कर लिया गया। जांच आयोग ने अपनी रिपोर्ट में ओली और लेखक के साथ पुलिस, सशस्त्र पुलिस बल और सेना के अधिकारियों को भी दोषी ठहराया है, लेकिन सुरक्षा बलों के खिलाफ फिलहाल कोई कार्रवाई नहीं लेने का निर्णय लिया गया।

बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड से की गई जांच

धनबाद कोर्ट को चौथी बार बम से उड़ाने की धमकी, पुलिस ने परिसर को खंगाला

PHOTON NEWS DHANBAD : शनिवार को धनबाद के जिला न्यायालय को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिली। यह चौथी बार है, जब कोर्ट को उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल किया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई। देखते ही देखते पूरा कोर्ट परिसर छावनी में तब्दील हो गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड को मौके पर बुलाया गया। टीमों ने पूरे परिसर में सघन जांच अभियान शुरू किया। हर कोने की बारीकी से तलाशी ली गई, वहीं संदिग्ध वस्तुओं की जांच भी की गई। हालांकि बम डिफ्यूजन स्क्वॉड (बीडीएस) की टीम को फिलहाल जांच में कोई भी विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। सुरक्षा व्यवस्था को इतना कड़ा कर दिया गया है कि आम लोगों का प्रवेश अगले आदेश तक पूरी तरह बंद कर दिया गया है।

टीम को फिलहाल नहीं मिली कोई भी विस्फोटक सामग्री

- देखते ही देखते छावनी में तब्दील हो गया पूरा कोर्ट परिसर, आम लोगों का प्रवेश बंद

सेवा से सिद्धि केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में बड़े पदों पर लगातार बढ़ रही तादाद

सीमाओं की सुरक्षा करने में नारी शक्ति निभा रही अहम भूमिका

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : आज का भारत युवा भारत है। दुनिया का सबसे बड़ा युवा देश। हर क्षेत्र में युवाओं की शानदार भागीदारी हो रही है और इसमें महिलाओं के योगदान को भी किसी भी रूप में कम नहीं आंका जा सकता। पीएम मोदी के नेतृत्व में पिछले कुछ वर्षों में सेना, सीमा सुरक्षा, विज्ञान, तकनीक और बिजनेस के क्षेत्र में महिलाओं ने तेज गति से प्रगति की है। यह महिला सशक्तीकरण का अकाट्य प्रमाण है। हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से जारी रिपोर्ट से यह जानकारी मिलती है कि आज के समय में सीमाओं की सुरक्षा में भारतीय नारी शक्ति का योगदान अतुलनीय और ऐतिहासिक रूप से बढ़ा है। महिला सैन्यकर्मी और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की जवान अब केवल सहायक भूमिकाओं तक सीमित नहीं, बल्कि रेगिस्तान से लेकर बर्फीले बॉर्डर तक आधुनिक हथियारों के साथ अग्रिम मोर्चों पर तैनात हैं। रिपोर्ट बताती है कि केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में नारी शक्ति के हौसले बुलंद हैं। सुरक्षा के मोर्चे पर बड़े पदों पर भी महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है।

रेगिस्तान से लेकर बर्फीले बॉर्डर तक अग्रिम मोर्चे पर आधुनिक हथियारों के साथ है मौजूदगी

विगत पांच सालों में बीएसएफ, आईटीबीपी और असम राइफल्स में तेजी से बढ़ी संख्या

- वर्ष 2020 में सीमा सुरक्षा बल में 7339 महिलाओं की थी भागीदारी, अब लगभग दोगुनी
- ग्रेनेड लांचर, रॉकेट लांचर व स्नाइपर राइफल के संचालन में पूरी तरह हो चुकी हैं पारंगत

अब केवल सहायक के रूप में सीमित नहीं रह गया है महिला कर्मियों का काम

कठोर ड्यूटी बनने लगी पहली पसंद

विभागीय जानकारी के अनुसार, यह महत्वपूर्ण बात है कि बीएसएफ या आईटीबीपी की कठोर ड्यूटी महिलाओं की पहली पसंद बन रही है। पिछले पांच वर्षों में सीमा सुरक्षा बल, आईटीबीपी और असम राइफल्स में महिलाओं की संख्या तेजी से बढ़ी है। इस अवधि में सबसे ज्यादा महिलाएं बीएसएफ में भर्ती हुई हैं। वर्ष 2005 बीएसएफ में 7339 महिलाएं थीं, जबकि 2025 में यह आंकड़ा 12,776 हो गया है।

हर मोर्चे पर खुद को किया साबित

महिलाएं अब सामान्य पोस्टिंग की बजाय रेगिस्तानी सीमा और बर्फीले बॉर्डर पर तैनाती को अब खुद तवज्जो दे रही हैं। मतलब साफ है कि अब महिलाएं खुद आगे आकर बड़ी भूमिकाओं को निभाने में रुचि ले रही हैं और सरकार को भी उन पर पूरा भरोसा है। ध्यातव्य है कि गृह मंत्रालय ने जनवरी 2016 में यह निर्णय लिया था कि सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) और सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स (सीआईएसएफ) में सिपाही स्तर के पदों का 33 प्रतिशत महिलाओं के लिए आरक्षित किया जाएगा। तब से अब तक इस नीति को मजबूत बनाने की कोशिश की जा रही है। केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में सीमा प्रबंधन, आंतरिक सुरक्षा और चुनावी ड्यूटी के अलावा महिलाओं ने हर मोर्चे पर खुद को साबित कर दिखाया है। ग्रेनेड लांचर, रॉकेट लांचर, स्नाइपर राइफल और दूसरे अत्याधुनिक हथियारों के मामले में महिला जवान पूरी तरह पारंगत हो चुकी हैं।

पीएम ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले चरण का किया उद्घाटन

पश्चिम एशिया संकट से पूरा विश्व चिंतित भारत मजबूती से कर रहा मुकाबला : मोदी

NOIDA @ NEW DELHI : शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पश्चिमी एशिया संकट पूरा विश्व चिंतित है। युद्ध की वजह से कई देशों में खाने-पीने का सामान, पेट्रोल, डीजल, गैस, खाद जैसी कई जरूरी चीजों का संकट पैदा हो गया है। हर देश इस संकट का सामना करने की कोशिश कर रहा है। हमारा भारत भी पूरी शक्ति से इसका मुकाबला कर रहा है। प्रधानमंत्री ने यह बातें नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के प्रथम चरण का उद्घाटन करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि जनता की ताकत के भरोसे भारत इस चुनौती का पूरी ताकत से सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार हर वो कदम उठा रही है, जिससे सामान्य परिवारों पर, हमारे किसानों पर इस संकट का बोझ न पड़े।

मिलकर संकट का सामना करने की अपील

हर ओर दिख रहा युवाओं का जोश

प्रधानमंत्री ने देशवासियों और राजनीतिक दलों से मिलकर इस संकट का सामना करने की अपील की। आगे उन्होंनं कहा कि आज जहां तक नजर पड़ रही है, वहां तक युवाओं का जोश दिखाई दे रहा है। आज जो काम हो रहा है, वह नई उड़ान भर रहा है। आज से उत्तर प्रदेश सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा वाला राज्य बन गया है।

आएगा आने वाला

गुमनाम है कोई...

महल 1949 में रिलीज हुई और भारतीय रहस्य- रोमांच सिनेमा के इतिहास का प्रस्थान बिन्दु मानी जा सकती है क्योंकि इसे भारत की पहली साइकोलाजिकल, सुपर नैचुरल हारर सिनेमा के रूप में जाना और याद किया जाता है। हिन्दी सिनेमा ने इससे पूर्व रहस्य और रोमांच की ऐसी गाथा परदे पर प्रस्तुत नहीं की थी। पाकीजा, मुगले-आजम और रजिया सुल्तान जैसी फिल्मों के लिए जाने और याद किए जाने वाले कमाल अमरोही की इस डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म ने भारतीय सिनेमा संसार को मधुबाला और लता मंगेशकर के फन से रुबरू करवाया। फिल्म की कहानी इलाहाबाद में संगम के नजदीक बने एक महल से शुरू होती है। हरि शंकर (अशोक कुमार) कानपुर के एक बड़े और रईस परिवार से ताल्लुक रखता है और उसने हाल ही में सरकारी नीलामी में संगम किनारे बना एक बंगला खरीदा है। इस बंगले के पुराने मालिक का नाम किसी को नहीं पता है क्योंकि सरकारी अभिलेखों में बंगला लावारिस दर्ज है। बंगले में काम करने वाला माली (एस. नाजिर) यूं तो वहाँ चालीस बरसों से है पर उसे भी उसके असली मालिक का नाम नहीं पता । माली को पता है एक कहानी, कैसे लगभग तीस बरस पहले बंगले के मालिक की राह देखती मालकिन के सामने ही नाव डूबने से मालिक की मौत हो जाती और कुछ दिनों में मालकिन भी मार जाती है। रह जाता है तो मालिक का एक वादा कि 'मैं तुमसे मिलने जरूर आऊँगा'। बंगले का पुराना मालिक जिसका नाम हमें फिल्म में पता नहीं चलता उसकी शक्लोसूरत हरि शंकर (अशोक कुमार) से मिलती है। अशोक कुमार के महल में दाखिल होने के बाद वहाँ महल की पुरानी मालकिन कामिनी (मधुबाला) की रूह दिखाई और सुनाई देना शुरू हो जाती है। दर्शक सुर-साम्राज्ञी लता मंगेशकर के स्वरों में हिन्दी सिनेमा का पहला डरावना गीत 'आएगा आने वाला' सुनते हैं। हरिशंकर का मित्र श्रीनाथ (कानु रॉय) जब उससे इस आत्मा और गाने की बात सुनता है तो वो उसे वापस कानपुर जाने की सलाह देता है और ट्रेन में बिठा कर चला आता है। पर इस ट्रेन के नैनी (इलाहाबाद का अगला स्टेशन) पहुँचने से पहले ही महल और उस महल में गाने वाली कामिनी की कशिश में बंधा हरिशंकर वापस महल में लौट आता है।

उस आत्मा से आँख मिचौली खेलते हरिशंकर को यह विश्वास हो जाता है कि वह कामिनी का पूर्व जन्म का प्रेमी है और उनका मिलन होना ही चाहिए। पर हरिशंकर के पिता (एम. कुमार) हरिशंकर को अपने साथ इलाहाबाद ले जाते हैं और वहाँ उसकी शादी रंजना (विजयलक्ष्मी) से करवा देते हैं। रंजना से शादी के दो सालों बाद भी रंजना और हरिशंकर के बीच संबंध सामान्य नहीं होते पाते और हरिशंकर हर रात कामिनी से मिलने जाता रहता है। कामिनी की आत्मा उसे कहती है कि इस जन्म में हरिशंकर से मिलने के लिए वो किसी ऐसी देह में प्रवेश कर जाएगी जो उसे पसंद हो। और वो उसे यह भी समझाती है कि वो चाहे तो माली की बेटी की शक्ल देख कर उसे पसंद कर ले और अगर माली की बेटी उसे पसंद आ जाए तो हरिशंकर उसकी हत्या कर दे जिससे कि कामिनी की आत्मा माली की बेटी के शरीर में आ जाएगी और उनका इस जीवन में मिलन संभव हो सकेगा । इस बीच अपनी पत्नी रंजना की जिस प्रकार अनदेखी हरिशंकर कर रहा होता है उसे उसके आसपास के सभी देखते हैं। आहत रंजना यह तय करती है कि वो अब हरिशंकर के साथ नहीं रहेगी और अपना जीवन समाप्त कर लेगी । जहर खा कर अपनी जान देने से पहले रंजना पुलिस के पास चली जाती है और मरने के पहले यह बयान दे देती है कि उसके पति हरिशंकर ने ही उसे जहर दिया है। इस इकबालिया बयान से हरिशंकर पकड़ा जाता है और उसे फांसी की सजा हो जाती है। रंजना की हत्या के जुर्म में फांसी की सजा पाने से पहले उसे यह पता चलता है कि कामिनी ही माली की बेटी है और वो अपने दोस्त श्रीनाथ से कामिनी की शादी करवा देता है। फिल्म का अंत दुखांत है और उसे मैं यहाँ नहीं लिख कर फिल्म के अंतिम रहस्य पर पर्दा पड़े रहने दूंगा।

इस फिल्म की कहानी का आइडिया अशोक कुमार को एक सत्य घटना से आया था, 1948 में जब वो किसी हिल स्टेशन पर एक फिल्म की शूटिंग कर रहे थे तो उन्हें अपने गेस्ट हाउस से एक कार एक्सीडेंट और एक महिला की सरकती लाश दिखाई दी थी, सुबह वहाँ ऐसा कोई चिह्न नहीं था। पुलिस को सूचना देने के बाद आसपास के लोगों ने बताया कि कई साल पहले यहाँ किसी महिला ने एक हत्या कर दी थी और रात के अंधेरे में कार से भागते समय उसकी भी जान एक्सीडेंट में चली गई थी। अशोक कुमार ने यह कहानी जब कमाल अमरोही को सुनाई तो कमाल यंरोही साहब ने कहानी में कई सारे परिवर्तन करते हुए महल के नाम से कहानी लिखी। लगातार असफल फिल्में दे रहे बॉम्बे टॉकीज के लिए ऐसी फिल्म जोखिम बन सकती थी और निमार्ता सावक वाचा भी महल के निर्माण को तैयार नहीं हो रहे थे, ऐसे में कमाल अमरोही पर भरोसा दिखाते अशोक कुमार निमार्ता के तौर पर इस फिल्म से जुड़े और फिल्म ने सफलता का नया इतिहास लिखा।

वैभव मणि त्रिपाठी

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

SCAN ME

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

कमाल अमरोही की इस फिल्म में, संगीत खेमचंद प्रकाश का, गीत नख्शब जारचावी के थे। इन गीतों को लता मंगेशकर, जोहरा बाई अंबालेवाली और राजकुमारी दुबे ने सुरों से सजाया। नृत्य निर्देशन पंडित लच्छू महाराज का था। इस फिल्म की काथा, पटकथा, निर्देशन और संवाद सभी कमाल अमरोही द्वारा किए गए। इस फिल्म का सबल पक्ष फिल्म का सम्पादन भी था, जिसे विमल रॉय ने एम शंकर और आर. एम. टिपणीस के साथ मिल कर किया था।

फिल्म की कहानी के कारण कामिनी के रोल को उस समय की कई अदाकाराओं के द्वारा अस्वीकार किया गया था या भारी-भरकम फीस की मांग की गई जो वाचा और अशोक कुमार के लिए संभव नहीं था। अशोक कुमार के साथ काम करने के लिए सुरैया ने थोड़ी बहुत रुचि दिखाई परंतु उनकी नानी को फिल्म की कहानी कुछ खास जँची नहीं और फिल्म मिली उस दौर की स्ट्रगलिंग कलाकार मधुबाला को। बॉम्बे टॉकीज के पहले स्क्रीन टेस्ट में जब मधुबाला कोई खास असर नहीं छोड़ पाईं तो उनके टैलेंट पर भरोसा दिखाते हुए कमाल अमरोही ने अपनी उपस्थिति में उनका दूसरा टेस्ट लिया और उन्हें चुन लिया। फिल्म के सबसे मशहूर गाने 'आएगा आने वाला' के लिए भी लता मंगेशकर से पहले उमा देवी (टुनटुन) से सम्पर्क किया गया परंतु करदार प्रोडक्शंस के साथ अपने कान्ट्रैक्ट के कारण उन्होंने गाना गाने से माना कर दिया जिसके बाद लता मंगेशकर से यह गीत गवाया गया।

अपने प्रदर्शन के तीसरे हफ्ते के आते आते फिल्म को सफल फिल्म का खिताब मिल चुका था

और नौ लाख के बजट में बनने वाली इस फिल्म ने लगभग डेढ़ करोड़ रुपयों का कारोबार किया। फिल्म को दर्शकों ने भरपूर प्यार दिया पर आलोचकों की प्रतिक्रियाएं मिली जुली रहीं हैं। एक फिल्म आलोचक के लिखा कि, 'महल का विषय पूरी तरह से काल्पनिक बकवास है- शुद्ध और बिना मिलावट का। जब कोई मुस्लिम लेखक हिंदू आध्यात्मिक और दार्शनिक विषयों, जैसे पुनर्जन्म और आत्मा के स्थानांतरण, से खिलवाड़ करने लगता है, तो वह पूरे मामले को बेहद अपवित्र गड़बड़ बना देता है और अंततः इन विषयों पर अपनी गहरी अज्ञानता को उजागर कर बैठता है'। पर फिल्म की इन कुछ एक आलोचनाओ को छोड़ दिया जाए तो महल का प्रभाव लगभग हर भारतीय हॉरर फिल्म पर दिखाई देता है। कैमरा के प्रयोग की तकनीक, प्रकाश और ध्वनि के इस्तेमाल में प्रयोग से भय का सृजन जैसे कारणों से ब्रिटिश फिल्म इंस्टिट्यूट ने इसे 'दस महान रोमांटिक हॉरर फिल्मों' की सूची में जगह दी।

फिल्म को यूट्यूब पर देखा जा सकता है और फिल्म देखते समय इस बात का ध्यान अवश्य रखें कि अपने सीमित बजट में, सीमित संसाधनों के साथ फिल्म बनाई गई थी और आज हम इसे क्लासिक कहें, कल्ट कहें या तमाशा पर उस दौर में इसे बनाने का मुख्य उद्देश्य मनोरंजन था और उस मामले में दर्शकों का कितना प्यार इसे मिल यह इसी बात से समझ जा सकता है कि यह फिल्म अपनी लागत का पंद्रह गुणा मुनाफा कमाने वाली फिल्म थी।

कविता

यूं ही

प्रियंका कुमारी
मानगो, जमशेदपुर।

आँखें यूं ही भर जातीं,
यूं ही खूब सतातीं ,
लहराती पंख पसार,
इठलाती हैं थप्पड़ मार,
यूं ही करती खूब सवाल।
कहूं किससे मैं व्यथा,
किसे सुनाऊँ मैं ये कथा,
ये रिफ्यूजी मन यूं ही,
करता खूब सवाल ।
चल पड़ी दूरगामी पथ में,
प्रतिक्षा आगामी रथ में,
मन की उपज यूं ही,
करें खूब बवाल
ये निर्बलता कब छोड़ेगी,
दीनता को कब तोड़ेगी ,
ये उपेक्षित नैनो की सैलाब,
तैरते जहां असंख्य ख्वाब,
यूं ही पूछ लेते हैं हाल
चाँदनी भरी निशा,
भटकी भटकी ये दिशा,
कब ये तिमिर हटेगी ,
कब ये बाधाएँ कटेगी,
सपने आँचल लहराएं
हजार करते यूं ही सवाल।
तुनकती है नयन सेज की,
बन गई आदत रोज की,
आचार विचार प्रचार की,
सहती चोट बिन मार की,
बावली यूं ही क्यों,
तू बन बैठी है छाल।
नित दिन ही करती हैं,
सिर पैर न धरती हैं,
कंटक सी चुभन जिगर में,
पाने रोशनी मन के घर में,
सहती हैं खूब बवाल।
आंखें यूं ही भर जाती,
यूं ही खूब सताती ,
लहराती पंख पसार,
इठलाती हैं थप्पड़ मार,
यूं ही करती खूब सवाल।

■ घुमक्कड़ की पाती

दरमा घाटी की स्मरणीय यात्रा और उसकी स्मृतियां

दिल्ली की भागती हुई सड़कों पर उस सुबह हल्की धुंध पसरी हुई थी। शहर अभी पूरी तरह जागा भी नहीं था, लेकिन मेरे भीतर एक अलग ही हलचल थी, जैसे कोई पुराना सपना आकार लेने जा रहा हो। यह यात्रा सिर्फ एक स्थान तक पहुंचने की नहीं थी, बल्कि अपने भीतर छिपे उस यात्री से मिलने की थी, जो हमेशा पहाड़ों की ओर खिंचता है। गंतव्य था- दारमा घाटी, हिमालय की गोद में बसी वह रहस्यमयी धरती, जहां प्रकृति अभी भी अपनी मूल लय में सांस लेती है।

दिल्ली से चलकर सबसे पहले सड़क मुझे हलद्वानी और फिर पिथौरागढ़ की ओर ले गई। जैसे-जैसे मैदानी इलाके पीछे छूटते गए, वैसे-वैसे हवा में ठंडक और पहाड़ों की खुशबू घुलती गई। सड़कें अब घुमावदार हो गई थीं, और हर मोड़ पर एक नया दृश्य सामने आ जाता था, कहीं चीड़ के लंबे पेड़, कहीं दूर-दूर तक फैली हुई घाटियां और कहीं बादलों के टुकड़े, जो पहाड़ों से लिपटकर धीरे-धीरे आगे बढ़ रहे थे।

पिथौरागढ़ पहुंचते-पहुंचते शाम ढलने लगी थी। छोटे-से शहर की रोशनियां पहाड़ों के अंधेरे में ऐसे चमक रही थीं, जैसे किसी ने सितारों को धरती पर उतार दिया हो। मुझे यह नगर बेहद पसंद है, इस जगह पर मैं कई बार आया हूं, रात को वहीं ठहराव हुआ। अगले दिन की यात्रा और भी रोमांचक होने वाली थी, क्योंकि अब रास्ता मुझे दारमा घाटी की ओर ले जाने वाला था, एक ऐसी जगह, जहां हर कदम पर प्रकृति का एक नया अध्याय खुलता है। इसे देखने और जानने की जिज्ञासा मेरे भीतर वर्षों से रही है।

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

अगली सुबह सूरज की पहली किरण के साथ मैं धारचूला की ओर निकल पड़ा। काली नदी के किनारे-किनारे चलती सड़क ने यात्रा को एक अलग ही आयाम दे दिया। नदी का तेज बहाव और उसके साथ चलती हुई सड़क, दोनों जैसे एक-दूसरे से होड़ लगा रहे थे। धारचूला पहुंचकर ऐसा लगा, जैसे भारत और नेपाल की सीमाएँ सिर्फ नक्शे पर ही अलग हैं, क्योंकि यहां लोगों की बोली, पहनावा और मुस्कान सब एक जैसे थे। मुझे यह समानता अच्छी लगी और अपने पड़ोसी मुल्क नेपाल के बारे में थोड़ी और गहराई से जान पाया। धारचूला से दारमा घाटी की ओर जाने वाला रास्ता थोड़ा कठिन था, लेकिन उसी कठिनाई में यात्रा का असली सौंदर्य छिपा हुआ था। सड़क अब संकरी और ऊबड़-खाबड़ हो गई थी। कहीं-कहीं पर पहाड़ों से गिरते हुए छोटे-छोटे झरने रास्ते को भिगो देते थे, और वाहन को धीरे-धीरे आगे बढ़ना पड़ता था।

दारमा घाटी में प्रवेश करते ही सबसे पहले जो चीज मन को छू गई, वह थी- यहां की शांति। शहरों की भागदौड़ और शोर से दूर, यहां सिर्फ हवा की सरसराहट और नदी की कलकल सुनाई देती थी। सामने पंचाचूली पर्वत की हिमाच्छादित चोटियां सूरज की रोशनी में चमक रही थीं। उन चोटियों को देखते हुए ऐसा लगा, जैसे वे सदियों से इस घाटी की रक्षा कर रही हों।

पहले दिन का पड़ाव दांतू गांव में था। यह छोटा-सा गांव पत्थरों और लकड़ी से बने पारंपरिक घरों से सजा हुआ था। गांव के लोग सरल और आत्मीय थे। एक बुजुर्ग महिला ने मुस्कुराते हुए कहा- यहां आने वाले लोग जल्दी वापस नहीं जाना चाहते। उनकी बात सुनकर मैं भी मुस्कुरा दिया, क्योंकि सच में इस जगह में कुछ ऐसा था, जो मन को बांध लेता था।

शाम को गांव के पास बहती दारमा नदी के किनारे बैठकर मैंने सूर्यास्त का दृश्य देखा। पहाड़ों के पीछे डूबता हुआ सूरज आकाश को लाल और सुनहरे रंगों से भर रहा था। उस क्षण मुझे लगा, जैसे समय ठहर गया हो। शहरों में हम अक्सर समय के पीछे भागते हैं, लेकिन यहाँ समय हमारे साथ चलने लगता है। दूसरे दिन की सुबह ठंडी और ताजगी से भरी हुई थी। हल्की धूप और पहाड़ों की ठंडी हवा ने शरीर और मन दोनों को ऊर्जा से भर दिया। उस दिन मैंने दारमा घाटी के आसपास के क्षेत्रों में पैदल भ्रमण करने का निर्णय लिया। रास्ते में छोटे-छोटे खेत दिखाई दिए, जहां स्थानीय लोग आलू, जौ और राजमा की खेती करते हैं।

चलते-चलते मैं एक छोटे-से मंदिर तक पहुंचा, जो पहाड़ की ढलान पर स्थित था। मंदिर के आसपास घंटियों की मधुर ध्वनि गूंज रही थी। वहाँ बैठे एक साधु से बातचीत हुई। उन्होंने कहा- पहाड़ हमें धैर्य और संतुलन सिखाते हैं। यहां हर चीज धीरे-धीरे होती है, लेकिन स्थायी होती है। उनकी बात सुनकर मुझे लगा, जैसे यह यात्रा सिर्फ बाहरी दुनिया देखने की नहीं बल्कि अपने भीतर झांकने की भी है। दोपहर के समय मैं पंचाचूली बेस कैंप की दिशा में थोड़ी दूर तक गया। रास्ता कठिन था, लेकिन हर कदम पर प्रकृति का सौंदर्य थकान को कम कर देता था। दूर-दूर तक फैले हुए हरे मैदान और उनके पीछे खड़ी बर्फ से ढकी चोटियाँ एक अद्भुत दृश्य प्रस्तुत कर रही थीं। वहां खड़े होकर मैंने गहरी सांस ली और महसूस किया कि पहाड़ों की हवा में एक अलग ही जीवन शक्ति होती है। शाम को गांव लौटते समय आसमान में बादल घिरने लगे थे। हल्की बारिश शुरू हो गई। बारिश की बूंदें जब पहाड़ों और पेड़ों पर गिरती थीं, तो एक मधुर संगीत-सा सुनाई देता था। उस रात मैंने अपने कमरे की खिड़की से बाहर देखते हुए सोचा कि प्रकृति के बीच बिताए गए ये छोटे-छोटे पल ही जीवन की असली पूंजी हैं।

तीसरे दिन सुबह जब मैं वापस लौटने की तैयारी कर रहा था, तो मन में एक अजीब-सी उदासी थी। दारमा घाटी की शांत वादियाँ और यहां के लोगों की सादगी मेरे दिल में बस चुकी थी। वापसी का रास्ता वही था, लेकिन मन की स्थिति बदल चुकी थी। इस घाटी के गांवो और स्थानीय संस्कृति की मौलिकता ने मेरे मन को पूरी तरह से बांध दिया था। इन गांवो तक अभी भी विकास की आंधी नहीं पहुंची है, लेकिन हर गांव में बाहर से आए लोगों के ठहरने के लिए इंतजाम है, जहां आप बहुत ही आसानी से ठहर और यहां के स्थानीय भोजन का स्वाद ले सकते हैं। मैं भी गांव के ही एक होमस्टे में रुका हुआ था, जो बेजद ही खूबसूरत था। लेकिन, अब उसे अलविदा कहने का समय आ गया था। धारचूला से पिथौरागढ़ और फिर दिल्ली की ओर लौटते हुए मैंने महसूस किया कि यह यात्रा सिर्फ तीन दिनों की नहीं थी, बल्कि एक अनुभव थी, जिसने मुझे जीवन को नए दृष्टिकोण से देखने की प्रेरणा दी। दारमा घाटी ने मुझे सिखाया कि सच्ची खुशी भौतिक चीजों में नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ बिताए गए उन सरल और शांत क्षणों में छिपी होती है। दिल्ली की भीड़भाड़ में लौटकर भी मेरे भीतर दारमा घाटी की शांति गूंजती रही। पहाड़ों की वह ठंडी हवा, नदी की कलकल और लोगों की सादगी, सब कुछ मेरे मन में एक स्थायी स्मृति बन गया। दारमा घाटी की यह तीन दिन की यात्रा मेरे लिए सिर्फ एक यात्रा नहीं थी बल्कि एक आत्मिक अनुभव थी, एक ऐसा अनुभव, जो हर बार याद करने पर मन को फिर से पहाड़ों की ओर खींच लेता है।

रांची-वाराणसी कॉरिडोर की कुडू-उदयपुरा फोरलेन के निर्माण का रास्ता साफ

PHOTON NEWS RANCHI : राष्ट्रीय राजमार्ग-75 (नया राष्ट्रीय राजमार्ग-39) के रांची-वाराणसी कॉरिडोर के तहत कुडू-उदयपुरा फोरलेन परियोजना के निर्माण कार्य को आगे बढ़ाने का रास्ता साफ हो गया है। नेशनल हाईवे ऑथोरिटी ऑफ इंडिया ने इसके लिए प्रशासनिक मंजूरी दे दी है। नई दिल्ली में इस संबंध में एमओयू साइन किया गया। इसके अनुसार 11 जनवरी 2026 को परियोजना की अप्वाइंटमेंट डेट मानने की स्वीकृति दी गई है। समझौता होने से लंबे समय से प्रतीक्षित इस सड़क परियोजना के निर्माण कार्य में तेजी आने की उम्मीद बढ़ गई है। बता दें कि यह सड़क रांची-वाराणसी कॉरिडोर का अहम हिस्सा है। इसलिए इसके बनने से रांची से पलामू क्षेत्र तक ही नहीं, बल्कि झारखंड से उत्तर प्रदेश की ओर सड़क संपर्क भी मजबूत होगा। परियोजना के तहत कुरु से उदयपुरा तक लगभग 38.6 किलोमीटर सड़क को चारलेन में विकसित किया जाना है। विभागीय जानकारी के अनुसार, अब तक 31.55 किलोमीटर भूमि निर्माण एजेंसी को उपलब्ध करा दी गई है, जो कुल परियोजना का लगभग 81.74 प्रतिशत हिस्सा है। यह हिस्सा बाधामुक्त बताया गया है। हाल ही में परियोजना के लिए 72 हेक्टेयर वन भूमि की स्वीकृति मिलने के बाद निर्माण शुरू होने की उम्मीद जगी है, क्योंकि वनभूमि क्लीयरेंस नहीं मिलने से काम लटका हुआ था।

- नेशनल हाईवे ऑथोरिटी ऑफ इंडिया ने दी प्रशासनिक मंजूरी, साइन हुआ एमओयू
- इसके बनने से झारखंड से उत्तर प्रदेश की ओर भी मजबूत होगा सड़क संपर्क
- परियोजना के तहत लगभग 38 .6 किलोमीटर सड़क को बनाना है फोरलेन

प्रतीकात्मक फोटो

11 जनवरी 2026 से प्रभावी मानी गई है परियोजना

रांची-वाराणसी कॉरिडोर के इस सेक्शन के निर्माण का जिम्मा एजेंसी मां उग्रतारा हाईवे प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया है। कंपनी ने निर्धारित समय से पहले कुछ प्रारंभिक कार्य किया है, इसलिए नियुक्ति तिथि को 35 दिन पूर्व प्रभाव से मान्य किया गया है। इसी आधार पर 11 जनवरी 2026 से परियोजना प्रभावी मानी गई है। आदेश डाल्टनगंज परियोजना इकाई और रांची क्षेत्रीय कार्यालय को भेज दिया गया है। करीब 18 प्रतिशत भूमि अभी भी पूरी तरह उपलब्ध नहीं हो सकी है। शेष हिस्से में भूमि हस्तांतरण और स्थानीय बाधाओं को दूर करना अगला महत्वपूर्ण चरण माना जा रहा है।

आम लोगों को होने वाले फायदे

- पलामू से रांची तक सफर अधिक तेज और सुरक्षित होगा।
- भारी वाहनों के आवागमन में आसानी होगी।
- दुर्घटनाओं की संभावना कम होगी।
- व्यापार, कृषि उत्पादों की ढुलाई और बाजार तक पहुंच बेहतर होगी।
- भविष्य में क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों को भी बल मिल सकता है।

BRIEF NEWS

राज्यपाल ने लोकभवन में उपराष्ट्रपति को स्मृति-चिह्न भेंट कर किया सम्मानित

RANCHI : झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने रांची स्थित लोकभवन में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राज्यपाल ने उपराष्ट्रपति को स्मृतिचिह्न भेंट कर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने हरिवंश, जो राज्यसभा के उपसभापति हैं तथा उपराष्ट्रपति के सचिव अमित खरे को भी स्मृति-चिन्ह प्रदान किए। भेंट के दौरान आपसी संवाद और सौहार्दपूर्ण माहौल देखने को मिला, जिसमें विभिन्न विषयों पर चर्चा भी हुई।

रांची में 30 व 31 को बाधित रहेगी जलापूर्ति

RANCHI : राजधानी रांची के कई क्षेत्रों में 30 और 31 मार्च को जलापूर्ति बाधित रहेगी। यह जानकारी पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सप्लाई वितरण प्रमंडल, बूटी द्वारा शनिवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी गई। विभाग के अनुसार, बहु बाजार से पटेल चौक तक बन रहे फ्लाईओवर के निर्माण कार्य के कारण पाइपलाइन शिफ्टिंग और कनेक्शन का काम किया जाएगा। इसी वजह से 30 मार्च से 31 मार्च तक कुल 48 घंटे का शटडाउन लिया जाएगा। इस दौरान सिरमटोलीझमेकॉन फ्लाईओवर और पटेल चौक क्षेत्र के साथ-साथ कोकर-योगदा सत्संग आश्रम फ्लाईओवर से जुड़े इलाकों में जलापूर्ति पूरी तरह प्रभावित रहेगी। विभाग ने बताया कि यह कार्य फ्लाईओवर परियोजना के तहत आवश्यक पाइपलाइन शिफ्टिंग के लिए किया जा रहा है, जिसकी लंबाई लगभग 1.25 किलोमीटर है।

किसानों को मिली अरहर की उन्नत खेती के बारे में जानकारी

RANCHI : बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू) में संचालित अरहर संबंधी अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत शनिवार को चान्हो प्रखंड के सिलागाई गांव में किसान-वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 60 किसानों ने भाग लिया। जनजातीय उप योजना के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में परियोजना प्रमुख डॉ. नीरज कुमार, पौधा रोग विभाग के अध्यक्ष डॉ. हेमचंद्रलाल, कीट विज्ञान विभाग के डॉ. बिनय कुमार तथा सत्यविद् डॉ. नरगिस कुमारी ने किसानों को अरहर की वैज्ञानिक खेती के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दी। वैज्ञानिकों ने किसानों को बेहतर बीज चयन, उन्नत उत्पादन तकनीक, रोग एवं कीट प्रबंधन तथा फसल संरक्षण के आधुनिक तरीकों के बारे में जागरूक किया। किसानों ने फसल प्रबंधन और संरक्षण से जुड़े कई सवाल भी पूछे।

अपराधियों ने पंडरा ओपी क्षेत्र के एक घर में वारदात को दिया अंजाम

राजधानी में चार दरवाजों के लॉक तोड़कर लाखों के गहने ले उड़े चोर

> मामले की छानबीन की जा रही है। चोरों पर नकेल कसने के लिए रात्रि गश्ती को और बेहतर किया जाएगा।
> – प्रकाश सोय, कोतवाली डीएसपी

चोरी की घटना के बाद घर में बिखरे सामान • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : रामनवमी के दिन शुक्रवार की देर रात रांची के पंडरा ओपी इलाके में एक घर में बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। इलाके के सुजीत गुप्ता रामनवमी के दिन अपने परिवार से मिलने के लिए गुमला गए थे। इसी दौरान चोरों ने उनके घर पर धावा बोल दिया। सुजीत के घर से चोरों ने 15 लाख रुपयों से ज्यादा के गहने और नकद गायब कर दिए। वेस्ट सरोवर नगर, देवी मंडप रोड में रहने वाले सुजीत कुमार गुप्ता के चोर घर के चार दरवाजों के लॉक तोड़कर अंदर घुसे और सभी अलमारी तोड़कर लाखों के जेवरात लेकर फरार हो गए। सुजीत कुमार ने बताया कि लगभग 15 लाख रुपये के जेवर और नकद की चोरी की गई है। पीड़ित सुजीत गुप्ता ने बताया कि रामनवमी के दिन पूजा करके अपने गुमला स्थित गांव चले गए थे। बंद घर देखकर चोरी को अंजाम दिया गया।

सुजीत ने बताया कि चोर बेहद शातिर थे। उन्होंने उनके घर के चार दरवाजों के लॉक तोड़े और चार अलमारियों के लॉकर को काटा उसके बाद घर में चोरी की वारदात को अंजाम दिया। सुजीत ने बताया कि अलमीरा के लॉकर में 15 लाख से ज्यादा के गहने और 60 हजार नकद थे। ऐसा लग रहा है कि जैसे चोरों को यह पता था कि उनके घर में ही गहने रखे हुए हैं, क्योंकि गहनों के अलावा चोरों ने घर के किसी भी सामान को हाथ नहीं लगाया। चोरों ने गहने खोजने के लिए पूरे घर के पूरे सामान को तहस-नहस कर दिया। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

सीआईडी ने डिजिटल अरेस्ट फ्रॉड मामले में एक को किया अरेस्ट

RANCHI : साइबर अपराध थाना, अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) को साइबर ठगी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता मिली है। एचडीएफसी बैंक की ओर से दर्ज प्राथमिकी के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने ह्यमनीष फर्निशिंग कंपनीह्व के नाम से संचालित म्यूल बैंक खाते के जरिए देश के विभिन्न राज्यों में हुए 11 डिजिटल अरेस्ट फ्रॉड मामलों में शामिल एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अरगोड़ा थाना क्षेत्र निवासी विवेक नारसरिया के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से मोबाइल, सिम कार्ड और अन्य डिजिटल साक्ष्य बरामद किए हैं। जांच में सामने आया है कि आरोपी गिरोह के लोगों को खुद को कानून प्रवर्तन एजेंसी का अधिकारी बताकर वीडियो और फोन कॉल के जरिए डराता था। उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग जैसे मामलों में फंसाने की धमकी देकर 'डिजिटल अरेस्ट' का भय दिखाया जाता था और फिर पैसे तथाकथित सुरक्षित खाते में जमा कराने के नाम पर ठगी की जाती थी। सीआईडी ने आम लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान कॉल पर खुद को अधिकारी बताकर पैसे की मांग करने वालों पर भरोसा न करें। ऐसी किसी भी साइबर ठगी की सूचना तुरंत हेल्पलाइन 1930 या साइबर क्राइम पोर्टल पर दें।

झारखंड के 82 मॉडल विद्यालयों में नामांकन के लिए हुई परीक्षा

प्रवेश परीक्षा में भाग लेते बच्चे • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा संचालित राज्य के 82 मॉडल विद्यालयों में कक्षा छह, सत्र 2026-27 में नामांकन के लिए झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) की ओर से आयोजित प्रवेश परीक्षा शनिवार को शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। यह परीक्षा राज्य के 19 जिलों में स्थापित 60 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई। परीक्षा का आयोजन पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 1:00 बजे तक किया गया। सभी परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों की समय से पहले उपस्थिति दर्ज की गई, जिससे विद्यार्थियों में परीक्षा को लेकर उत्साह, अनुशासन और आत्मविश्वास साफ झलकता नजर आया। यह परीक्षा 100 अंकों की बहुविकल्पीय प्रश्नों पर आधारित थी। इसमें अंग्रेजी (30 अंक), गणित (30 अंक) और सामाजिक विज्ञान (40 अंक) से प्रश्न पूछे गए। परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर मेरिट सूची तैयार की जाएगी, जिसके बाद चयनित छात्र-छात्राएं मॉडल विद्यालयों में नामांकन ले सकेंगे।

परीक्षा के सफल संचालन के लिए जिला प्रशासन, जिला शिक्षा पदाधिकारी, केंद्राधीक्षक और अन्य संबंधित कर्मियों ने समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की। सभी केंद्रों पर कदाचार मुक्त और शांतिपूर्ण वातावरण में परीक्षा सम्पन्न कराई गई। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के तहत संचालित इन मॉडल विद्यालयों में झारखंड एकेडमिक काउंसिल के अधीन अंग्रेजी माध्यम से कक्षा 6ठी से 12वीं तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाती है। इन विद्यालयों का उद्देश्य ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को आधुनिक और उत्कृष्ट शिक्षा उपलब्ध कराना है, ताकि वे भविष्य में प्रतियोगी परीक्षाओं और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

31 मार्च को फंड रिलीज पर केंद्र की सख्ती तय समय-सीमा के बाद बंद हो जाएगी प्रक्रिया

PHOTON NEWS RANCHI : केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की समाप्ति से ठीक पहले केंद्र प्रायोजित योजनाओं की राशि जारी करने की प्रक्रिया को लेकर सख्त निर्देश जारी किए हैं। वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग के तहत महालेखाकार कार्यालय ने 31 मार्च 2026 के लिए विशेष समय सीमा निर्धारित करते हुए सभी मंत्रालयों, झारखंड सहित सभी राज्य सरकारों और कार्यान्वयन एजेंसियों को निर्देश दिया है कि निर्धारित समय के भीतर सभी वित्तीय कार्य पूरे कर लिए जाएं। निर्देश के अनुसार एसएनए स्पर्श, डीबीटी, केंद्र प्रायोजित योजनाओं के अंतर्गत राज्य नोडल खाता प्रणाली और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण से जुड़े लेनदेन तथा केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के तहत कोषागार आधारित राशि निकासी अंतिम दिन तय समय सीमा के भीतर ही किया जा सकेगा। संबंधित गतिविधियों के लिए अलग-अलग कट-ऑफ समय निर्धारित किया गया है और उसके बाद पब्लिक फाइनेंसियल मैनेजमेंट सिस्टम स्वतः कोई नई प्रक्रिया स्वीकार नहीं करेगा।

वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि हर वर्ष 31 मार्च को बड़ी संख्या में वित्तीय फाइलें एक साथ आने से तकनीकी दबाव बढ़ जाता है, जिससे फंड रिलीज में बाधा उत्पन्न होती है। अंतिम समय की इसी स्थिति से बचने के लिए पहले से जारी परामर्शों के साथ इस बार भी विस्तृत समयबद्ध व्यवस्था लागू की गई है।

अंतिम समय तक फाइलें लंबित नहीं रखने का निर्देश

सभी विभागों को निर्देश दिया गया है कि वे फाइलों को अंतिम समय तक लंबित न रखें और संबंधित अधिकारियों के बीच समन्वय बनाकर समय पर प्रक्रिया पूरी कर लें। मंत्रालय ने यह भी कहा है कि निर्धारित समय सीमा में किसी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी और विलंब की स्थिति में प्रणाली स्वतः कार्य बंद कर देगी।

आईआईएम रांची के विद्यार्थियों को राज्यपाल संतोष गंगवार ने किया संबोधित, कहा-

संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बनकर समाज-राष्ट्र के विकास में योगदान दें विद्यार्थी

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, रांची के दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उनके जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव है, जो परिश्रम, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे केवल सफल पेशेवर ही नहीं, बल्कि संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बनकर समाज और राष्ट्र के विकास में सक्रिय योगदान दें। राज्यपाल ने कहा कि आईआईएम रांची ने देश के प्रमुख प्रबंधन संस्थानों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। यह संस्थान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ नेतृत्व क्षमता, नैतिक मूल्यों और सामाजिक उत्तरदायित्व के विकास में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने संस्थान में स्थापित अटल बिहारी वाजपेयी नीति, नेतृत्व एवं सुशासन केंद्र तथा भगवान बिरसा मुंडा जनजातीय अध्ययन केंद्र की सराहना करते हुए कहा कि ये केंद्र समावेशी विकास और सामाजिक न्याय की दिशा में उल्लेखनीय योगदान दे रहे

विद्यार्थियों को संबोधित करते राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार • फोटोन न्यूज

वर्चुअल रियलिटी केस रिपॉजिटरी की शरुआत

शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार ने आईआईएम रांची के 15वें दीक्षांत समारोह में कहा कि आज का दिन विद्यार्थियों के लिए नई संभावनाओं की शुरूआत है। इस अवसर पर संस्थान के वर्चुअल रियलिटी केस रिपॉजिटरी का शुभारंभ किया गया। यह प्रबंधन शिक्षा को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में नई पहल है। मंत्री ने कहा कि झारखंड सरकार की गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत योग्य विद्यार्थियों को 15 लाख रुपये तक का शिक्षा ऋण मात्र 4 प्रतिशत साधारण ब्याज दर पर उपलब्ध कराया जा रहा है। आईआईएम रांची के 24 छात्रों ने इस योजना के माध्यम से लगभग 3.21 करोड़ रुपये का लाभ प्राप्त किया है।

सहूलियत 31 तक जमा होगा आरएमसी की दुकानों का बकाया, खुला रहेगा जन सुविधा केंद्र

अंतिम चरण में पहुंचा वार्ड कार्यालयों के जीर्णोद्धार का काम

PHOTON NEWS RANCHI : रांची नगर निगम ने निगम स्वामित्व वाली दुकानों के बकाया किराया भुगतान को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। निगम प्रशासन के अनुसार सभी दुकानदारों और अनुज्ञप्तिधारियों के लिए बकाया किराया जमा करने की अंतिम तिथि 31 मार्च 2026 निर्धारित की गई है। तय समय सीमा के भीतर भुगतान नहीं करने वालों पर झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसमें दुकानों का लाइसेंस रद्द करने और उन्हें खाली कराने की कार्रवाई की जाएगी। निगम ने स्पष्ट किया है कि यह कदम राजस्व संग्रहण को मजबूत करने और शहर में विकास कार्यों को गति देने के उद्देश्य से उठाया गया है। लोगों की सुविधा के लिए 29 मार्च रविवार को भी जन सुविधा केंद्र खुला रहेगा, जहां होल्डिंग टैक्स, जल कर, ट्रेड लाइसेंस शुल्क और दुकानों का बकाया किराया जमा किया जा सकेगा। निगम ने सभी से समय पर भुगतान कर दंडात्मक कार्रवाई से बचने की अपील की है।

रांची नगर निगम का भवन

वार्ड कार्यालयों में मिलेगी कई तरह की सुविधा

वहीं, दूसरी ओर रांची नगर निगम द्वारा वार्ड कार्यालयों के सुदृढ़ीकरण का कार्य भी तेजी से जारी है। रंग-रोगन और मरम्मत कार्य के तहत कई वार्डों में काम पूरा हो चुका है। वार्ड 13, 14, 15, 16, 50 और 53 में कार्य पूर्ण हो गया है, जबकि वार्ड 34, 36, 47 और 48 में काम अंतिम चरण में है। अन्य वार्डों में कार्य प्रगति पर है। वार्ड 4 और 6 के शौचालयों की मरम्मत के निर्देश भी दिए गए हैं। निगम के अधिकारियों के अनुसार यह कार्य भवन निर्माण विभाग के अनुमोदित दरों पर कराया जा रहा है, जिससे पारदर्शिता और लागत नियंत्रण सुनिश्चित हो रहा है। प्रत्येक वार्ड कार्यालय पर 1.5 लाख रुपये से कम खर्च किया जा रहा है। इस पहल से लोगों को स्थानीय स्तर पर ही शिकायत पंजीकरण कर भुगतान और अन्य सेवाएं आसानी से मिल सकेंगी।

बिरसा मुंडा चिड़ियाघर में मांस आपूर्ति ठप

RANCHI : रांची स्थित बिरसा मुंडा चिड़ियाघर इन दिनों गंभीर प्रशासनिक चुनौती का सामना कर रहा है। यहां मांसाहारी जानवरों के लिए मांस की आपूर्ति पूरी तरह से ठप हो गई है। यह स्थिति मांस आपूर्ति से जुड़े टेंडर को लगातार दूसरी बार रद्द किए जाने के बाद उत्पन्न हुई है, जिससे चिड़ियाघर प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। दरअसल, चिड़ियाघर प्रशासन द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए जारी टेंडर में प्रतिदिन 118.75 किलोग्राम बिना हड्डी वाला और 30 किलोग्राम हड्डी सहित मांस की आपूर्ति का प्रावधान रखा गया था। हालांकि, निर्धारित समय सीमा तक केवल दो ही आवेदकों ने इसमें भाग लिया। नियमों के तहत पर्याप्त प्रतिस्पर्धा नहीं होने के कारण टेंडर को रद्द कर दिया गया।

पिठोरिया में हुई अस्त्र-शस्त्र चालन प्रतियोगिता, युवाओं ने दिखाए करतब

PHOTON NEWS PITHORIA : श्री श्री महावीर मंडल पिठोरिया के तत्वावधान में स्थानीय दुर्गा मंदिर परिसर में अस्त्र-शस्त्र चालन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस गौरवशाली आयोजन में विभिन्न क्षेत्र के 25 अखाड़ों से आए सैकड़ों युवाओं ने हिस्सा लिया और अपनी युद्ध कला व शारीरिक क्षमता का हैरतअंगेज प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों ने तलवार, भाला, गदा, धनुष-बाण और लाठी जैसे पारंपरिक हथियारों के चालन से लोगों को रोमांचित कर दिया। मुख्य अतिथि विधायक सुरेश बैठा ने युवाओं का उत्साहवर्धन किया। मंदिर परिसर जय श्रीराम के नारों से गुंजायमान रहा। इसे देखने के लिए भारी संख्या में लोग उमड़े। मंच पर बीजेपी नेता कमलेश राम, पूर्व

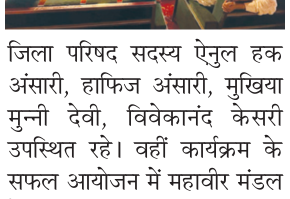

जिला परिषद सदस्य ऐनुल हक अंसारी, हाफिज अंसारी, मुखिया मुन्नी देवी, विवेकानंद केसरी उपस्थित रहे। वहीं कार्यक्रम के सफल आयोजन में महावीर मंडल के अध्यक्ष कृष्णा नायक, महामंत्री रामप्रसाद गोप, विकास मुंडा, राहुल गुप्ता, संदीप केशरी, सचिव शिकेन्दर, सह सचिव संजय महतो, रणधीर केशरी, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश रजक, सह कोषाध्यक्ष, पूर्व अध्यक्ष कृष्णा चौराशिया, लाइसेंसधारी बिनोद रजक, संरक्षक दीपक चौराशिया का विशेष योगदान रहा।

BRIEF NEWS

केयू में पीजी छात्रों को दी गई विदाई

CHAIBASA : कोल्हान विश्वविद्यालय के वीर पोटो हो ऑडिटोरियम मे शनिवार को पीजी इतिहास विभाग के सत्र 2023-25 का विदाई समारोह हुआ। सत्र 2024-26 के स्नातकोत्तर विधार्थियों द्वारा आयोजित कार्यक्रम मे पीजी-इतिहास के विभागाध्यक्ष डॉ. अरविंद कुमार सिंह, संकाय सदस्य डॉ. विकास नंदन, प्रदीप कुमार झा, दर्शनशास्त्र विभाग की डॉ. प्रीति शर्मा, भौतिकी विभाग की डॉ. मागुनी महाकुड़, भूगर्भ शास्त्र विभाग की डॉ. सुजाता मोहंती, जया जैकलीन तिर्की, महिला कॉलेज चाईबासा के इतिहास विभाग की अस्सिटेंट प्रो. डॉ. अमृता जायसवाल, टाटा कॉलेज के डॉ. विनोद कुमार लोहरा, राजेश कुमार प्रमाणिक, जगन्नाथपुर कॉलेज के डॉ. नीतिन नीरज, शोधार्थी दशमत किस्कू, शिक्षकेतर कर्मी लखन सिंह कुंटिया व लक्ष्मी गोप भी उपस्थित रहीं।

विधायक सरयू राय ने अंकित शर्मा की मृत्यु पर जताया शोक

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर सिविल अदालत के अधिवक्ता प्रतीक शर्मा के छोटे भाई अंकित शर्मा (31) की शुक्रवार देर रात सड़क दुर्घटना में हुई असामयिक मृत्यु से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है। इस घटना पर शनिवार को जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने गहरा दुःख व्यक्त किया और शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदनाएं प्रकट कीं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर संदेश जारी करते हुए कहा कि अंकित शर्मा एक होनहार और ऊर्जावान युवक थे, जिनकी अचानक मृत्यु अत्यंत पीड़ादायक है। विधायक सरयू राय ने यह भी कहा कि उनका परिवार से व्यक्तिगत जुड़ाव रहा है, जिससे यह क्षति उनके लिए भी अत्यंत दुखद है।

धनबाद के 55 विद्यालयों के 110 शिक्षक उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित

DHANBAD : शहर के मिश्रित भवन में शनिवार को स्वास्थ्य और कल्याण कार्यक्रम के तहत जिले के आरोग्य दूतों को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्कूलों में बच्चों के बीच स्वास्थ्य, सुरक्षा और जागरूकता को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में जिले के सभी प्रखंडों के 55 विद्यालयों से जुड़े कुल 110 शिक्षकों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। ये सभी शिक्षक आरोग्य दूत के रूप में कार्य करते हुए विद्यार्थियों के बीच स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी पहुंचा रहे हैं और उन्हें जागरूक बना रहे हैं। इस पहल के तहत छात्रों को स्वास्थ्य, साइबर सुरक्षा और सड़क सुरक्षा जैसे अहम विषयों पर जानकारी दी जाती है। इसके लिए एनसीईआरटी ने विशेष मॉड्यूल तैयार किया है। इसके माध्यम से बच्चों को सरल और प्रभावी तरीके से शिक्षित किया जा रहा है।

हजारीबाग में एक की हत्या, धनबाद में पथराव; बोकारो-कोडरमा में हादसा, कई घायल

रामनवमी पर कई जगह बवाल, पुलिस अलर्ट

PHOTON NEWS TEAM : रामनवमी के अवसर पर झारखंड के विभिन्न जिलों में निकाले गए जुलूस के दौरान कई जगह हिंसा और हादसों की घटनाएं सामने आई हैं। अलग-अलग जिलों में हुई इन घटनाओं ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। हजारीबाग में जहां एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई। वहीं धनबाद में पथराव के बाद पुलिस को हवाई फायरिंग करनी पड़ी। कोडरमा और बोकारो में भी हादसों में कई लोग घायल हुए हैं। घटनाओं के बाद संबंधित इलाकों में तनाव का माहौल है। पुलिस-प्रशासन अलर्ट मोड में है।

हजारीबाग में हिंसक झड़प, एक की मौत : हजारीबाग जिले के कटकमसांडी प्रखंड के गदोखर गांव में रामनवमी जुलूस के दौरान दो पक्षों के बीच विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। इस दौरान गदोखर पंचायत के मुखिया के भाई राम कुमार साव उर्फ रामा साव (40) पर भुजाली से हमला किया गया। गंभीर रूप से घायल होने के बाद उन्हें शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद गांव में शोक और तनाव का माहौल है। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आ गया। देर रात कटकमसांडी के अंचलाधिकारी अनिल कुमार गुप्ता, पेलावल थाना प्रभारी वेदप्रकाश पांडेय और कोर्रा थाना प्रभारी अजीत कुमार सहित कई पुलिस अधिकारी अस्पताल पहुंचे। अधिकारियों ने परिजनों से मुलाकात कर उन्हें जल्द न्याय दिलाने का भरोसा दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती भी कर दी गई है। घटना में पुरानी रंजिश की बात भी सामने आ रही है। परिजनों ने कुछ लोगों के नाम पुलिस को दिए हैं। आरोप लगाया है कि पुराने विवाद को लेकर साजिश रची गई थी। वहीं, स्थानीय विधायक प्रदीप प्रसाद ने घटना पर नाराजगी जताते हुए प्रशासनिक लापरवाही पर सवाल उठाए।

धनबाद में स्थिति को संभालने में जुटे जवान • फोटोन न्यूज

धनबाद में पुलिस ने की फायरिंग, कई हिरासत में

धनबाद के बलियापुर थाना क्षेत्र के भिखराजपुर में रामनवमी जुलूस के दौरान अचानक पथराव शुरू हो गया। असामाजिक तत्वों की इस हरकत से मौके पर अफरा-तफरी मच गई और जुलूस में शामिल लोग इधर-उधर भागने लगे। स्थिति को काबू में करने के लिए पुलिस को हवाई फायरिंग करनी पड़ी, जिसके बाद भीड़ तितर-बितर हुई। घटना के बाद पूरे इलाके को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। वरिष्ठ अधिकारी मौके पर कैंप करते रहे। पुलिस ने इस मामले में एक दर्जन से अधिक लोगों को हिरासत में लिया है।

कोडरमा में तलवार से हमला, युवक गंभीर

कोडरमा के झुमरीतिलैया में शोभायात्रा के दौरान करतब दिखा रहे युवकों के बीच अचानक हिंसा भड़क उठी। इस दौरान वीर कुमार (20) नामक युवक पर तलवार से हमला कर दिया गया। वह अपने मित्र के साथ जुलूस देख रहा था, तभी उस पर वार किया गया। गंभीर हालत में पहले उसे निजी अस्पताल ले जाया गया, फिर बेहतर इलाज के लिए रांची के रिम्स रेफर किया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है।

बोकारो में करंट से झुलसे युवक, सभी सुरक्षित

बोकारो के पेटरवार थाना क्षेत्र की खेतको पंचायत में जुलूस के दौरान बड़ा हादसा हो गया। यहां कई युवक हाई वोल्टेज बिजली तार की चपेट में आकर घायल हो गए। घायलों को जारंगडीह के जनता अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने सभी की स्थिति स्थिर बताई है। घायलों में अनिल रविदास, मिथुन ठाकुर और सुरेंद्र सिंह समेत अन्य शामिल हैं। प्रशासनिक अधिकारियों ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल जाना और घटना की जांच के निर्देश दिए हैं।

खूंटी के मुरहू में पत्थरबाजी, इलाके में तनाव

खूंटी जिले के मुरहू में रामनवमी की रात अचानक पत्थरबाजी की घटना सामने आई, जिससे इलाके में तनाव का माहौल बन गया। अज्ञात लोगों द्वारा की गई इस घटना में मुरहू थाना प्रभारी नॉवेल गॉडविन केरकेट्टा सहित 2-3 लोग घायल हो गए। हालांकि रात में किसी तरह स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया। घटना के दौरान थाना प्रभारी समेत कुछ स्थानीय लोगों को चोटें आईं। पत्थरबाजी अचानक शुरू होने से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने तत्काल हस्तक्षेप कर स्थिति को संभालने की कोशिश की और रात में हालात को काबू में कर लिया गया। घटना के अगले दिन सुबह मुरहू के लोगों में काफी आक्रोश देखा गया। गुस्साए स्थानीय निवासियों ने अपने-अपने दुकानों को बंद कर दिया और मुरहू महादेव मंडा के पास एकत्र हो गए। लोगों ने पत्थरबाजी में शामिल आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। इस दौरान इलाके में तनाव और बढ़ गया। सूत्रों के अनुसार, दूसरे पक्ष के लोग भी एकजुट हो गए, जिससे माहौल और अधिक संवेदनशील हो गया। बताया जा रहा है कि दिन में भी दोनों पक्षों के बीच फिर से पत्थरबाजी की घटना हुई, जिससे

खूंटी के मुरहू में पथराव के बाद उग्र भीड़ • फोटोन न्यूज

हालात बिगड़ने लगे। इससे प्रशासन की चिंता बढ़ गई और तत्काल अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आया और मुरहू में भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात कर दिया गया है। पुलिस स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए तैयार है।

साकची गोलचक्कर पर जुटे अखाड़े, खरकई व स्वर्णरेखा में हुआ झंडों का विसर्जन

जमशेदपुर में निकला रामनवमी का भव्य जुलूस 'जय श्री राम' के नारों से गूंज उठा पूरा शहर

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर में रामनवमी के पावन अवसर पर शनिवार को भव्य जुलूस निकला। शहर के अलग-अलग इलाकों से अखाड़ा समितियां पारंपरिक वेशभूषा में ढोल-नगाड़ों की गूंज और जय श्रीराम के नारों के साथ सड़कों पर उतरीं। युवाओं ने हैरतअंगेज करतब दिखाकर श्रद्धालुओं का उत्साह बढ़ाया। पूरे जुलूस मार्ग को भगवा झंडों और आकर्षक सजावट से सुसज्जित किया गया, जिससे शहर का माहौल पूरी तरह भक्तिमय नजर आया। आतिशबाजी के साथ डीजे की धुन पर युवा रास्ते भर थिरकते रहे, तो अखाड़ों के करतबबाज ढोल-ताशे की गड़गड़ाहट के साथ लाठी के खेल से हर किसी को मुग्ध करते रहे। इस दौरान जुलूस के मार्ग पर जगह-जगह सैकड़ों सेवा शिविर लगाए गए थे, जहां चना-शरबत, ठंडा पानी, तो कहीं लस्सी व कोल्डड्रिंक तक श्रद्धालुओं को परोसे गए। जुलूस में भगवान श्रीराम व हनुमान की जीवंत झांकी भी लोगों को आकर्षित कर रही थी। कुछ अखाड़ों में बाघ-भालू सहित तरह-तरह की वेशभूषा में सजे कलाकार भी दिखे। मानगो, साकची, भालूबासा, बिष्टुपुर, कदमा, सोनारी, धतकीडीह, एग्रिको, गोलमुरी, टेल्को समेत विभिन्न इलाकों के अखाड़ों ने रामनवमी झंडों का विसर्जन देर शाम तक खरकई व स्वर्णरेखा नदी के विभिन्न घाटों पर किया।

साकची में निकले रामनवमी विसर्जन जुलूस का नजारा • फोटोन न्यूज

घाटशिला में भी युवाओं ने दिखाए हैरतअंगेज करतब

GHATSHILA : रामनवमी पर शनिवार शाम को गाजे-बाजे के साथ निकले भव्य जुलूस में विभिन्न अखाड़ा कमेटियों के युवाओं ने एक से बढ़कर एक हैरतअंगेज करतब दिखाए। यहां महावीर व्यायाम समिति गोपालपुर, मऊभंडार शिव मंदिर, बी ब्लॉक मऊभंडार, घाटशिला, काशीदा सहित कई अखाड़ा कमेटियों ने विसर्जन जुलूस निकाला। जुलूस में सेवा और श्रद्धा का अनूठा संगम देखने को मिला। जुलूस में शामिल हजारों रामभक्तों के लिए कई संस्थाओं ने जगह जगह सेवा शिविर लगाए थे। कई लोगों ने व्यक्तिगत स्तर पर भी भोग-प्रसाद बांटे।

डीजे की आवाज से बिगड़ी महिला की तबीयत दो साउंड सिस्टम को पुलिस ने किया जब्त

PHOTON NEWS PALAMU : मेदिनीनगर में रामनवमी के दौरान डीजे साउंड को लेकर बड़ा मामला सामने आया है। शुक्रवार को देर रात बेलवाटिका इलाके में दो डीजे के बीच चल रहे साउंड कंपटीशन के दौरान तेज आवाज से एक महिला की तबीयत बिगड़ गई, जबकि पास स्थित एक होटल की खिड़कियों के शीशे चटक गए। इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो साउंड सिस्टम को जब्त कर लिया।

जानकारी के अनुसार, महिला को पहले से पेसमेकर लगा हुआ है, जिसके कारण तेज आवाज उनके लिए खतरनाक साबित हुई। उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। घटना से आहत होटल संचालक ने टाउन थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने दोनों डीजे संचालकों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है। जब्त किए गए डीजे में एक मध्य प्रदेश के भोपाल और दूसरा उत्तर प्रदेश के मऊ का बताया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने बताया कि मामले की जांच जारी है। टाउन थाना की पुलिस ने डीजे को जब्त कर लिया है। आगे की कानूनी प्रक्रिया की जा रही है। इस दौरान तेज ध्वनि के कारण होटल के शीशे भी टूट गए, जिससे आर्थिक नुकसान हुआ है। गौरतलब है कि रामनवमी के मौके पर मेदिनीनगर में कई अखाड़ों द्वारा जुलूस निकाला जाता है, जहां डीजे का उपयोग आम बात है, लेकिन इस घटना ने ध्वनि प्रदूषण और सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जब्त किए गए डीजे • फोटोन न्यूज

उपराष्ट्रपति ने उलिहातु में बिरसा मुंडा को दी श्रद्धांजलि, वंशजों से की मुलाकात

PHOTON NEWS KHUNTI : शनिवार को उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन खूंटी जिला स्थित भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातु पहुंचे। उनके साथ झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार भी मौजूद रहे। उपराष्ट्रपति और राज्यपाल ने उलिहातु पहुंचकर भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने बिरसा मुंडा के वंशजों से मुलाकात की और उन्हें स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

अपने दौरे के दौरान उपराष्ट्रपति ने वहां उपस्थित बच्चों से संवाद भी किया। उन्होंने बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने, अपने लक्ष्य निर्धारित करने और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद उपरष्ट्रपति बिरसा कॉम्प्लेक्स पहुंचे, जहां उन्होंने पुनः बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। यहां उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याओं और हालात के बारे में जानकारी ली। इससे पहले उपराष्ट्रपति के आगमन पर हेलीपैड पर जिला प्रशासन द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस अवसर पर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ.इरफान अंसारी ने राज्यपाल के साथ मिलकर उपराष्ट्रपति का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम में उपायुक्त आर. रॉनिटा और पुलिस अधीक्षक मनीष टोप्पो सहित कई प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। इनके अलावा राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह, उपराष्ट्रपति के सचिव अमित खरे समेत कई गणमान्य अतिथि भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि देते उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन व अन्य • फोटोन न्यूज

डिपासाई व जाटा हाटिंग में सेल के बुलडोजर पर लगा ब्रेक, विरोध के बाद झुका प्रशासन

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के गुवा बाजार स्थित डिपासाई व जाटा हाटिंग में शनिवार को सेल (स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड) ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की। सुबह करीब 11 बजे विस्थापितों के घरों पर बुलडोजर चलना शुरू ही हुआ था कि पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। अचानक शुरू हुई इस कार्रवाई के विरोध में विस्थापित जुटने लगे। देखते ही देखते प्रशासन व सेल प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी होने लगी।

इस दौरान नोवामुंडी-1 की जिला परिषद सदस्य देवकी कुमारी, पूर्वी पंचायत की मुखिया चांदमनी लागुरी और झामुमो नेता मोहम्मद तबारक भी मौके पर पहुंचे और विस्थापितों का समर्थन करने लगे। सभी ने एक स्वर में कहा कि जब तक हर विस्थापित को पुनर्वास योजना के तहत नया घर और उसकी चाबी नहीं मिल जाती, तब तक वे किसी भी हाल में अपने पुराने घर खाली नहीं करेंगे। यहां करीब 500 घरों को तोड़ना है। करीब तीन घंटे तक चले विरोध प्रदर्शन के बाद प्रशासन ने कार्रवाई रोक दी। प्रशासन की ओर से घोषणा की गई कि जिन लोगों को सेल प्रबंधन द्वारा बनाए गए नए घर की चाबी मिल चुकी है, वे तत्काल अपने पुराने घर खाली करें। जिन्हें अभी तक चाबी नहीं मिली है, उन्हें दो दिनों का समय दिया जा रहा है। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि निर्धारित समय के भीतर सभी को स्थल खाली करना होगा, ताकि यहां सेल का प्रस्तावित नया प्रोजेक्ट शुरू किया जा सके। इस आश्वासन के बाद विस्थापितों ने प्रशासन की बात मान ली। इसके बाद जिन लोगों को पहले ही चाबी मिल चुकी थी, वे धीरे-धीरे अपने घर खाली करने लगे।

इस मौके पर मजिस्ट्रेट के रूप में अंचलाधिकारी मनोज कुमार तैनात थे, जबकि प्रखंड विकास पदाधिकारी पप्पू रजक, इंस्पेक्टर वासुदेव मुंडा सहित गुवा, बड़ाजामदा, नोवामुंड़ी और किरीबुरू के थाना प्रभारी मौजूद रहे। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए लगभग 500 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी।

अतिक्रमण हटाने का विरोध करते विस्थापित • फोटोन न्यूज

कार्यक्रम एक्सएलआरआई जमशेदपुर में ग्रामीण व्यवसाय इनक्यूबेशन सेंटर का उद्घाटन

पूर्वी व उत्तर-पूर्वी भारत के 250 स्टार्टअप को आर्थिक सहयोग देगा नाबार्ड

- बोले नाबार्ड के चेयरमैन- ग्रामीण क्षेत्रों की उद्यमिता ही विकसित भारत के लक्ष्य को करेगी पूरा

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : एक्सएलआरआई-जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, जमशेदपुर में ग्रामीण व्यवसाय इनक्यूबेशन सेंटर का उद्घाटन शनिवार को नाबार्ड के चेयरमैन डॉ. शाजी केवी ने किया। इस मौके पर एक्सएलआरआई बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरमैन सह टाटा स्टील के एमडी टीवी नरेंद्रन, एक्सएलआरआई के निदेशक फादर सेबेस्टियन जार्ज सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। इस सेंटर का संचालन एक्सएलआरआई काउंसिल फॉर इनोवेशन टेक्नोलॉजी एंड एंटरप्रेन्योरशिप (एक्ससीआईटीई) की देखरेख में होगा। इस सेंटर के उद्घाटन के बाद नाबार्ड के चेयरमैन डॉ. शाजी केवी ने प्रेसवार्ता में बताया कि यह केंद्र पूर्वी एवं उत्तर पूर्वी भारत की उद्यमिता (स्टार्टअप) को बढ़ावा देगा। इन क्षेत्रों में ग्रामीण उद्यमिता के कई तरह के नए-नए इनोवेशन हो रहे हैं। इन इनावेशन को और बेहतर एक्सएलआरआई की काउंसिल करेगी। यही इस सेंटर का मुख्य कार्य है।

जानकारी देते नाबार्ड के चेयरमैन डॉ. शाजी केवी व अन्य • फोटोन न्यूज

भारत दुनिया की सबसे स्थिर वित्तीय प्रणालियों में से एक : संदीप बख्शी

एक्सएलआरआई- जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में शनिवार को 70वें वार्षिक दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। टाटा ऑडिटोरियम में हुए समारोह में 530 छात्र-छात्राओं को विभिन्न पाठ्यक्रमों में डिग्री प्रदान की गई। समारोह के मुख्य अतिथि आईसीआईसीआई बैंक के सीईओ संदीप बख्शी थे, जो एक्सएलआरआई के ही पूर्व छात्र हैं। उन्होंने कहा कि भारत की वित्तीय सेवाएं हमेशा अर्थव्यवस्था की प्रगति से अटूट रूप से जुड़ी रही हैं। भारत दुनिया की सबसे स्थिर वित्तीय प्रणालियों में से एक बन चुका है।

अपार्टमेंट की छत से गिरा युवक, हालत गंभीर

DHANBAD : धनबाद थाना क्षेत्र के लुबी सर्कुलर रोड स्थित शान्ति अपार्टमेंट से एक गंभीर हादसा सामने आया है। करीब 21 वर्षीय युवक ऋषव निशांत छत से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की तत्परता से युवक को तुरंत धनबाद के सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के अनुसार युवक के शरीर में कई गंभीर चोटें आई हैं और उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि घायल युवक ऋषव निशांत, प्रोफेसर कामता प्रसाद का पुत्र है।

---

40 करोड़ की जमीन ठगी का मास्टरमाइंड अजय भेजा गया जेल

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : शहर और आसपास के इलाकों में रियल एस्टेट के नाम पर बड़े पैमाने पर ठगी करने वाले बिल्डर अजय अग्रवाल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। अजय अग्रवाल पर आरोप है कि उसने जमशेदपुर और सरायकेला-खरसावां के कई लोगों को जमीन के फर्जी कागजात दिखाकर फ्लैट बुकिंग के नाम पर करीब 40 करोड़ रुपये की ठगी की और फरार हो गया था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तारी से बचने के लिए अजय अग्रवाल लगातार अपना ठिकाना बदलता रहा। वह कभी गुजरात के वापी, कभी हैदराबाद और कभी इंफाल में छिपकर रह रहा था। लंबे समय तक पीछा करने के बाद साकची थाना की पुलिस ने उसे रांची के एक होटल से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को जमशेदपुर सिविल कोर्ट में शनिवार को पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। निचली अदालत ने उसकी जमानत अर्जी भी खारिज कर दी। सूत्रों का यह भी कहना है कि शहर के एक आपराधिक गिरोह की नजर उस पर बनी हुई है, जिससे उसकी सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ गई है।

अजय अग्रवाल की फाइल फोटो

BRIEF NEWS

कूड़े में मिली नवजात की डेड बॉडी

SIWAN : शहर में उस वक्त सनसनी फैल गई जब शांति बट वृक्ष के पास कूड़े के ढेर में एक नवजात मृत बच्चे का शव बरामद हुआ। शनिवार को नगर परिषद के सफाई कर्मी जब नियमित सफाई के दौरान कूड़ा उठा रहे थे, तभी उनकी नजर इस हृदय विदारक दृश्य पर पड़ी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई और घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं होने लगीं। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि नवजात को यहां किसने और किन परिस्थितियों में फेंका। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। इस घटना ने मानवता को शर्मसार कर दिया है और इलाके में शोक व आक्रोश का माहौल बना हुआ है।

कल मोतिहारी में होगा जॉब कैंप का आयोजन

EAST CHAMPARAN : जिला नियोजनालय के परिसर में 30 मार्च प्रातः 11:00 बजे एक दिवसीय जॉब कैंप सह कैरियर मार्गदर्शन कैम्प का आयोजन किया जायेगा। डीपीआरओ की इसकी जानकारी देते बताया कि इस जॉब कैम्प में सिंदुजा माइक्रो क्रेडिट प्राइवेट लिमिटेड योग्य अभ्यर्थियों का चयन टीसीओ (फील्ड ऑफिसर) पद के लिए करेगी इन पदो के लिए योग्यता 12 वीं पास व उम्र पुरुष 18-32 वर्ष निर्धारित है। जॉब का कार्यस्थल बिहार के भिन्न जिलों में होगा और मानदेय 15311 सीटीसी निर्धारित किया गया है। साथ ही साथ अन्य सुविधाएं भी दी जाएगी, जैसे आवास, खाना इंसेंटिव, पीएफ, मेडिकल, ग्रैच्यूटी इत्यादि इस जॉब कैंप मे कुल - 100 रिक्त पदों पर भर्ती किया जायेगा।

नशे में धुत युवक की इलाज के दौरान मौत

EAST BHAGALPUR : जिले के कहलगांव थाना क्षेत्र के लालपुर भादेव गांव निवासी सुभाष कुमार राम की मौत बीते रात लगभग डेढ़ बजे इलाज के दौरान हो गई। बताया जा रहा है कि सुभाष कुमार राम करीब दो महीने बाद घर लौटे थे। घर आने के कुछ ही दूरी पर वह शराब के नशे में खेत में पड़े हुए मिले। एक बच्चे द्वारा इसकी सूचना परिजन को दी गई। जब परिजन मौके पर पहुंचे, तो देखा कि सुभाष बदहवास हालत में खेत में पड़े हैं और उनके शरीर से शराब की तेज गंध आ रही थी। स्थिति गंभीर देखते हुए परिजन उन्हें तुरंत इलाज के लिए भागलपुर के मायागंज अस्पताल ले गए। जहां इलाज के दौरान देर रात करीब 1:30 बजे उनकी मौत हो गई। मृतक के साले ने बताया कि उसकी बहन की शादी वर्ष 2019 में सुभाष कुमार राम के साथ हुई थी। लेकिन शादी के 15-20 दिन बाद ही उसकी बहन ससुराल छोड़कर मायके आ गई थी।

मुख्यमंत्री ने पटना शहर स्थित विभिन्न निर्माणाधीन योजनाओं का किया निरीक्षण, कहा-

पुराने शवदाह गृह परिसर में भी उपलब्ध कराएं सारी सुविधाएं

AGENCY PATNA : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज पटना शहर स्थित विभिन्न निर्माणाधीन योजनाओं का निरीक्षण किया और तेजी से कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने डॉ. राजेन्द्र प्रसाद समाधि स्थल के पास निर्माण कराये जा रहे लोकनायक जय प्रकाश नारायण पार्क (बिहार गौरव पार्क) के निर्माण कार्य का स्थल निरीक्षण किया। पटना में बांस घाट के पास लोकनायक जय प्रकाश नारायण पार्क का निर्माण लोकनायक के सम्मान में किया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के प्रथम राष्ट्रपति देशरत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद की समाधि स्थल के पास इस पार्क का निर्माण बेहतर ढंग से करायें। इस पार्क के निर्माण से इस क्षेत्र के लोगों को काफी फायदा होगा। इस थीम पार्क के एक तरफ देशरत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी का समाधि स्थल है, वहीं दूसरी ओर

निर्माणाधीन योजनाओं का निरीक्षण करते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार व अन्य

जेपी गंगा पथ अवस्थित है, यहां का दृश्य काफी मनोरम होगा। ज्ञातव्य है कि देश के प्रथम राष्ट्रपति देशरत्न डॉ राजेन्द्र प्रसाद की समाधि स्थल एवं जेपी गंगा पथ के बीच 10 एकड़ भूमि में (बिहार गौरव पार्क) का निर्माण कराया जा है। इस पार्क में बिहार के गौरवपूर्ण इतिहास एवं संस्कृति के विभिन्न अवयवों को प्रदर्शित किया जाएगा। थीम पार्क में बिहार की महान विभूतियों- आर्यभट्ट, चाणक्य, सम्राट अशोक, लोकनायक जयप्रकाश नारायण एवं दशरथ मांझी मांझी की प्रेरणादायक गाथाओं को उद्धृत किया जाएगा। पार्क में बिहार की स्थापत्य कला नालंदा, विक्रमशिला, धार्मिक स्तूप, मंदिरों एवं मकबरों को दर्शाया जाएगा। साथ ही पर्यटकों के खाने-पीने की व्यवस्था एवं खेल मैदान का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा देश के प्रथम राष्ट्रपति देशरत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद की याद में उनके वर्तमान स्मारक स्थल पर एक भव्य स्मृति परिसर का निर्माण भी किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने बांस घाट स्थित नए मुक्ति धाम परिसर का निरीक्षण किया और वहां की सुविधाओं की जानकारी ली। लगभग साढ़े चार एकड़ भूमि में बांसघाट शवदाह गृह का नवीनीकरण कार्य कराया गया है। यहां दाह संस्कार की सुविधाओं के साथ-साथ नागरिक तथा धार्मिक एवं सांस्कृतिक सुविधायें उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री ने बांस घाट स्थित पुराने शवदाह गृह परिसर का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि इसको भी और बेहतर ढंग से बनायें। जो नया मुक्ति धाम बना है उसके साथ-साथ इस पुराने शवदाह गृह परिसर में भी सारी सुविधायें उपलब्ध कराएं।

मधेपुरा में भीषण सड़क हादसा : दीनाभद्री मेला से लौट रहे चार दोस्तों में तीन की हो गई मौत

AGENCY MADHUPURA : जिले में शुक्रवार की देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे ने चार परिवारों की खुशियां छीन लीं। दीनाभद्री मेला देखकर लौट रहे चार दोस्तों की कार अनियंत्रित होकर अरार थाना क्षेत्र के पास पुल की रेलिंग तोड़ते हुए नदी में जा गिरी, जिससे तीन युवकों की मौत हो गई जबकि चौथे की तलाश जारी है।

जानकारी के अनुसार, सभी युवक शुक्रवार रात करीब 9 बजे स्टेशन चौक से दीनाभद्री मेला देखने के बाद मधेपुरा लौट रहे थे। इसी दौरान रात करीब 12:30 बजे अरार पुल पर तेज रफ्तार कार संतुलन खो बैठी और रेलिंग तोड़कर लगभग 20 फीट नीचे नदी में गिर गई। हादसा इतना भीषण था कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। नदी में गिरते ही चारों ओर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही अरार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से राहत-बचाव कार्य शुरू किया गया। काफी मशक्कत के बाद तीन शवों को नदी से बाहर निकाला गया, जबकि चौथे की तलाश लगातार जारी रही। बाद में प्रशासन ने चौथे मृतक की भी पहचान की पुष्टि की। पानी अधिक होने के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। दुर्घटनाग्रस्त कार को भी नदी से बाहर निकाल लिया गया है।

अस्पताल के बाहर रखे गए शव

दुर्घटना में जान गंवाने वालों की पहचान

हादसे में जान गंवाने वालों में घनश्याम कुमार (28), पिता स्व. विमल यादव, निवासी वार्ड-23, स्टेशन चौक, मधेपुरा, अंकित कुमार (27), पिता मनोज कुमार, निवासी मोकमा, थाना बसनही, जिला सहरसा, बसंत कुमार, पिता प्रमोद यादव, निवासी सौरबाजार, सहरसा, सागर कुमार, निवासी वार्ड-14, जयपालपट्टी, सदर थाना क्षेत्र, मधेपुरा है। सभी आपस में मित्र थे और साथ में मेला देखकर लौट रहे थे।

सारण कृषि विभाग ने जारी किए उर्वरक उपलब्धता के आंकड़े

SARAN : जिले के किसानों के लिए खेती-बाड़ी की राह आसान करते हुए किसी विभाग पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। विभाग ने यह स्पष्ट किया है कि जिले में खाद की कोई कमी नहीं है और उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कर ली गई है। विभाग द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार वर्तमान में जिले में 6857.62 मीट्रिक टन यूरिया, 3616.35 मीट्रिक टन डीएपी, 2641.30 मीट्रिक टन एनपीके, 396.90 मीट्रिक टन पोटाश और 683.20 मीट्रिक टन एसएसपी उपलब्ध है। उर्वरकों की कालाबाजारी, मुनाफाखोरी और अवैध जमाखोरी को रोकने के लिए विभाग सख्त रुख अपनाए हुए है। जिन प्रतिष्ठानों के पास पर्याप्त मात्रा में यूरिया उपलब्ध है।

NEWS BOX

नालंदा विश्वविद्यालय में 31 को दीक्षांत समारोह, राष्ट्रपति होंगी मुख्य अतिथि

AGENCY PATNA : विश्व प्रसिद्ध नालंदा विश्वविद्यालय के राजगीर स्थित स्थायी परिसर में 31 मार्च को दूसरा दीक्षांत समारोह आयोजित किया जाएगा।

इस ऐतिहासिक अवसर पर राष्ट्रपति एवं विश्वविद्यालय की विजिटर द्रौपदी मुर्मु मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। यह समारोह कई मायनों में खास होगा, क्योंकि नव उद्घाटित स्थायी परिसर में आयोजित होने वाला यह पहला दीक्षांत समारोह है। इस आधुनिक परिसर का उद्घाटन जून 2024 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया गया था। विश्वविद्यालय के पुनरुद्धार के बाद यह दूसरा दीक्षांत समारोह है, जबकि पहला समारोह वर्ष 2016 में आयोजित हुआ था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का राजगीर और नालंदा विश्वविद्यालय का राष्ट्रपति के रूप में यह पहला दौरा होगा। इस दौरान वे दीक्षांत भाषण देंगी, छात्रों को उपाधियां प्रदान करेंगी और मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक से सम्मानित करेंगी। साथ ही वे विश्वविद्यालय के नवनिर्मित 2000 सीटों वाले सभागार 'विश्वमित्रालय' का उद्घाटन भी करेंगी। समारोह में पोस्ट-ग्रेजुएट और डॉक्टरेट प्रोग्राम के छात्रों को व्यक्तिगत रूप से डिग्री प्रदान की जाएगी। इस दीक्षांत समारोह की विशेषता इसकी अंतरराष्ट्रीय भागीदारी भी है, जिसमें अर्जेंटीना, वियतनाम, भूटान, इंडोनेशिया, केन्या, लाओस, म्यांमार, सर्बिया, घाना, थाईलैंड, नेपाल, बांग्लादेश और जिम्बाब्वे सहित कई देशों के छात्र शामिल होंगे।

रानीपट्टी नहर किनारे से 482 बोतल नेपाली शराब के साथ बाइक जब्त

AGENCY SUPAUL : जिले के ललितग्राम थाना पुलिस ने शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में नेपाली शराब बरामद की है बीते शुक्रवार की सुबह करीब दस बजे पुलिस ने थाना क्षेत्र के रानीपट्टी टेंगरी नहर के पास छापेमारी कर 482 बोतल कुल 144 लीटर नेपाली दिलवाले सौफी शराब के साथ एक बिना नंबर प्लेट बाइक जब्त की है। हालांकि पुलिस की कार्रवाई की भनक लगते ही तस्कर अपनी शराब की खेप छोड़कर मौके से फरार होने में सफल रहा।

जानकारी के अनुसार, ललितग्राम थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि रानीपट्टी टेंगरी नहर के रास्ते शराब की खेप ले जाई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही तस्कर बाइक और शराब की खेप छोड़कर भाग निकला। पुलिस ने मौके से 482 बोतल नेपाली दिलवाले सौफी शराब बरामद करते हुए बाइक को जब्त कर लिया। इस बाबत थानाध्यक्ष अंजली कुमारी ने बताया कि जब्त शराब और बाइक को थाना लाकर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। साथ ही फरार तस्कर की पहचान कर उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

हथियार के बल पर लूटे गए 20 रसोई गैस सिलेंडर बरामद, दो गिरफ्तार

AGENCY SAHARSA : जिला पुलिस टीम ने महज 36 घंटे के भीतर हथियार के बल पर लूटी गई 20 रसोई गैस सिलेंडर को बरामद किया है। पुलिसमौके से दो आरोपित को भी गिरफ्तारकिया है। हालांकि कुछ अन्य अपराधी पुलिस कार्रवाई में फरार हो गये, जिसकी गिरफ्तारी के लिए छापामारी की जा रही है। जिला के बसनही थाना अध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि बीते 26 मार्च को जिला के अतलखा गांव निवासी भोला यादव के पुत्र वीर सिंह पिकअप वैन संख्या - बीआर 43 जीए 6269 से गैस सिलेंडर के वितरण का कार्य कर रहे थे।

वे गैस सिलेंडर वितरण कर वापस लौट रहे थे। इस दौरान देर शाम लगभग 5:30 बजे थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर पैक्स गोदाम स्थित कलभट के निकट दो बाइक पर सवार चार अज्ञात अपराधियों द्वारा हथियार का भय दिखाकर उनसे रसोई गैस सिलेंडर वितरण से जमा कुल 25 हजार नकद रुपए, उनका मोबाइल फोन और वाहन सहित गैस सिलेंडर की लूट की घटना को अंजाम दिया था, जिसके बाद पीड़ित वीर सिंह की शिकायत पर बसनही थाना कांड संख्या - 50/26 दर्ज की गई थी।

सीएचसी प्रभारी पर घूसखोरी, उत्पीड़न व निजी अस्पताल में ड्यूटी का आरोप, जांच के आदेश

AGENCY KISHANGANJ : ठाकुरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अखलाकुर रहमान पर घूसखोरी, मानसिक एवं शारीरिक उत्पीड़न तथा पद के दुरुपयोग के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इस संबंध में स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा उद्योग एवं पथ निर्माण मंत्री बिहार सरकार डॉक्टर दिलीप कुमार जायसवाल को लिखित शिकायत भेजकर मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई है।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी द्वारा स्वास्थ्यकर्मियों से इंसेंटिव राशि के साथ-साथ वेतन से भी अवैध रूप से घूस की मांग की जाती है। आरोप है कि राशि नहीं देने पर सीएल/एसएल अवकाश स्वीकृत नहीं करने और प्रताड़ित करने की धमकी दी जाती है।

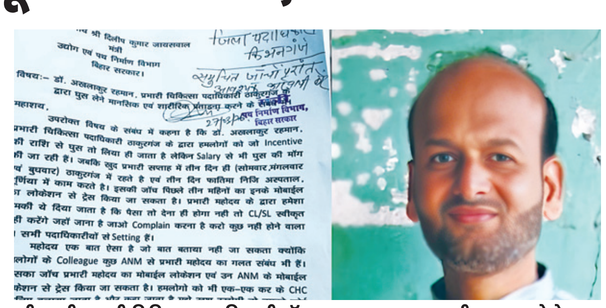

सीएचसी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अखलाकुर रहमान की फाइल फोटो

शिकायतकर्ताओं ने यह भी आरोप लगाया है कि प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी सप्ताह में मात्र तीन दिन (सोमवार, मंगलवार और बुधवार) ही ठाकुरगंज में रहते हैं, जबकि शेष दिनों में पूर्णिया स्थित एक निजी अस्पताल में कार्य करते हैं। उन्होंने पिछले तीन महीनों के मोबाइल लोकेशन की जांच कर सत्यता सामने लाने की मांग की है। इसके अलावा शिकायत में कुछ एएनएम कर्मियों के साथ अनुचित संबंध होने का भी आरोप लगाया गया है शिकायतकर्ताओं ने कहा है कि प्रभारी द्वारा महिला स्वास्थ्यकर्मियों को अलग-अलग बुलाकर दबाव बनाया जाता है तथा इच्छुक रखनेह पर सुविधा देने की बात कही जाती है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि जो कर्मचारी इस तरह के दबाव में नहीं आते, उन्हें टारगेट कर परेशान किया जाता है।

गैस सिलेंडर से जुड़ीं 193 शिकायतों में 115 का हुआ निष्पादन

ARARIA : जिले में रसोई गैस की उपलब्धता एवं आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है। रसोई गैस आपूर्ति से संबंधित किसी प्रकार की कमी नहीं है। जिला आपूर्ति कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला नियंत्रण कक्ष में 17 मार्च से 28 मार्च तक कुल 193 शिकायतें दर्ज की गई है, जिनमें से 115 शिकायतों का सफलतापूर्वक निष्पादन कर दिया गया है, जबकि 78 शिकायतें लंबित हैं। लंबित मामलों के त्वरित निपटारे के लिए संबंधित गैस एजेंसियों के एरिया मैनेजरों को निर्देशित किया गया है। जिला प्रशासन द्वारा पारदर्शिता और समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य लगातार निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में आज जिले की 10 गैस एजेंसियों पर छापेमारी भी की गई। इस दौरान आपूर्ति, वितरण और स्टॉक की जांच की गई।

भीषण अगलगी में पांच घर जलकर राख

AGENCY SUPAUL : जिले के त्रिवेणीगंज प्रखंड के जदिया पंचायत अंतर्गत फुलकाहा वार्ड 21 में शनिवार की सुबह अचानक भीषण आग लगने से चार परिवारों के पांच घर जलकर पूरी तरह राख हो गए। आग इतनी तेजी से फैली कि लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला और देखते ही देखते सब कुछ जलकर खाक हो गया। इस दर्दनाक घटना में गोसाय शर्मा, मिथलेश शर्मा, पप्पू शर्मा और खट्टर शर्मा के घर पूरी तरह जल गए। आग ने इन परिवारों की वर्षों की जमा पूंजी पलभर में छीन ली। अगलगी में करीब 70 हजार रुपये नकद, दो साइकिल, अनाज, बर्तन, फर्नीचर, कपड़े तथा महत्वपूर्ण कागजात जलकर नष्ट हो गए। पीड़ित परिवारों के सामने अब रहने और खाने का गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है।

आग लगने के घटना के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। आशंका जताई जा रही है कि आग चूल्हे की चिंगारी या बिजली के शॉर्ट सर्किट से लगी हो सकती है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। आग लगने के बाद ग्रामीणों ने एकजुट होकर आग बुझाने का प्रयास किया और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। सूचना मिलने पर दमकल कर्मी पहुंचे, लेकिन गांव तक सड़क नहीं होने के कारण दमकल वाहन घटनास्थल तक नहीं पहुंच सका, जिससे राहत कार्य प्रभावित हुआ। घटना के बाद पीड़ित परिवारों का रो-रोकर बुरा हाल है। उनके सामने अब सिर छुपाने और

जले हुए घर का मलबा

भोजन की व्यवस्था की बड़ी समस्या खड़ी हो गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र मुआवजा देने और गांव में सड़क सुविधा बहाल करने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। इस संबंध में अंचल अधिकारी प्रियंका कुमारी ने बताया कि सूचना मिलते ही एक कर्मी को घटनास्थल पर भेज दिया गया है। सर्वेक्षण रिपोर्ट मिलने के बाद आपदा विभाग द्वारा निर्धारित मुआवजा राशि जल्द ही पीड़ित परिवारों को प्रदान की जाएगी। तत्काल सहायता के लिए भी कार्रवाई की जा रही है।

कार्यक्रम

सुपौल इंजीनियरिंग कॉलेज में भव्य रामलीला व रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

रामलीला के मंचन ने दर्शकों को किया भावविभोर

AGENCY SUPAUL : रामनवमी के पावन अवसर तथा विश्व रंगमंच दिवस के उपलक्ष्य में सुपौल इंजीनियरिंग कॉलेज के सांस्कृतिक क्लब द्वारा एक दिवसीय भव्य रामलीला के साथ-साथ आकर्षक रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन अत्यंत उत्साह और भव्यता के साथ किया गया।

इस आयोजन ने पूरे परिसर को धार्मिक, सांस्कृतिक और रचनात्मक रंगों से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ गरिमामयी उपस्थिति के साथ हुआ, जिसमें सांस्कृतिक क्लब के संकाय समन्वयक चंद्रशेखर कुमार, छात्र गतिविधि केंद्र प्रभारी आनंद प्रकाश, तथा सहायक प्राध्यापक सौरभ कुमार निराला, नंदन कुमार, गोपाल

मंच पर रामलीला के कलाकार व अन्य

कृष्ण सर राजू, अभय सर एवं रौशनी सुमन उपस्थित रहे। सभी गणमान्य अतिथियों ने छात्रों के इस उत्कृष्ट प्रयास की सराहना करते हुए इसे संस्कृति और रचनात्मकता का सुंदर संगम बताया।

रामलीला के मंचन ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। छात्रों द्वारा निभाए गए भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और रावण के पात्रों ने अपनी सजीव अभिव्यक्ति, संवाद अदायगी और मंचीय प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। पारंपरिक वेशभूषा, सुसज्जित मंच और प्रभावशाली अभिनय ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया।

इसके साथ ही आयोजित रंगोली प्रतियोगिता भी आकर्षण का केंद्र रही, जिसमें छात्रों ने अपनी रचनात्मकता और कलात्मक कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में दो टीमों ने भाग लिया- पहली टीम में सृष्टि परिणीता, अनविशा एवं सृष्टि कुमारी शामिल थीं, जबकि दूसरी टीम में साक्षी सिंह एवं अनीशा थीं। दोनों टीमों ने आकर्षक एवं विषय आधारित रंगोलियाँ बनाकर सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। इस पूरे आयोजन की सफलता के पीछे छात्र समन्वयकों आशुतोष, सुनंदन, गौतम, सूरज, अरशद, आर्य, साक्षी सिंह, अनविशा, सृष्टि परिणीता, सृष्टि कुमारी, पारस, शिवम एवं यश राज का विशेष और सराहनीय योगदान रहा। इन सभी ने योजना निर्माण से लेकर मंच संचालन और प्रबंधन तक हर स्तर पर अपनी जिम्मेदारियों को कुशलतापूर्वक निभाया, जिसके परिणामस्वरूप कार्यक्रम अत्यंत सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

सारण के लोहा छपरा विद्यालय पर बन रही डॉक्युमेंट्री फिल्म

SARAN : जिले के नगरा प्रखंड स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय लोहा छपरा ने एक उपलब्धि अपने नाम की है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक विजयेंद्र कुमार विजय बताया कि राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान नई दिल्ली के नेशनल सेंटर फॉर स्कूल लीडरशिप द्वारा इस विद्यालय का चयन स्कूल लीडरशिप एकेडमी कार्यक्रम के तहत डॉक्युमेंट्री फिल्म निर्माण के लिए किया गया है। विद्यालय में संचालित उड़ान क्लब ने अपनी कार्यशैली से राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। इस क्लब के माध्यम से छात्राओं को माहवारी स्वच्छता और पोषण के प्रति न केवल जागरूक किया जाता है बल्कि उन्हें निःशुल्क सैनिटरी पैड भी उपलब्ध कराए जाते हैं।

प्रधानमंत्री के 'मन की बात' के 132वें संस्करण को लेकर भाजपा की बैठक

AGENCY BHAGALPUR : बिहपुर एनडीए कार्यालय में बिहपुर विधायक सह सत्तारूढ़ दल के सचेतक ई.शैलेंद्र की उपस्थिति में नारायणपुर उत्तरी मंडल भाजपा का प्रशिक्षण मंगलवार 31 मार्च को होगा। जबकि दक्षिणी मंडल भाजपा का प्रशिक्षण दो अप्रैल को होगा। नवगछिया भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रो.गौतम ने बताया कि भाजपा नेतृत्व के निर्देश पर सात मार्च से 14 अप्रैल तक पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 जारी है। बिहपुर विस में इस महाअभियान के प्रशिक्षण की कड़ी में खरीक और बिहपुर के चारों मंडल भाजपा का प्रशिक्षण पिछले दिनों संपन्न हो चुका है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' के 132वें संस्करण को

लेकर कार्यकर्ताओं के साथ विधायक श्री शैलेंद्र ने शनिवार को बिहपुर एनडीए विस्तृत विचार-विमर्श किया। इस दौरान यह सुनिश्चित करने के लिए रणनीति बनाई गई कि अधिक से अधिक क्षेत्रवासी इस प्रेरणादायी कार्यक्रम से जुड़ें और हर बूथ स्तर तक इसकी प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित हो। पिछले माह हम सभी के सामूहिक प्रयास से लगभग 94% बूथों पर 'मन की बात' का श्रवण सुनिश्चित हुआ था जो अपने आप में एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।

आध्यात्मिक शक्ति, सामाजिक समरसता व मानवीय संवेदना

हरियाणा के समालखा स्थित माधव सृष्टि में आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा 2026 में संत शिरोमणि संत रविदास के 650वें प्राकट्य वर्ष के अवसर पर व्यक्त विचार केवल श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि भारतीय समाज के लिए एक गहरा मार्गदर्शन हैं। यह अवसर हमें उस महान संत परंपरा की स्मृति दिलाता है, जिसने सदियों से भारत को आध्यात्मिक शक्ति, सामाजिक समरसता और मानवीय संवेदना का मार्ग दिखाया है। संत रविदास का जन्म 15वीं शताब्दी में काशी के समीप एक साधारण परिवार में हुआ। वे कर्म से जूते बनाने का कार्य करते थे, परंतु उनकी आत्मा भक्ति और आध्यात्मिक साधना में निमग्न रहती थी। उन्होंने अपने जीवन से यह सिद्ध किया कि श्रम कोई हीन कार्य नहीं, बल्कि ईश्वर की साधना का ही एक रूप है। इसी कारण उन्होंने समाज में श्रम की प्रतिष्ठा का संदेश दिया- एक ऐसा संदेश, जो आज भी उतना ही प्रासंगिक है। उनकी भक्ति निर्गुण भाव की थी, जिसमें ईश्वर को निराकार, सर्वव्यापक और सबके भीतर विद्यमान माना गया। उनके पदों में बार-बार एक ऐसे आदर्श समाज की कल्पना मिलती है, जहां किसी प्रकार का भेदभाव न हो। उनके प्रसिद्ध पद बेगमपुरा शहर को नांव में वे एक ऐसे समाज का चित्रण करते हैं, जहां न भय है, न कर, न भेदभाव। एक ऐसा समाज, जो समानता, सम्मान और न्याय पर आधारित हो। संत रविदास का जीवन करुणा, सेवा और समता का अद्भुत उदाहरण है। उन्होंने जन्म के आधार पर ऊंच-नीच को अस्वीकार करते हुए मनुष्य की श्रेष्ठता का आधार चरित्र और आचरण को माना। उनकी वाणी में सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध स्पष्ट चेतना दिखाई देती है। यही कारण है कि उनकी वाणी को व्यापक सम्मान मिला और गुरु ग्रंथ साहिब में उनकी 41 वाणियों को स्थान प्राप्त हुआ। उनके व्यक्तित्व की महानता का प्रभाव इतना व्यापक था कि समाज के सभी वर्गों ने उन्हें स्वीकार किया। काशी के विद्वान, सामान्य जन और राजपरिवार सभी उनके प्रति श्रद्धावनत हुए। महान भक्त मीराबाई ने उन्हें अपना गुरु माना। गुरु और शिष्य के रूप में संत रविदास और मीराबाई का संबंध भारतीय भक्ति परंपरा में सामाजिक समरसता का एक अनूठा उदाहरण है- जहां जाति या सामाजिक स्थिति का कोई महत्व नहीं, केवल भक्ति और आत्मीयता का संबंध है। संत रविदास ऐसे समय में प्रकट हुए, जब समाज अनेक प्रकार की चुनौतियों से घिरा था। विदेशी आक्रमणों और सामाजिक विघटन के बीच उन्होंने भक्ति की निर्मल धारा को प्रवाहित किया। उन्होंने लोगों को धर्म, नैतिकता और आत्मबल के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। अनेक प्रयासों के बावजूद वे अपनी आस्था से विचलित नहीं हुए। उनकी आध्यात्मिक शक्ति इतनी प्रभावशाली थी कि उन्हें मतांतरित करने का प्रयास करने वाले लोग भी अंततः उनके अनुयायी बन गए। आज जब समाज को जाति, वर्ग और विभिन्न पहचान के आधार पर बांटने के प्रयास दिखाई देते हैं, तब संत रविदास का संदेश अत्यंत प्रासंगिक हो जाता है। उनका जीवन हमें सिखाता है कि समाज की शक्ति विभाजन में नहीं, बल्कि समरसता और एकात्मता में है। मनुष्य की असली पहचान उसका जन्म नहीं, बल्कि उसका आचरण और उसका मानवीय दृष्टिकोण है। इसी सामाजिक समरसता की दिशा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने शताब्दी वर्ष में पंच परिवर्तन के माध्यम से व्यापक समाज-जागरण का अभियान चला रहा है। यह पांच परिवर्तन सामाजिक समरसता, परिवार प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी जीवनशैली, नागरिक कर्तव्यबोध समाज में मानवीय विकास की नई चेतना उत्पन्न करने के प्रयास हैं। इन अभियानों के माध्यम से संघ देशभर में समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ने, पारस्परिक सम्मान बढ़ाने और सेवा-कार्य के माध्यम से संवेदना जागृत करने का प्रयास कर रहा है। सामाजिक समरसता के कार्यक्रमों, सेवा प्रकल्पों, ग्राम-विकास कार्यों और सांस्कृतिक जागरण के माध्यम से संघ का प्रयास है कि समाज के प्रत्येक वर्ग में आत्मीयता और एकत्व का भाव मजबूत हो। संत रविदास का जीवन और संदेश हमें यह सिखाता है कि समाज में परिवर्तन केवल उपदेशों से नहीं, बल्कि आचरण से आता है। जब हम श्रम का सम्मान करेंगे, भेदभाव को त्यागेंगे और सेवा को जीवन का आधार बनाएंगे, तभी सच्चे अर्थों में समरस समाज का निर्माण होगा। आज संत रविदास के 650वें प्राकट्य वर्ष का अवसर हमें यही प्रेरणा देता है कि हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारें और समाज में समता, करुणा और भाईचारे की भावना को मजबूत करें। यदि संत रविदास की समता-दृष्टि और समाज-जागरण की चेतना को हम अपने जीवन और सामाजिक व्यवहार में स्थान दें, तो निश्चित ही एक ऐसा भारत निर्मित होगा, जहां हर व्यक्ति सम्मान के साथ जी सके एक ऐसा भारत जो वास्तव में समरस, संवेदनशील और मानवीय मूल्यों से परिपूर्ण हो।

वैश्विक शक्ति प्रतिस्पर्धा के बीच भारत की आत्मनिर्भरता

ANALYSIS

✍ डॉ. मयंक चतुर्वेदी

जब तेल की आपूर्ति को द्विपक्षीय व्यापारिक शर्तों से जोड़ा जाता है या किसी देश पर प्रतिबंध लगाकर उसके ऊर्जा व्यापार को सीमित किया जाता है, तब यह आर्थिक निर्णय नहीं रहता, बल्कि वह राष्ट्रों की विदेश नीति और रणनीतिक निर्णयों को भी प्रभावित करता है। एक तरह से देखें तो भारत के लिए यह स्थिति इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि उसकी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात पर निर्भर है। ऐसी परिस्थितियाँ यह याद दिलाती हैं कि आत्मनिर्भरता का वास्तविक अर्थ सिर्फ घरेलू उत्पादन बढ़ाने तक सीमित नहीं रहा है, यह बाहरी निर्भरताओं से उत्पन्न दबावों को समझकर उनका विवेकपूर्ण प्रबंधन करना भी है। स्वतंत्र भारत की विकास यात्रा को देखें तो स्पष्ट होता है कि देश ने अपनी आर्थिक और राजनीतिक प्रगति की शुरूआत कई महत्वपूर्ण बाहरी निर्भरताओं के साथ की थी। इनमें चार क्षेत्र विशेष रूप से उल्लेखनीय रहे हैं। भोजन, विदेशी मुद्रा, रक्षा उपकरण और ऊर्जा। इन चारों क्षेत्रों में समय-समय पर उत्पन्न संकटों ने भारत के नीति-निमार्ताओं को यह एहसास कराया कि यदि किसी राष्ट्र को अपनी नीति-निर्माण की स्वतंत्रता बनाए रखनी है, तब उस स्थिति में उसे इन मूलभूत क्षेत्रों में स्वदेशी क्षमता विकसित करनी ही होगी।

आज के वैश्विक परिदृश्य में आत्मनिर्भरता किसी भी राष्ट्र की रणनीतिक स्वायत्तता, राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति की स्वतंत्रता का आधार बन चुका है। विशेष रूप से भारत जैसे विकास की गति में तेज दौड़ते राष्ट्र के लिए आत्मनिर्भरता का प्रश्न उत्पादन बढ़ाने या आयात कम करने तक सीमित नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ है, बाहरी निर्भरताओं को कम करना और बड़ी शक्तियों की प्रतिस्पर्धा के बीच अपने राष्ट्रीय हितों का संतुलित प्रबंधन करना। भारत के तेल आयात को लेकर समय-समय पर सामने आने वाले अंतरराष्ट्रीय दबाव इस तथ्य को स्पष्ट करते हैं कि आर्थिक संसाधन और ऊर्जा आपूर्ति कैसे वैश्विक राजनीति में कूटनीतिक हथियार के रूप में भी प्रयुक्त हो सकते हैं। जब तेल की आपूर्ति को द्विपक्षीय व्यापारिक शर्तों से जोड़ा जाता है या किसी देश पर प्रतिबंध लगाकर उसके ऊर्जा व्यापार को सीमित किया जाता है, तब यह आर्थिक निर्णय नहीं रहता, बल्कि वह राष्ट्रों की विदेश नीति और रणनीतिक निर्णयों को भी प्रभावित करता है। एक तरह से देखें तो भारत के लिए यह स्थिति इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि उसकी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात पर निर्भर है। ऐसी परिस्थितियाँ यह याद दिलाती हैं कि आत्मनिर्भरता का वास्तविक अर्थ सिर्फ घरेलू उत्पादन बढ़ाने तक सीमित नहीं रहा है, यह बाहरी निर्भरताओं से उत्पन्न दबावों को समझकर उनका विवेकपूर्ण प्रबंधन करना भी है। स्वतंत्र भारत की विकास यात्रा को देखें तो स्पष्ट होता है कि देश ने अपनी आर्थिक और राजनीतिक प्रगति की शुरूआत कई महत्वपूर्ण बाहरी निर्भरताओं के साथ की थी। इनमें चार क्षेत्र विशेष रूप से उल्लेखनीय रहे हैं। भोजन, विदेशी मुद्रा, रक्षा उपकरण और ऊर्जा। इन चारों क्षेत्रों में समय-समय पर उत्पन्न संकटों ने भारत के नीति-निमार्ताओं को यह एहसास कराया कि यदि किसी राष्ट्र को अपनी नीति-निर्माण की स्वतंत्रता बनाए रखनी है, तब उस स्थिति में उसे इन मूलभूत क्षेत्रों में स्वदेशी क्षमता विकसित करनी ही होगी। इस संदर्भ में कहना होगा कि 1957-58 का विदेशी मुद्रा संकट स्वतंत्र भारत के लिए पहला बड़ा

आर्थिक झटका था। उस समय आयात बढ़ने और निर्यात अपेक्षाकृत कम होने के कारण विदेशी मुद्रा भंडार तेजी से घट गया। परिणामस्वरूप भारत को आयात पर नियंत्रण लगाने और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं की सहायता लेने के लिए विवश होना पड़ा। इस संकट ने नीति-निमार्ताओं को यह समझा दिया कि यदि किसी देश की आर्थिक संरचना बाहरी संसाधनों पर अत्यधिक निर्भर हो, तब वह आर्थिक दबावों के सामने कमजोर पड़ सकती है। इसके कुछ वर्षों बाद 1962 में चीन के साथ युद्ध ने भारत की रक्षा व्यवस्था की एक महत्वपूर्ण कमजोरी को उजागर किया। उस समय यह स्पष्ट हो गया कि भारत रक्षा उपकरणों और सैन्य तकनीक के लिए बड़े पैमाने पर विदेशी देशों पर निर्भर था। इस अनुभव ने देश को यह सोचने के लिए प्रेरित किया कि रक्षा उत्पादन में स्वदेशी क्षमता का विकास राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। इसी प्रकार 1965-67 के भीषण सूखे ने भारत की खाद्य सुरक्षा को संकट में डाल दिया। उस समय देश को अपनी जनता की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर खाद्यान्न आयात करना पड़ा। यह स्थिति भारत के लिए अत्यंत चुनौतीपूर्ण थी, क्योंकि किसी भी देश के लिए भोजन जैसी मूलभूत आवश्यकता में बाहरी निर्भरता उसकी संप्रभुता को कमजोर कर सकती है। यही वह दौर था, जब भारत ने कृषि क्षेत्र में व्यापक सुधारों और वैज्ञानिक तकनीकों के उपयोग के माध्यम से हरित क्रांति की दिशा में कदम बढ़ाया, जिसने अंततः देश को खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर किया। ऊर्जा क्षेत्र में भी इसी प्रकार की चुनौतियाँ सामने आईं। 1990 के खाड़ी युद्ध के दौरान अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में अचानक वृद्धि हुई। चूंकि भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा तेल आयात के माध्यम से पूरा करता है, इसलिए इस मूल्य वृद्धि का सीधा प्रभाव देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ा। परिणामस्वरूप भुगतान संतुलन का गंभीर संकट उत्पन्न हुआ और भारत को आर्थिक सुधारों की दिशा में बड़े कदम उठाने पड़े। इस अनुभव ने यह स्पष्ट कर दिया कि ऊर्जा जैसे रणनीतिक संसाधनों में बाहरी निर्भरता किसी भी राष्ट्र की आर्थिक स्थिरता को प्रभावित कर सकती है। यहां समझने के लिए यह भी है कि भारतीय चिंतन में स्वदेशी और आत्मनिर्भरता का विचार शुरू से ही रहता आया है। प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिंतन में भी संसाधनों की स्वतंत्रता को राज्य की शक्ति का आधार माना गया है। अर्थशास्त्र में महान राष्ट्रभक्त आचार्य कौटिल्य ने राज्य की समृद्धि और सुरक्षा को उसके आर्थिक संसाधनों और उत्पादन क्षमता से जोड़ा है। उनके अनुसार,किसी भी राज्य की स्थिरता इस बात पर निर्भर करती है कि वह अपने संसाधनों का प्रबंधन किस प्रकार करता है और बाहरी शक्तियों के प्रभाव से स्वयं को कितना सुरक्षित रख पाता है। आधुनिक भारत में इस विचार को सबसे प्रभावी रूप से लाला लाजपत राय, विपिनचंद्र पाल, बाल गंगाधर तिलक, पं. मदनमोहन मालवीय, माखनलाल चतुर्वेदी समेत महात्मा गांधी ने प्रस्तुत किया। अपनी प्रसिद्ध पुस्तक ह्यहिंद स्वराजह्ण में गांधी ने स्वदेशी की अवधारणा को आर्थिक नीति से कहीं अधिक सामाजिक और राजनीतिक स्वतंत्रता के सिद्धांत के रूप में प्रस्तुत किया। उनके शब्दों में, स्वदेशी का अर्थ है अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अपने आस-पास उपलब्ध संसाधनों और श्रम का उपयोग करना। गांधी के लिए स्वदेशी का उद्देश्य विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार तक सीमित न रहते हुए एक ऐसी व्यवस्था का निर्माण था जिसमें समाज की आर्थिक संरचना बाहरी शक्तियों के नियंत्रण से मुक्त हो सके। इसी प्रकार दादाभाई नौरोजी ने अपनी प्रसिद्ध कृति पावर्टी एंड अनब्रिटिश रूल इन इंडिया में यह तर्क दिया था कि भारत की गरीबी का एक प्रमुख कारण उपनिवेशवादी शासन के कारण उत्पन्न आर्थिक निर्भरता थी। उनके अनुसार, जब किसी देश के संसाधनों और व्यापारिक गतिविधियों पर बाहरी शक्तियों का नियंत्रण हो जाता है, तब उस देश की आर्थिक प्रगति बाधित हो जाती है। निश्चित तौर पर कहना होगा कि यह विचार आज भी उतना ही प्रासंगिक है, क्योंकि आधुनिक वैश्विक अर्थव्यवस्था में भी आर्थिक निर्भरता कई बार राजनीतिक दबाव का माध्यम बन जाती है। इसे आगे हम देखते भी हैं कि पं. दीनदयाल उपाध्याय, दत्तोपंत ठेंगड़ी, नानाजी देशमुख जैसे विचारकों ने बहुत व्यवहारिक तरीके से भारतीय समाज के सामने रखा है। वस्तुतः वर्तमान समय में भारत के सामने ऊर्जा सुरक्षा की चुनौती इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का अधिकांश भाग तेल आयात के माध्यम से पूरा करता है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में कई बार ऐसे उदाहरण सामने आए हैं जब ऊर्जा व्यापार को कूटनीतिक दबाव के साधन के रूप में प्रयोग किया गया। कुछ अवसरों पर अमेरिका ने अपने प्रतिबंधों के माध्यम से ईरान जैसे देशों से तेल आयात करने वाले देशों पर दबाव बनाया, जिससे भारत को भी अपने ऊर्जा आयात के निर्णयों में सावधानी बरतनी पड़ी। ऐसी परिस्थितियां यह स्पष्ट करती हैं कि ऊर्जा निर्भरता सिर्फ आर्थिक विषय तक सीमित नहीं है, यह विदेश नीति और रणनीतिक स्वायत्तता से भी जुड़ा हुआ है, इसीलिए आज आत्मनिर्भरता का अर्थ है, स्वदेशी क्षमता का विकास करते हुए बाहरी निर्भरताओं को इस प्रकार संतुलित करना कि कोई भी शक्ति भारत की नीति-निर्माण की स्वतंत्रता को प्रभावित न कर सके।

विचार, संस्कार और समाज निर्माण की दीर्घ परंपरा

भारत के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन में कुछ संस्थाएं ऐसी हैं, जिनकी भूमिका विचार, संस्कार और समाज निर्माण की दीर्घ परंपरा तक व्याप्त है। ऐसा ही एक संगठन है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जिसकी स्थापना 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने नागपुर में विजयादशमी के दिन की थी। सौ वर्षों की इस यात्रा को दृश्य माध्यम में समेटने का प्रयास करती फिल्म ह्यशतकह्ण एक विचार यात्रा है। यह फिल्म उस संगठन की कहानी कहती है, जो सामाजिक समरसता, राष्ट्रभाव और सेवा के संस्कारों को केंद्र में रखकर कार्य करता रहा है। फिल्म का मूल स्वर संघ की उस मौन साधना को समझाने का है, जिसे अक्सर सामान्य जन सतही तौर पर जानते हैं। संघ का दैनिक जीवन, शाखाओं में गूंजने वाला प्रार्थना गीत, भगवा ध्वज को गुरु मानने की परंपरा और स्वयंसेवकों के सेवा कार्य इन सबको फिल्म एक सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत करती है। विशेष रूप से यह दिखाया गया है कि कैसे संगठन समाज को जोड़ने, सांस्कृतिक चेतना जगाने और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना विकसित करने का प्रयास करता रहा है। फिल्म की शुरूआत उस ऐतिहासिक दौर से होती है, जब भारत ब्रिटिश शासन के अधीन था। उस समय की सामाजिक-राजनीतिक परिस्थितियों ने युवा डॉक्टर हेडगेवार को गहरे स्तर पर प्रभावित किया। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे उन्होंने समाज में बिखराव, आत्मविश्वास की कमी और सांस्कृतिक अस्मिता के संकट को महसूस किया। यही अनुभव आगे चलकर संघ की स्थापना के प्रेरक बने। शतक में हेडगेवार के जीवन को बाल्यकाल से लेकर उनके प्रौढ़ चिंतन तक विस्तार से दिखाया गया है, उनकी राष्ट्रभक्ति, संगठन क्षमता और समाज के लिए उनकी दूरदर्शी सोच फिल्म का प्रमुख आकर्षण है। फिल्म यह भी बताती है कि प्रारंभिक वर्षों में संघ को व्यापक स्वीकृति तुरंत नहीं मिली। कई स्थानों पर उपहास, विरोध और संदेह का सामना करना पड़ा। यहां पर स्वामी विवेकानंद का वह विचार स्मरण होता है कि किसी भी बड़े विचार को पहले उपहास, फिर विरोध और अंततः स्वीकार्यता मिलती है। शतक इसी क्रम को ऐतिहासिक घटनाओं के माध्यम से सामने लाती है। धीरे-धीरे संघ की शाखाएं बढ़ती हैं और संगठन सेवा, अनुशासन और सामाजिक समरसता के माध्यम से समाज में अपनी पहचान स्थापित करता है। फिल्म का एक महत्वपूर्ण पक्ष स्वतंत्रता आंदोलन के दौर को लेकर है। इस समय विभिन्न विचारधाराओं और संगठनों की सक्रियता थी। फिल्म में यह संकेत मिलता है कि उस काल में कांग्रेस के भीतर भी अलग-अलग धाराएं थीं और अनेक क्रांतिकारी विचार समानांतर रूप से सक्रिय थे। इस संदर्भ में सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह और विनायक दामोदर सावरकर जैसे नायकों का उल्लेख उस दौर की वैचारिक विविधता को दशार्ता है। शतक का दूसरा महत्वपूर्ण अध्याय संघ के दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर (गुरुजी) के नेतृत्व से जुड़ा है। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे हेडगेवार के बाद उन्होंने संगठन को आगे बढ़ाया और कठिन परिस्थितियों में भी उसे स्थिर रखा। भारत विभाजन के समय उत्पन्न सामाजिक तनाव, डायरेक्ट एक्शन डे की हिंसक घटनाएं और शरणार्थियों की पीड़ा इन सबके बीच स्वयंसेवकों के कार्यों को फिल्म में प्रमुखता से दिखाया गया है। इसके साथ ही गांधीजी की हत्या के बाद संघ पर लगे प्रतिबंध और उसके परिणामों का चित्रण भी फिल्म का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उस समय संघ को राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर गंभीर आरोपों का सामना करना पड़ा। शतक इस कालखंड को केवल घटनाओं के रूप में नहीं, बल्कि एक परीक्षा काल के रूप में प्रस्तुत करती है, जिसमें संगठन ने अपने अस्तित्व और उद्देश्य दोनों की रक्षा करने का प्रयास किया। फिल्म में उस दौर के राष्ट्रीय नेतृत्व के साथ वैचारिक संवादों का भी उल्लेख है, जिनमें महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और वल्लभभाई पटेल जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। इन प्रसंगों के माध्यम से फिल्म उस समय की राजनीतिक जटिलताओं और निर्णयों पर विचार करने का अवसर देती है। निर्देशक का उद्देश्य यहां किसी निष्कर्ष को थोपना नहीं, बल्कि दर्शकों को इतिहास के विभिन्न पक्षों को देखने और समझने के लिए प्रेरित करना प्रतीत होता है। सिनेमा के दृष्टिकोण से देखें तो शतक की सबसे बड़ी ताकत इसका नैरेटिव टोन है। फिल्म में प्रसिद्ध अभिनेता अजय देवगन की आवाज में दिया गया वॉयसओवर पूरे कथानक को गंभीरता और प्रभाव देता है। उनकी आवाज इतिहास की घटनाओं को केवल जानकारी नहीं रहने देती, बल्कि उन्हें भावनात्मक अनुभव में बदल देती है। संगीत भी फिल्म की आत्मा को मजबूत करता है। गायक सुखविंदर सिंह की आवाज में गाया गया गीत भगवा है अपनी पहचान फिल्म का भावनात्मक चरम बनकर सामने आता है। इस गीत के माध्यम से फिल्म संघ के सांस्कृतिक प्रतीक भगवा ध्वज को गौरव और पहचान के रूप में प्रस्तुत करती है। कई सिनेमाघरों में यह गीत दर्शकों के भीतर विशेष भावनात्मक प्रतिक्रिया उत्पन्न करता है। हालांकि यह भी उल्लेखनीय है कि शतक संघ की सौ वर्ष की यात्रा को पूरी तरह समेटने का दावा नहीं करती। फिल्म मुख्यतः हेडगेवार और गोलवलकर के कालखंड पर केंद्रित है और संघ के तीसरे सरसंघचालक बालासाहेब देवरस तक की कहानी का संकेत देती है। इस तरह यह फिल्म सौ वर्षों की यात्रा का अर्धशतक दिखाती है और संकेत देती है कि आगे का इतिहास भविष्य में किसी अगले भाग में सामने आ सकता है। फिल्म का एक महत्वपूर्ण गुण यह है कि यह दर्शकों को विचार करने के लिए प्रेरित करती है। चाहे संघ के समर्थक हों या आलोचक दोनों के लिए यह फिल्म इतिहास के एक पक्ष को समझने का अवसर प्रदान करती है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, राजनीतिक निर्णयों की आलोचना और इतिहास की व्याख्या जैसे विषयों को फिल्म अप्रत्यक्ष रूप से उठाती है। यह दर्शक से अपेक्षा करती है कि वह तथ्यों को देखे, उन्हें तौले और फिर अपना निष्कर्ष स्वयं बनाए।

Social Media Corner

सच के हक में...

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की ओर से मैं श्री बालेन्द्र शाह को नेपाल के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने पर हार्दिक बधाई देता हूं। भारत और नेपाल के संबंध लोगों के बीच गहरे जुड़ाव और साझा सांस्कृतिक विरासत पर आधारित हैं। हमें विश्वास है कि यह स्थायी साझेदारी और अधिक मजबूत होगी, जिससे हमारे लोगों के लिए शांति, समृद्धि और आपसी प्रगति को बढ़ावा मिलेगा।

(मल्लिकार्जुन खड़गे का 'एक्स' पर पोस्ट)

प्रधानमंत्री द्वारा जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के प्रथम चरण का लोकार्पण, उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण और बड़ी उपलब्धि है। अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त यह एयरपोर्ट जहाँ अर्थव्यवस्था को नई गति देगा वहीं युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसरों को भी जन्म देगा। इस एयरपोर्ट का लोकार्पण मेरे लिए व्यक्तिगत संतोष का भी विषय है क्योंकि उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री रहते हुए 2001 में मैंने जेवर में एयरपोर्ट के प्रोजेक्ट को मंजूरी दी थी।

(राजनाथ सिंह का 'एक्स' पर पोस्ट)

वैश्विक संकट के बीच, जब दुनिया भर में पेट्रोल और डीजल की कीमत में 48 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई, उस वक्त मोदी जी ने कीमत स्थिर रखी। भारत के सभी सीमावर्ती क्षेत्रों के पास से अवैध अतिक्रमण हटेंगे और घुसपैठियों को चुन-चुन कर बाहर करेंगे। बंगाल में पहले 6-8 चरणों में मतदान होता था, इस बार सिर्फ 2 चरणों में हो रहा है, इसलिए सीएपीएफ की तैनाती अधिक लग रही है। है।

(अमित शाह का 'एक्स' पर पोस्ट)

रोजमर्रा का अनुभव बन रहा बेहतर

पिछले कुछ वर्षों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) महज एक चर्चित शब्द नहीं रहा, बल्कि यह तकनीक से जुड़ी बातचीत का केंद्र बन गया है। हाल ही में आयोजित सीईएस (कंज्यूमर इलेक्ट्रानिक्स शो) 2026 यह दिखाता है कि हम कितनी दूर तक पहुंच चुके हैं। अब एआई टीवी और लैपटॉप से लेकर घरेलू उपकरणों तक हर श्रेणी का अहम हिस्सा बन चुका है और हर नए संस्करण के साथ ऐसी क्षमताएं सामने ला रहा है, जो रोजमर्रा के अनुभव को वास्तव में बेहतर बनाती हैं। भारत में यह बदलाव एक दिलचस्प रूप ले चुका है। खरीदारी के फैसले लेते समय भारतीय ग्राहक हमेशा से सोच-समझकर और गहन रिसर्च करने वाले रहे हैं। अब एआई उनका रिसर्च पार्टनर बनता जा रहा है, जो जटिलताओं को आसान करता है, सही विकल्प सामने लाता है और आत्मविश्वास के साथ फैसलों की पुष्टि करता है। आज कोई व्यक्ति जब टीवी खरीदने जाता है, तो वह तकनीकी स्पेसिफिकेशंस की भीड़ में नहीं उलझता और न ही थकाने वाली सेल्स पिच सुनता है। इसके बजाय वह एक एप पर कुछ आसान सवालों के जवाब देता है- कमरा कितना बड़ा है, आप मुख्य रूप से क्या देखते हैं, जगह कितनी रोशनी वाली है। एआई इन जानकारियों को तुरंत प्रोसेस करता है और हजारों विकल्पों में से केवल वही माडल छांट देता है जो उनकी जरूरतों के अनुरूप हों। एक वर्किंग प्रोफेशनल को ही ले लीजिए, जो अपना लैपटॉप अपग्रेड करना चाहता है। वह अपने उपयोग के बारे में बताता है- वीडियो एडिटिंग, क्लाइंट प्रेजेंटेशन, बार-बार यात्रा आदि। ऐसे में एआई स्पेसिफिकेशन का मिलान करने के साथ ही संदर्भ को भी समझता है। वह ऐसे लैपटॉप सुझाता है, जो क्रिएटिव कार्यों के लिए अनुकूल हों, जिनकी बैटरी लाइफ बेहतरीन हो, वजन संतुलित हो और साथ ही वह संभावित समझौतों को भी साफ-साफ बताता है। इस प्रकार विजुअल सर्च एक और बड़ी क्रांति है। किसी दोस्त के घर टीवी सेटअप देखा और पसंद आया। उसकी फोटो खींचिए। एआई उस मॉडल की पहचान करता है, मिलते-जुलते विकल्प दिखाता है, कीमतों की तुलना करता है और यह भी बताता है कि आम तौर पर लोग उसके साथ और क्या खरीदते हैं। अब एक ज्यादा आत्मविश्वासी खरीदार सामने आ रहा है। अब ग्राहक केवल ब्रांड के नामों के भरोसे नहीं, बल्कि स्पेसिफिकेशंस की तुलना करके फैसले ले रहे हैं। गुणवत्ता में निवेश करने की इच्छा भारतीय उपभोक्ताओं में पिछले कुछ वर्षों से मौजूद रही है। आज इसके साथ सावधानी भी जुड़ गई है। केवल दिखावे के लिए फीचर्स और स्पेसिफिकेशन की भरमार अब काम नहीं करती। अनिश्चितता को कम करके एआई भारत के स्वभाव से ही सतर्क और मेहनती खरीदारों को प्रीमियम टेक्नोलाजी में ज्यादा भरोसे के साथ निवेश करने में मदद कर रहा है। शायद सबसे बड़ा बदलाव यह है कि अब एआई ग्राहक फीडबैक को कैसे समझता और प्रस्तुत करता है। पहले जहां खरीदारों को सैकड़ों रिव्यू स्क्राल करने पड़ते थे, वहीं अब हजारों असली यूजर अनुभवों से निकली एक साफ और समेकित जानकारी उन्हें एक नजर में मिल जाती है। इसे हेडफोन जैसे आम प्रोडक्ट के उदाहरण से समझा जा सकता है। कई रिव्यू में ग्राहक अक्सर साउंड क्वालिटी, बिल्ड क्वालिटी और नाइज कैंसिलेशन की तारीफ करते नजर आते हैं, तो बैटरी लाइफ का भी उसमें जिक्र होता है। वहीं वैल्यू फॉर मनी को लेकर राय अलग-अलग होती है, जो अलग-अलग कीमतों पर ग्राहकों की अलग अपेक्षाओं को दशार्ती है। इस तरह पेश किए जाने पर रिव्यू शोर नहीं लगते। वे एक मार्गदर्शन बन जाते हैं, जो ग्राहकों को फैसला लेने से पहले प्रोडक्ट की खूबियां, सीमाएं और असल जिंदगी में उसका प्रदर्शन समझने में मदद करते हैं। आने वाले समय में एआई केवल ग्राहकों को प्रोडक्ट खोजने में ही मदद नहीं करेगा, बल्कि उनकी जरूरतों का पहले से ज्यादा सटीक अंदाजा भी लगाएगा।

कीमतों का दबाव

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक की नई श्रृंखला में अभी तक सटीक तुलना के लिए पर्याप्त ऐतिहासिक आंकड़े भले ही उपलब्ध न हों, लेकिन भविष्य के बारे में संकेत देने के वास्ते इसमें पर्याप्त जानकारियां मौजूद हैं। कुछ दिन पहले नई श्रृंखला का दूसरा आंकड़ा जारी किया गया। देश में खुदरा मुद्रास्फीति फरवरी 2026 में बढ़कर 3.2 फीसद के 10 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। इसकी मुख्य वजह खाद्य मुद्रास्फीति और कीमती धातुओं की कीमतों में उछाल रही। सरकार को इस उछाल पर जल्द से जल्द ध्यान देना चाहिए और पिछले एक साल से मुद्रास्फीति के कम स्तर पर रहने के चलते उपजी किसी भी किस्म की लापरवाही से बचना चाहिए। नई श्रृंखला में खाद्य पदार्थों का भार पुरानी श्रृंखला के मुकाबले कम है। फिर भी यह मुद्रास्फीति का एक प्रमुख कारक है। कुल सीपीआई में इसका भार 36.75 फीसद है। खाद्य एवं पेय पदार्थों की मुद्रास्फीति फरवरी में बढ़कर 3.35 फीसद हो गई। पिछले महीने यह 2.1 फीसदी थी। मांस, तेल और फल एवं मेवों की कीमतों में तेजी से हुआ इजाफा इसका मुख्य कारण रहा। खासकर, टमाटर की कीमतों में 45 फीसद से ज्यादा की मुद्रास्फीति दर्ज की गई। खुशकिस्मती से इसके साथ ही दो अन्य मुख्य खाद्य पदार्थों - प्याज और आलू की कीमतों में क्रमशः 28 फीसद और 18 फीसद की गिरावट आई। पिछले साल कम मुद्रास्फीति का एक बड़ा कारण सांख्यिकीय आधार प्रभाव था, जो अब खत्म हो चुका है। आगे की ओर देखें तो, ऐसे कई कारक हैं जो खाद्य मुद्रास्फीति में तेज उछाल का सबब हो सकते हैं। पहला तो यह है कि जलवायु वैज्ञानिक इस साल मानसून के बीच में अल नीनो प्रभाव की वापसी की भविष्यवाणी कर रहे हैं। कमजोर मानसून के चलते स्वाभाविक रूप से खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ेंगी। दूसरा प्रभाव इस बात पर निर्भर करेगा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष कितने वक्त तक चलता है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Transgender rights amendment Bill: Harming those it seeks to protect

The Transgender Persons (Protection of Rights) Amendment Bill, 2026 recently passed by Parliament makes several sharp changes to the 2019 Act. It narrows the definition of a transgender person to only specific socio-cultural identities such as kinner, hijra, aravani, jogta or eunuch, or biologically defined intersex variations, or persons compelled into such an identity through a procedure. It explicitly excludes persons with different sexual orientations and non-heteronormative, gender-fluid identities.

The Bill removes the right to 'self-perceived gender identity' from Section 4(2), replaces the simple process of certification by the district magistrate with a medical board headed by a chief medical officer, mandates hospitals to report every transgender gender-change surgery to the magistrate, and substitutes Section 18 with far harsher penalties up to rigorous imprisonment for life for forcing anyone into transgender 'presentation'.ndments fix the vagueness and implementation failures of the 2019 Act, they actually perpetuate and w

While the government claims these ameorsen the structural problems that have plagued Indian policy for years.The Bill still lumps 'persons with intersex variations' (now defined biologically) directly inside the definition of transgender persons. This is one of the biggest flaws that experts have criticised since the 2019 Act. The Act's definition of 'transgender persons' includes persons with intersex variations, erasing specific needs of intersex persons like protection against non-consensual surgeries.Intersex is a natural biological spectrum—chromosomal, hormonal, anatomical variations present at birth—affecting 1-2 percent of births globally. Transgender identity is a psychological and social construct. Retaining this conflation under one label violates Article 21 rights to bodily integrity and privacy. It leaves intersex infants without a specific ban on 'normalising' surgeries and ignores repeated calls for separate intersex legislation.

The Bill's definition also directly contradicts established international standards. The UN and WHO clearly define intersex as innate variations in sex characteristics that do not fit typical male or female binaries, requiring distinct legal recognition and explicit protections against non-consensual medical interventions. By forcing intersex persons into a transgender category, the Bill erodes the human rights framework India has committed to uphold.The amendment leaves outdated titles of the National Council for Transgender Persons and state welfare boards unchanged. It ignores the longstanding proposal to rebrand them as a National GIESC Welfare Council and state GIESC welfare boards (where GIESC stands for gender identity/expression and sex characteristics). This keeps the entire policy architecture trapped under the problematic 'transgender' umbrella instead of creating a scientifically-accurate, inclusive framework.

This heteronormative bill erases the reality that transgender persons can and do have diverse sexual orientations like trans-gay, trans-lesbian, trans-bisexual or queer. It reduces transgender existence to a narrow, culturally-scripted role that fits neatly into a heterosexual societal framework, ignoring the full spectrum of human diversity and reinforcing the very stigma the original Act was meant to combat.At the same time, the Bill does nothing to regulate or dismantle the colonial hijra jamaat gharana system. Under this, hijra nayaks control their wards' earnings from begging and prostitution, trapping abandoned, gender-non-conforming children in bonded labour. The new offences target individuals, but leave the hierarchical community structures untouched. No reform, rehabilitation or special protection for minors trapped in these systems is provided.

A ticking time bomb of oil spills

Ongoing regional conflicts like in West Asia are catastrophic for our planet

ALL wars are destructive. They cause massive loss of life and property, displace populations, worsen economic distress and trigger social disruption. The physical and psychological scars left on the affected people are rarely part of the calculus of leaders deciding on war and peace. War inevitably leads to demonisation and dehumanisation of the enemy, and these mental frames may persist over generations long after the wars have ended.Modern warfare has seen a quantum jump in lethality and the scale of death and destruction that can be unleashed in increasingly compressed time frames. These impacts are visible and figure on the gruesome scoreboard of war.

There are far more consequential and pervasive impacts of war that are dismissed as inevitable collateral damage, but these are literally shredding the delicate life-sustaining systems of our fragile planet. The series of regional conflicts over the past five years have become fused into a singular, interconnected ecological catastrophe which will continue to reverberate long past the conclusion of the ongoing wars. If there ever was a compelling argument for peace, this is it.On March 7-8, following a series of massive Israeli air strikes on Iran's oil storage facilities outside Tehran, a plume of hydrocarbons and soot rose several kilometres into the sky. When this toxic cloud reacted with the local weather system, it triggered a phenomenon known as "Black Rain". The rain was a thick, oily and acidic sludge that stained the city dark and caused chemical burns and respiratory crises among Tehran's 10 million residents.

As these particles are carried on air currents in various directions, weather patterns are affected, soot is being scattered on Himalayan glaciers and millions of tonnes of carbon are being added to the earth's atmosphere. Israel is guilty of a climate crime.In Ukraine, now in the fifth year of the war with Russia, the rich black soil which once fed the world is turning into a graveyard. It is estimated that 1.2 million hectares of rich farmland have been contaminated by heavy metals — lead, mercury and tungsten — from high explosives used in Russian bombing runs and missile attacks. Even when the guns fall silent, these toxins will enter the food chain and poison those who ingest these particles.

In Gaza, the scale of destruction visited upon its hapless population by relentless aerial bombing and ground operations by Israel over the past more than two years has created over 60 million tonnes of debris. This is not merely rubble but a hazardous cocktail of pulverised concrete, asbestos and industrial chemicals. This is now leaching into the coastal aquifers and contaminating precious water supplies. A similar fate awaits Iran and the Gulf states on an even larger scale.

The oceans, too, are becoming a silent casualty. The seabed in the Black Sea, the Red Sea and now the western reaches of the Indian Ocean are littered with the corroding hulls of warships and tankers, even as oil spills spread from across the battle zone. Each sunken vessel is a ticking time bomb of oil spills and chemical leaks that are destroying coral reefs and mangroves which maintain the health of our oceans.In 2025, global military spending hit $2.5 trillion. At the Belem climate summit in November 2025, there was a commitment to raise $1.3 trillion in climate finance by 2035. This is unlikely to be met as war aims compete with climate goals. History bears witness that more money will always be spent on the instruments of death and destruction than on peaceful pursuits. The US is spending a billion dollars a day on the Iran war. The sustenance of the planet is way down on the list of priorities.The war in West Asia has made India a "frontline state". We are aware of the adverse impact on our energy security due to the disruption of oil and gas supplies from the Gulf. We are deeply concerned about the safety and welfare of the 9 million-strong Indian diaspora living and working in what is now a war zone. Our trade and investment relations with the prosperous oil kingdoms of the Gulf are in jeopardy. But beyond this are ecological dangers which have so far escaped attention.One, the soot and aerosols generated by the oil fires in Iran and other countries will impact the monsoon over the Indian sub-continent in ways not very well understood. We know that soot from these fires is being scattered across the Himalayan glaciers and may accelerate snow melt already in progress due to global warming.It is expected that the massive smoke plumes and high temperatures generated by fires across the war zone will affect the monsoon winds in unexpected ways. India's food and water security are at a heightened risk.

The Arabian Sea has become a high-risk zone where maritime disasters are inevitable. There could be a massive oil spill or chemical contamination that may pollute our coasts, destroy mangroves and decimate fish stocks as well as marine life. The effects will be of long duration.There could be a major challenge of evacuating a large number of Indian migrants from the Gulf and resettling them in India. There will be a strain on employment. While there have been successful evacuations from conflict zones in the past, the scale this time round may be far greater.The essence of any national security strategy is to anticipate likely challenges and plan ahead. There should be a scenario-building exercise for potential contingencies and plans on how each should be dealt with.This involves both short-term contingencies and long-term challenges. The objective should be to enhance India's resilience. This cannot be delinked from the resilience of the Indian sub-continent, which is a single geopolitical space and a densely interconnected ecological space. Indian foreign policy must reflect this compelling reality.

Transgender Bill: Contentious legislation passed in haste

The absence of a constructive engagement with stakeholders weakens both the law's legitimacy and its effectiveness

PARLIAMENT has passed the Transgender Persons (Protection of Rights) Amendment Bill, a contentious legislation that raises more questions than it seeks to answer. While the Union government has presented the Bill as a step towards "administrative clarity" and targeted protection, its narrowing of the definition of transgender identity has caused a furore among legal experts, activists and Opposition parties. "Self-perceived gender identity" and broader sexual orientations have been omitted from its ambit. The amendment, which anchors recognition primarily in the biological criterion and, in some cases, medical certification, appears to move away from a rights-based approach to a regulatory one. This shift strikes at the core of dignity and autonomy, principles that are central to India's constitutional vision of equality.Critics argue that the legislation risks undermining hard-won legal recognition of transgender people. The insistence on medical boards for identity certification raises concerns about privacy and individuality. More significantly, it may reverse the

progressive understanding that gender identity is deeply personal and cannot be reduced to medical validation. It's unfortunate that the Bill was passed despite calls for wider consultation, including demands to send it to a select committee. A Supreme Court-constituted Advisory Committee's request that the legislation be withdrawn went unheeded. When a Bill directly affects a historically marginalised community, the absence of a constructive engagement with stakeholders weakens both the law's legitimacy and its effectiveness.The government's emphasis on stricter punishment for crimes against transgender persons is a positive step. However, protection cannot be meaningful if the very definition of who is protected becomes restrictive. If India is to truly uphold transgender rights, it must ensure that laws empower rather than constrain, and that recognition is rooted in respect for individual identity. Inclusion must be the guiding principle of any legislation aimed at social justice.

Why Bhagat Singh defies easy labels

Bhagat Singh did not write to construct a theory in the abstract; he read, selected and deployed ideas in the urgency of political struggle

BHAGAT SINGH was not merely a young man who died early. He was a young revolutionary who chose to die. At 23, when most people are still finding direction, he had reached a clarity that bound thought to action with uncommon force. His sacrifice was neither impulsive nor tragic in the ordinary sense — it was deliberate, reasoned and political. Fully aware of the consequences, he embraced them with conviction, understood the inevitability of the gallows and yet, moved forward with a conviction that transformed death into an instrument of awakening.In him, ideas did not remain confined to books; they found their fulfilment in action. To begin with, Bhagat Singh, therefore, is to begin not with the question of how much he read or what label we assign to him, but with the rare unity of intellect, purpose and sacrifice that defined his life.

It is precisely this unity that makes attempts to define his intellectual identity both compelling and problematic. In his article, "Why Bhagat Singh was not a Marxist thinker" (The Tribune, March 23), Bhagwan Josh cautions against reading Bhagat Singh as a systematic Marxist and questions the tendency to equate textual engagement with ideological commitment. The intervention is important — not least because it departs from Josh's own earlier position.

In his work in Punjabi, where he has devoted a detailed discussion to "Bhagat Singh da Markasvad (Marxvaad)", Josh argues at length for Bhagat Singh's Marxist orientation. He locates Bhagat Singh within the distinct Leninist current that was emerging in Punjab between 1928 and 1931 — an intellectual formation grounded in study, debate and ideological seriousness and set apart from what he saw as the more pragmatic and often anti-intellectual strands within Indian communism.The contrast between Josh's two positions is striking. In the earlier formulation, Bhagat Singh appears as part of a developing Marxist trajectory; in the recent article, he is distanced from that framework because textual engagement does not amount to ideological practice.This shift is not merely interpretive; it reveals a deeper tension within historiography itself — whether Bhagat Singh is to be understood through the texts he encountered, or through the political conditions in which he acted and the choices he ultimately made.

It is in this context that comparisons are often invoked —most notably, with figures such as Che Guevara, an Argentine Marxist revolutionary, and Antonio Gramsci, an Italian Marxist philosopher. Yet such comparisons, while intellectually tempting, can obscure more than they illuminate.Gramsci's intellectual formation was rooted in a sustained engagement with European philosophical traditions, producing a systematic body of theoretical work. Guevara, too, emerged from a different historical trajectory, where revolutionary action and ideological articulation evolved within a distinct Latin-American context.Bhagat Singh's path was neither identical nor derivative. He entered the national movement propelled not by a completed ideological system but by an inherited political consciousness, sharpened by experience and directed by an intense moral resolve — a jazba (passion) that preceded and, in many ways, anchored his later intellectual engagements.

To read him solely through such comparisons is to risk mistaking resemblance for equivalence. Bhagat Singh did not write to construct a theory in the abstract; he read, selected and deployed ideas in the urgency of political struggle. His writings do not aspire to systematic closure; they bear the marks of a mind working under pressure — absorbing, testing and reshaping thought in relation to action. The search for a fixed ideological label, therefore, tells us less about Bhagat Singh and more about our own desire for intellectual categorisation.It is here that the recurring emphasis on the number of books he read reveals its limitations. Claims that Bhagat Singh read several hundred books — often repeated without scrutiny — have acquired the status of fact. Yet these claims rest on a fragile methodological base. Much of the material cited in support of such numbers does not constitute a personal record of reading but emerges from a wider archival context shaped by colonial surveillance and collective activity within the revolutionary network.

The same caution applies to the interpretation of the 'Jail Notebook'. It has often been treated as evidence of systematic study, with the number of quotations taken as an index of the number of books read. But the notebook itself does not support such a reading. It is a working document — an assemblage of extracts, phrases and reflections that Bhagat Singh found useful or striking. To treat it as a bibliographical record is to impose a structure that the document was never meant to bear.

What emerges instead is not a closed ideological system but a mind in motion — engaging with diverse sources, absorbing ideas and reshaping them in response to immediate political needs. His references range across revolutionary, nationalist and socialist writings, but they do not resolve into a single doctrinal identity. They point, rather, to an evolving and pragmatic engagement with ideas.Attempts to fix Bhagat Singh within rigid categories — Marxist, anarchist, nationalist — often tell us more about our own need for classification than about his thought. It is easier to assign labels than to engage with complexity. It is easier to count books than to understand what reading meant in a life shaped by urgency, risk and purpose.Bhagat Singh's life resists such simplification. His courtroom statements, his hunger strike and his prison writings reveal a figure who combined intellectual curiosity with remarkable moral clarity. His critique of imperialism was inseparable from a vision of a just and egalitarian society, yet it remained open, dynamic and responsive to context.When a student, a worker or a farmer raises the cry of "Inquilab zindabad", the question of ideological classification dissolves. The slogan survives because it speaks to a condition, not a doctrine. In the same way, Gandhi continues to inspire acts of resistance across contexts that would have been unimaginable in his own time.

In the end, Bhagat Singh does not need to be measured by the number of books he read, nor confined within the boundaries of any single ideology. At the age of 23, he consciously embraced death, transforming his trial and execution into a political act of enduring significance.

Want a bank locker You may be asked to buy insurance, ULIP or investment first

This is the fourth part of Lock & Key, a series that examines how India's bank locker system really works, from safety and insurance to access and now, the growing concerns around how lockers are being allotted.

New Delhi,.(Agency)

A customer at a private bank walked in to request a locker, a fairly routine banking need. He was ready to meet the formal requirements, including maintaining a fixed deposit linked to the locker.But instead of a simple application process, he was given a choice. Buy a ULIP worth around Rs 1 lakh. Or take a term insurance policy of about Rs 40,000.The customer (wishes to remain anonymous), who has an account with Kotak Mahindra Bank, refused. He said he was willing to make the required fixed deposit, but not buy financial products he did not need. His request for a lcker was effectively turned down.What makes this more concerning is that such conditions are not part of the rules.

This is the fourth part of Lock & Key, a series that examines how India's bank locker system really works, from safety and insurance to access and now, the growing concerns around how bank lockers are being allotted.

WHAT RBI RULES ACTUALLY SAY

The Reserve Bank of India has laid down clear guidelines on how lockers should be allotted."Banks are strictly prohibited from linking the allotment of bank locker to the purchase of any other financial product or service," said Abhishek Kumar, Seni Registered Investment Adviser (RIA) and founder of Sahaj Money.According to RBI rules, the only financial requirement a bank can mandate is a term deposit covering up to three years of locker rent and charges for breaking open the locker in case of emergencies."Any demand for insurance, mutual funds, or additional

investments is a violation of these regulatory norms," Kumar said.

WHAT CUSTOMERS ARE EXPERIENCING ON THE GROUND

Despite these rules, customers say the reality can be very different."Customers are frequently pressured to purchase insurance or other investment products as a hidden condition for locker allotment," Kumar said.

He added that this is not an isolated issue.

"This practice is relatively widespread, particularly in high demand urban branches where the scarcity of lockers gives staff leverage over applicants."

With lockers in short supply, customers often face a difficult choice — wait indefinitely or agree to additional conditions."Many customers comply with these informal demands simply to avoid long wait times or potential rejection," he said.

WHY LOCKERS ARE BEING USED AS LEVERAGE

The reasons behind this behaviour lie in how locker services are positioned within banks."In our experience, branch staff push these products primarily because locker services offer low profit margins and involve high administrative overhead," Kumar said.In contrast, selling financial products brings direct revenue.

RBI orders banks to impose daily caps to curb speculative trading on rupee

New Delhi.(Agency)

n a bid to curb speculative trading to cap decline in the Indian rupee, the Reserve Bank of India (RBI) has ordered banks acting as authorised dealers to limit their end-of-day open positions in the onshore rupee to USD 100 million. The domestic currency had slid to fresh lows amid widening trade gaps tied to the US-Israel and Iran conflict.The central bank mandated that commercial banks must implement the daily cap by April 10, adding that the regulator may set different limits depending on evolving market conditions.Analysts said that the RBI may bring in more measures if depreciation in rupee continues, adding that its support to the currency has sharply reduced its foreign-exchange reserves, limiting its ability to intervene aggressively.The domestic currency eased below the 94 per dollar mark for the first time on Friday, dipping almost 1 per cent against the greenback, leading to a cumulative of over 4 per cent since the start of the US-Iran war.

Brent crude trading well above USD 100 per barrel far above the USD 70 baseline assumption of the RBI in October has raised India's import bill and complicated the central bank's task of balancing inflation and currency stability.

A smart recovery is likely in Indian markets as the crude overhang wanes and price-earnings (P/E) premiums contract, a recent report had said.

Emkay Global Financial Services, in its latest report, projected that the Indian rupee could bounce back toward Rs 91 per US dollar and the 10-year government bond yield to ease to about 6.65 per cent from 6.83 per cent currently, with normalisation taking two to three months.

India's overall economic position remains stable despite rise in fuel prices and crude oil prices will be crucial in shaping the country's external balance in FY27, another report had said.

Rs 6,855 crore probe deepens: SFIO tightens grip on IFCI; S Nayar, M Mukherjee, AK Rai under scanner

New Delhi:.(Agency)

A Rs 6,855 crore loan-related case linked to IFCI is now under detailed investigation, with the Serious Fraud Investigation Office (SFIO) stepping up its action and moving the National Company Law Tribunal (NCLT) with a wide-ranging petition.

The probe covers several years and goes beyond a single leadership period. It involves institutions, senior executives, and multiple corporate borrowers, raising serious concerns about how such large loans were approved and managed.At the centre of the case are alleged irregularities in loans worth Rs 6,855 crore. Authorities suspect that funds may have been diverted or misused, with complex transactions possibly used to hide the money trail. There are also concerns about possible coordination between borrowers and decision-makers, along with lapses in loan approvals, restructuring, and recovery processes.Probe Spans Multiple Leadership Periods

One of he most unusual aspects of the case is that three former Chairmen and Managing Directors of IFCI are under scrutiny:Such a situation is rare and suggests that the issues may not be limited to one phase but could have continued across different leadership tenures. Investigators are trying to determine whether this was a one-time failure or a pattern over time.Big Companies Also Under Lens

The investigation includes several well-known corporate groups, many of which have faced financial stress or insolvency. These include:Their involvement has raised questions about how loans were evaluated and monitored.

Case Filed In NCLT

The matter has been formally taken to the NCLT through a petition filed on January 24. The case was registered in March and has already reached the admission stage, with an interim order passed.

Gold gains over 5% on weekly basis amid pull back in crude prices

New Delhi.(Agency)

Gold prices gained 5.77 per cent during the week, amid sustained geopolitical tensions and pull back in crude oil prices.

On Friday, MCX gold April futures added 0.15 per cent while MCX silver May futures declined 0.09 per cent. Currently, gold futures stand at Rs 1,44,500, while silver futures at Rs 2,27,750 per kg.The price of 10 grams of 24-carat gold was at Rs 1,42,942 on Friday, up from Rs 1,35,141 seen on Monday market opening, according to data published by the India Bullion and Jewellers Association (IBJA).Gold spot prices dipped marginally on the last day of the trading as a strong US dollar weighed on the market.MCX gold in India showed a steady recovery from a weekly low of Rs. 1,29,595 per 10 gram, while COMEX gold ended above USD4,500 per troy ounce.Analysts said that the recent dip in gold came as the traders sold bullion to raise cash amid risk-asset losses but the underlying upside momentum remains strong as the central bank continues bullion buying and geopolitical risk underpin prices.Further, elevated US

Treasury yields had also reduced the relative appeal of non-yielding assets like gold during the week.

Analysts noted that a pullback in Brent crude from near USD 120 per barrel to about USD 93 per barrel earlier in the week eased inflation fears and helped gold rebound from oversold levels.Traders remain cautious as near-term swings are likely to be sharp, driven by news from the Middle East, volatile crude prices and central bank policy signals."The commodities market enters the week in a phase of measured stabilisation following last week's sharp correction," an analyst said

"The recent decline has eased overbought conditions, with prices now attempting to rebuild momentum amid mixed global cues, including a firm US dollar and evolving geopolitical developments in the Middle East," he added.

The MCX Gold prices are trading near support levels after a sustained multi-week uptrend with Rs 1,36,000– Rs 1,40,000 zone acting as a strong base, a market participant said.

Indian stock markets dip for 5th consecutive week amid geopolitical tensions

New Delhi.(Agency)

The Indian equity benchmarks closed lower for the fifth consecutive week, amid persistent geopolitical tensions, elevated crude oil prices and sustained foreign outflows. Nifty dipped 1.28 per cent during the week and declined 2.09 per cent on the last trading day to settle at 22,819. At close, Sensex was down 1,690 points or 2.25 per cent, at 73,583. It declined 1.27 per cent during the week.Both indices remained volatile and under pressure throughout the week, although they attempted intermittent recoveries during the week.Bank Nifty underperformed the broader market, closing near 52,274, down 2.67 per cent on Friday. It posted a steep weekly decline of around 2.16 per cent.

The key overhang remained the ongoing geopolitical uncertainty surrounding the US–Iran conflict, keeping markets highly event-driven.

Concerns around global energy supply disruptions persisted, with Brent crude prices hovering in the $98–$115 range, continuing to exert pressure on inflation expectations and overall macro stability.

Sectorally, Nifty metal and PSU Banks emerged as the top losers on a weekly basis. Nifty IT and pharma were the only weekly gainers, rising 1.17 per cent and 0.11 per cent, respectively.

Broader indices showed performed in line with the benchmark indices during the week, as the Nifty Midcap100 lost 1.38 per cent, while Nifty Smallcap100 dipped 0.63 per cent.

The Indian rupee weakened further, breaching the 94-mark against the US dollar, reflecting stress from elevated crude prices, and persistent capital outflows.Vinit Bolinjkar, Head of Research, Ventura predicted range-bound action in the markets and elevated VIX until global risk sentiment eases. "Robust domestic flows and any de-escalation in tensions should limit downside, favouring quality large-caps and domestic themes over high-beta plays," he said.

The Nifty 50 index is currently attempting to stabilise in the 22,850–22,750 zone, indicating initial signs of consolidation after the recent decline, market participants said. Immediate resistance is located at 23,000–23,100 zones, they said.For Bank Nifty, 52,000–51,800 zones are viewed as the immediate support levels followed by 51,500–51,000 levels, market participants said. On the upside, 3,000–53,600 acts as immediate resistance, they added.Elevated oil prices are expected to keep pressure on markets, while any pullback could prompt short-covering and support a rebound, an analyst said.

On Friday, FIIs extended their aggressive selling in Indian equities, clocking net outflows of around Rs 25,000-30,000 crore during the week.

Govt plans to borrow Rs 8.2 lakh crore in H1 FY27, Rs15,000 crore via green bonds

MUMBAI.(Agency)

The Government plans to borrow Rs 8.2 lakh crore in the first half of the financial year 2026-27. The total gross market borrowing target for the year was pegged at Rs 17.20 lakh crore initially, later it was revised down to Rs 16.09 lakh crore after bond switches. "Of Rs 16.09 lakh crore, Rs 8.20 lakh crore (51.0%) is planned to be borrowed in H1 through issuance of dated securities, including Rs 15,000 crore of Sovereign Green Bonds (SGrBs)," the Finance Ministry said in a release.

The borrowing will be carried out via 26 weekly auctions across a wide maturity spectrum ranging from 3-year to 50-year securities. The largest chunk will come from 10-year bonds, which account for 29% of the planned issuance, followed by 5-year (15.4%) and 15-year (14.5%) papersTo manage its debt profile, the government will use several other tools such as switching and buyback of securities to smoothen redemptions. It will also retain the option to accept an additional Rs 2,000 crore per security through the greenshoe option during auctions. Separately, treasury bill issuances in the first quarter are estimated at Rs 24,000 crore weekly, across 91-day, 182-day and 364-day tenors.

To address temporary cash mismatches, the RBI has set the Ways and Means Advances (WMA) limit for the first half at Rs 2.5 lakh crore.

Jan Vishwas Bill 2026 introduced in Lok Sabha: 717 provisions to be decriminalised

BANGKOK.(Agency)

The government on Friday introduced the Jan Vishwas (Amendment of Provisions) Bill, 2026 in the Lok Sabha, proposing wide-ranging changes including decriminalisation of several provisions to simplify India's regulatory framework and reduce compliance burdens.Minister of State for Commerce and Industry Jitin Prasada introduced the Bill at the Lok Sabha seeking to amend 784 provisions across 79 Central Acts administered by 23 ministries. One of the major amendments include the decriminalisation of 717 provisions, aimed at replacing criminal penalties with civil or administrative measures. The government expects that this move will remove the fear of prosecution for minor and technical violations, thereby building a conducive business environment."The Bill seeks to rationalise more than 1000 offences, removing outdated and redundant provisions thereby improving the overall regulatory environment. The Bill envisages a shift from criminal penalties for minor, technical, or procedural defaults to civil and administrative enforcement mechanisms," stated the Ministry of Commerce in its release.

In addition, the Bill proposes 67 amendments focused on improving ease of living, signalling a broader push to make regulatory processes more citizen-friendly.The revised bill called for changes to provisions in several laws, including the Indian Ports Act and Merchant Shipping Act, both introduced in 2025, the Motor Vehicles Act, 1988, the Delhi Police Act, 1978, and the Delhi Municipal Corporation Act, 1957, among others.Previously, Jan Vishwas 2023 Act, notified on 11 August 2023, had decriminalised 183 provisions in 42 central Acts administered by 19 ministries/departments.

Unemployment crawls down to 3.1% in 2025 from 3.2% a year ago, reveals govt survey

New Delhi.(Agency)

The rate of unemployment crawled down by one tenth of a percentage point between 2024 and 2025, a government survey has revealed. According to the Periodic Labour Force Survey (PLFS) 2025, rate of unemployment for persons aged 15 years and above stood at 3.2% in 2024 which has come down to 3.1% in 2025. The PLFS was released by the Ministry of Statistics and Programme Implementation on Friday, March 27.The PLFS is conducted annually and it offers estimates of the employment and unemployment situation in the country. It provides data for Labour Force Participation Rates (LFPR), Worker Population Ratio (WPR), Unemployment Rate (UR), etc.Unemployment among educated individuals

Unemployment rate in usual status among educated persons (secondary and above) came down from 7.0% in 2024 to 6.5% in 2025. Incidentally, usual status unemployment is an indicator of chronic unemployment, of those who remained without work for more than 183 in a year.

Share of agriculture down

Though agriculture employs the biggest share of workers, its share in the employment scenario has gone down from 44.8% in 2024 to 43.0% 2025 — a significant drop considering it took place in just one year.Construction is another labour-intensive sector. Its share in employment crawled down from 12.3% to 12%. Employment in the manufacturing sector rose from 11.6% to 12.1%. Employment in other services have gone up too — from 12.2% to 13.1% between the two above-mentioned years.Unemployment rates gender-wise

The Periodic Labour Force Survey also revealed that males have made progress in employment with the unemployment count going down from 3.3% in 2024 to 3.1% in 2025. However, the rate of unemployment among women remained the same in 2025 compared to that i 2024 — 3.1%.

The rural picture

The survey revealed that rural male labour force participation was at 80.5% while rural female participation was slightly more than half that rate and stood at 45.9%. But it was steady compared to the previous years.

IndiGo flight makes emergency landing in Delhi, engine failure suspected

A Visakhapatnam-Delhi IndiGo flight, carrying 161 passengers, made an emergency landing at the Delhi airport due to suspected engine failure.

New Delhi.(Agency)

A full emergency was declared on a runway of Indira Gandhi International (IGI) Airport, Delhi, after an IndiGo flight from Visakhapatnam (6E 579) reported a suspected engine failure on Saturday. Runway 28 of the airport was placed on high alert, as airport authorities immediately activated emergency protocols. However, the Visakhapatnam-Delhi flight, a Boeing 737-800 aircraft carrying 161 passengers, landed safely at around 11 am. All passengers were safely evacuated, sources said.

WHAT HAPPENED AT DELHI AIRPORT?

Information about the emergency landing was received at 10.53 am, following which all agencies were kept on alert, and fire tenders were dispatched. Authorities said no damage was reported. "A flight made an emergency landing at Delhi airport. The fire department received information about the emergency landing at 10.53 am and immediately dispatched fire tenders. The flight landed safely," the Delhi Fire Services (DFS) said in a statement.

IndiGo, in a statement, said a "technical snag" was detected shortly before landing. "As a precautionary step and in accordance with the standard operating procedure, the pilots requested priority landing, and the aircraft arrived safely at IGI Airport," the statement said.

Last month, a full emergency was declared at Delhi airport after a SpiceJet Delhi-Leh flight reported an issue in one of its engines. The flight, carrying around 150 passengers, returned to Delhi. It was also a Boeing 737 aircraft, which has recently come under scrutiny over repeated engine failures. In fact, several international airlines have also reported a recurring pattern of failures involving the CFM56 engines on Boeing 737s. Last year, Aerolineas Argentinas grounded eight Boeing 737-800 aircraft.

Bungalow built after razing 15th century ASI monument allotted to Delhi Chief Secretary

New Delhi.(Agency)

A bungalow in Southeast Delhi's Kilokri Jal Vihar, allegedly constructed by former Delhi Jal Board (DJB) CEO Udit Prakash Rai by razing down a 15th century monument, has a new occupant – Chief Secretary Rajeev Verma, The Indian Express has learnt. "He has moved into the Jal Vihar bungalow. It has been a month now," a senior official said.

There was controversy related to the bungalow in 2023 when the Delhi Vigilance department issued a show cause notice to Rai for allegedly razing a 15th century Pathan period 'Mahal' – dating back to 1418 when the Sayyid dynasty ruled Delhi – to construct a lavish official bungalow for himself. The bungalow, constructed at a cost of nearly Rs 4 crore, was built on a site measuring 700 sq m on a plot of 5,500 sq m.

Verma – a 1992-AGMUT (Arunachal Pradesh-Goa-Mizoram and Union Territory) cadre IAS officer, who was appointed the Chief Secretary (CS) of Delhi last October – had not been staying in a government-allotted accommodation due to non-availability of a bungalow. "Usually, different types of houses are allocated to officials according to their rank, cadre and seniority. The CS was initially looking for an official accomodation in Chankyapuri's Satya Marg, where most of the former chief secretaries stayed during their tenure. However, due to non-availability of any official flat, bungalow 2 at Kilokri Jal Vihar was allotted to him," said the official. "The bungalow will be returned to the DJB, after the CS vacates it," the official added.

Verma, who is set to retire in December, did not respond to calls and messages seeking a comment on the matter.

Officials said the Public Works Department (PWD) is the nodal agency for alloting houses to officers of Delhi government, even to the Chief Minister and the ministers. Bureaucrats need to apply to PWD for allotment of official accommodations.

'Bought a chopper...', 'headed to Thailand...': Good times take off in land sale windfall as Noida airport readies for inauguration

New Delhi.(Agency)

The hustle and bustle of the preparation for the inauguration of the Noida International Airport — pitched to be one of Asia's largest once complete — has been palpable in the villages nearby. The National Capital Region's (NCR) second international airport is set to be inaugurated by PM Narendra Modi on Saturday as multiple dignitaries mark attendance at the grand event.

Good times rolled out with the commencement of the project as many reaped the benefits of the land sale windfall, according to Shivam Prajapati (26), a resident of Banwari Bas village. "Most of the people are very happy with the airport being constructed and their land being acquired. Sabne apne shauk shuk pure kar liye (everyone had their wishes fulfilled)," he told The Indian Express as he stood at a shop near the airport on the eve of inauguration.

Prajapati is one of the subcontractors of labourers involved in the construction of the airport, as well as the Tata Power's solar plant nearby. "A large landowner, who got around Rs 15 crore for his land, even bought a helicopter," he claimed, adding that he is planning to go to Thailand next month with his friends.

In the Kishorpur village, a resident shared his before-and-after story. "I was earlier one of the poorest in the village… but now, I earn around Rs 60,000 per month just by letting labourers leave their helmets and keys with me at the shop," said Ajay Beniwal, while lying on a cot inside a shop, as he admitted that he struck gold by leveraging the opportunity.

Another resident of Banwari Bas, Nanak Chand (56), shared that he constructed six additional rooms in his house to rent them out over the last few years when he saw a huge influx of migrant labourers in the area. But now, he is anxious. "Now the number of labourers have gone down. Two years back, all my rooms used to be rented out. But now, only one is…" he said, pointing out that he used to earn Rs 3,000 per month from every room.

Man hangs daughters, 10 and 11, upside down overnight over theft suspicion; 1 dead

A suspected case of brutal child abuse in Maharashtra's Sangli has left a 10-year-old girl dead and her elder sister critically injured.

New Delhi.(Agency)

A father allegedly subjected his two minor daughters to brutal torture on suspicion of theft, leading to the death of one and leaving the other critically injured. The accused, identified as Dadu Haibat Yamgar, tied the hands and legs of his daughters,10-year-old Sanika and 11-year-old Anuja, and hung them upside down from an iron angle in their house around 5 pm on Wednesday. The girls were allegedly left hanging through the night, crying in pain and repeatedly asking for water, which they were denied.

The horrific ordeal ended only the next morning when their grandfather untied them around 6 am. By then, Sanika had died, while Anuja was found unconscious and seriously injured. She was rushed to hospital, where she later regained consciousness and narrated the incident to doctors, following which a police complaint was registered.

Sanika was declared dead on arrival at a private hospital. Preliminary information suggests that neighbours had raised suspicions of theft against the girls, prompting the father to carry out the brutal punishment.

In a disturbing development, family members allegedly attempted to conduct Sanika's last rites quietly to prevent the incident from coming to light. However, the truth emerged after Anuja's statement.

Further, it has also emerged that the accused allegedly attacked the girls' grandfather, who had freed them, with a sharp weapon and issued death threats.

Police have taken the accused father into custody and launched a detailed investigation into the case.

Sidewalks, cycle tracks, green corridors, public plazas: Five key stretches in Delhi set for revamp

New Delhi.(Agency)

Five key stretches and junctions in Delhi, which witness heavy traffic, including Minto Road–ITO–Karkardooma, Delhi Gate, Netaji Subhash Marg–ITO and Najafgarh Road, are set to to undergo a major redesign aimed at easing traffic congestion and creating pedestrian-friendly, green urban spaces. The plan includes segregated pedestrian sidewalks, dedicated cycle tracks, green corridors, transit stops, public plazas, bus stops and open urban spaces, officials said.

A proposal in this regard was recently reviewed by Lieutenant Governor Taranjit Singh Sandhu, based on a comprehensive redevelopment plan prepared by the School of Planning and Architecture (SPA), Delhi, they added.

According to the officials, SPA has identified five high-traffic corridors that routinely face congestion, especially during peak hours. They are Minto Road–ITO–Karkardooma; Minto Road–Aruna Asaf Ali Marg–Jawaharlal Nehru Marg–Delhi Gate; Netaji Subhash Marg–Shanti Van–Mahatma Gandhi Marg (along the Yamuna)–ITO–IT Estate Metro Station; Dhaula Kuan–Jail Road/Cariappa Marg–Tilak Nagar Crossing; and Uttam Nagar–Tilak Nagar–Rajouri Garden on Najafgarh Road. These stretchers are located in Central, West and East Delhi, connecting prominent areas such as Connaught Place, Delhi Cantonment, Raj Ghat and ITO, which houses several government offices including the Delhi Secretariat, among others. "The LG reviewed the SPA presentation on transforming transit corridors into green and pedestrian-friendly spaces," said an official from LG office.

Officials said the plan also includes upgrading stormwater drainage to prevent flooding and reduce silt-related dust pollution, along with building scientifically-designed green central verges. Integrated pedestrian pathways with cycle tracks, public utilities and resting shelters have also been proposed, they added.

To boost night-time economy in these areas, the plan envisions movable vending zones and informal craft bazaars. Additional features include improved street lighting, short-duration parking and enhanced surveillance to improve safety, particularly for women and children.

An official from SPA said, "If we plan a complete street design, integrating multiple transport modes and developing these corridors with a focus on improving mobility and infrastructure while promoting beautification and night economy, not only will traffic jams be reduced but this will also create vibrant urban corridors accessible for everyone." Under this plan, a multimodal approach would go on to integrate walking and cycling, as well as various modes of transport like buses, light rail and private vehicles. Officials said the LG has assured full support in assessing the project's feasibility and coordinating between agencies such as the PWD, MCD and DDA for its implementation. He also suggested that Kingsway Camp–Mall Road stretch should be considered for development on the same lines, they added.

Commercial LPG supply now increased to 70%, says Delhi minister

New Delhi.(Agency)

The Delhi government has increased commercial LPG allocation to 70% of previous levels, minister Manjinder Singh Sirsa on Friday as he underlined that there is no supply shortage in the city. This comes after the latest directives from the Ministry of Petroleum and Natural Gas. Now, about 6,300 cylinders of 19 kg will be available on a daily basis for commercial establishments in the Capital (against the normal consumption of 9,000 cylinders), according to an official statement.

According to the statement, hospitality and food-related establishments, including hotels, restaurants, dhabas, food processing units and dairies, received the largest daily share at 3,375 cylinders. "Delhi's industries and eateries can now operate without disruption. This 70% allocation is a direct result of coordinated efforts at the Centre and state level," said Sirsa.

Continuous monitoring shows no hoarding or panic, with booking details reflecting normal demand patterns across Oil Marketing Companies (OMCs), he said. "The Delhi government remains committed to fair distribution, urging consumers to book promptly and apply for PNG where feasible," Sirsa added. "There is absolutely no shortage; supplies are stable, thanks to proactive measures," Sirsa said. Essential services such as education, healthcare, transport and public utilities have been allocated 225 cylinders, while similar quantities have been earmarked for caterers, government institutions and community kitchens.

Sports facilities and stadiums will receive 270 cylinders, the statement said, adding that 5 kg refills for migrant workers and students have also been provided.

On Thursday, Sirsa said the government has increased the commercial LPG cylinder allocation from 20% to 50% of average daily consumption, raising the supply from 1,800 to 4,500 cylinders (19 kg equivalent) per day.

Amid the war in West Asia, the Food and Supplies department had on March 14 capped the daily regulated supply of commercial LPG cylinders at 20% of the city's average daily consumption – 1,800 cylinders in place of the usual 9,000 – dividing consumers into eight priority sectors with hospitals, educational institutions, Railways and airports getting 100% allocation.

West Asia conflict: Will ensure uninterrupted services to citizens, coordinating with Centre, says Delhi CM

New Delhi.(Agency)

The Delhi government is in close coordination with the Centre to ensure uninterrupted services and smooth arrangements for citizens, said Chief Minister Rekha Gupta after attending the high-level meeting chaired by Prime Minister Narendra Modi on the ongoing West Asia war.

Reviewing the potential impact, and the preparedness, in light of the conflict, PM Modi on Friday told Chief Ministers that addressing the challenge is a "shared responsibility" and urged them to work together as "Team India" to "successfully overcome the situation.

In a video conference with CMs and Lieutenant Governors of States and Union Territories — except those going to polls — Modi underlined that his government's priorities were to maintain economic and trade stability, ensure energy security, safeguard the interests of citizens, and strengthen industry and supply chains.

Gupta in a post on X, said, "Participated virtually in the high-level meeting of States and Union Territories chaired by PM…"

She said, "Amid the global scenario, maintaining the country's economic dynamism and the uninterrupted availability of essential resources is our shared priority." Saying that public interest is the top-most concern of the Modi government, Gupta said effective and far-reaching steps are being taken by the central government under the leadership of the PM to further strengthen the supply chain.

"With the unbreakable spirit of 'Team India'… we all are fully committed to ensuring that no additional burden of global circumstances falls on our common citizens," she said.

In a statement after the meeting, the PMO said, "The PM highlighted that the situation remains dynamic, necessitating continuous monitoring and adaptive strategies. He said that an Inter-Ministerial Group has been operational since March 3, reviewing the situation on a daily basis and taking timely decisions."

NEWS BOX

Five Indians injured after fire breaks out at UAE industrial unit following

World (Agency)

UAE authorities said fire broke out early Saturday at an industrial zone following a missile and drone attack from Iran, leaving five people with injuries.A statement released by government media office said "the incident has resulted in injuries ranging from moderate to minor sustained by five individuals of Indian nationality".The United Arab Emirates' defence ministry said air defences were responding to incoming cruise missiles and drones fired by Iran, as Tehran pressed strikes in the Gulf a month into the regional war.The Abu Dhabi government media office said in a statement posted online that authorities were dealing with two fires in the area of the emirate's Khalifa Economic Zones.

The statement said the fires had broken out due to falling debris from a "successful interception" of a ballistic missile.8io

"Epstein Island" Tag Appears On White House Number Due To Google Glitch

World.(Agency)

The official phone number of the White House appeared on some Android phones as "Epstein Island" for a brief period before Google fixed it, The Washington Post reported. It came to light when The Post reporters called the Oval Office this week.

The calls reached the correct number, but the unusual label appeared on the screen instead of the "White House". The issue affected mainly Android devices, particularly Google Pixel phones, while iPhone users saw no name at all."It was not a wrong number. That's what the phone displayed when some Washington Post journalists called the White House switchboard," The Post reported.Soon after, the American daily reported the issue to Google. A company spokesperson, Matthew Flegal, stated that it originated from a "fake edit" someone had made in Google Maps. This incorrect information briefly appeared in the call ID feature of some Android phones.Google confirmed the error had been corrected, and the White House now appeared correctly on all devices. Calls to the number now show only the phone number, with no name attached.Flegal added that the edit violated Google's policies, and the user responsible had been blocked from making further edits.

Mike Blumenthal, an expert who helps businesses manage their Google listings, has long criticised Google for how easy it is for someone to change business names or phone numbers in Google's systems, including Google search, Google Maps, and the caller ID feature on phones.It's unclear how long the 'Epstein Island' name was attached to the White House switchboard number or how many callers may have seen it," he told the outlet.The White House has faced several questions about Trump's past friendship with Jeffrey Epstein, who died by suicide in 2019 in federal custody at a Manhattan jail. Epstein had been charged with sex trafficking of minor girls.

"Either Dead Or In Very Bad Shape": Trump On Mojtaba Khamenei

World.(Agency)

US President Donald Trump has claimed that Iran's top leadership has been wiped out and suggested that the country no longer has a functioning supreme leader, saying even Ayatollah Mojtaba Khamenei may be dead or wounded.Trump said US military action had destroyed Iran's leadership and military power, leaving its highest authority effectively eliminated.

Speaking about the impact of American military action, Trump said Iran's leadership and military power had been destroyed. He claimed that even the country's highest authority no longer existed. "No, their leaders are dead. Their supreme leader is no longer supreme. He's dead. The son is either dead or in very bad shape because nobody's heard from him," Trump said.Trump made these remarks during an address at the Future Investment Initiative Priority Summit in Miami, where he also gave an assessment of the war and described Iran as being weakened by US operations. He said the US forces had gone far beyond expectations in dismantling Iran's military capabilities."Iran's navy is gone. It's all sunk at the bottom of the gulf... Their air force is totally, completely dead... Their anti-aircraft and communications capabilities are totally dismantled and dead," Trump said.

"We're crushing Iran's weapons stockpiles, destroying their missiles and drone factories at levels nobody ever thought were possible, and turning their defense industrial base into nothing," he added.

Follow LIVE Updates

After Iran's supreme leader Ali Khamenei was killed in strikes on February 28, Tehran announced that his son, Ayatollah Mojtaba Khamenei, had been named as his successor. However, questions remain over Iran's leadership, as Mojtaba Khamenei has not been seen publicly since being named the new supreme leader. US officials have said he was wounded during the war, while Iran's Guard and other military units appear to be operating without any central command.Earlier also, Trump had expressed uncertainty about Mojtaba Khamenei's condition. On March 16, he said it was unclear whether Iran's new leader was still alive after reports that he had been injured in an air strike. "We don't know if he's dead or not. I will say that nobody has seen him, which is unusual," Trump had said at an event at the White House.Meanwhile, Trump further claimed that Iran was now seeking talks and pushing for a deal. "They are negotiating. They are begging to make a deal," he said during his Miami speech.

Canada passes new legislation that strengthens asylum rules; immigration system and border security

Under the new law, the federal government can share certain immigration-related information with provinces and territories.

LOS ANGELES. (Agency)

The Canadian government has passed a new law to tighten its asylum rules, allowing authorities to stop accepting, suspend, or terminate the processing of immigration applications. The law also gives powers to suspend, cancel, or change immigration documents such as work permits, study permits, temporary resident visas, and permanent resident visas, and to impose or modify conditions on temporary residents.

On March 26, Canada's Immigration System and Borders Act (Bill C-12) received Royal Assent and has now come into effect. The law aims to strengthen the country's immigration and asylum systems and provide law enforcement agencies with more tools to secure borders, combat transnational organized crime, illegal fentanyl, and illicit financing.

Under the new law, the federal government can share certain immigration-related information with provinces and territories. This is meant to improve coordination between different levels of government, including access to services and program management. Information sharing will take place through formal agreements and must follow privacy rules.The law also gives the government authority to manage immigration application processing in certain situations. These include cases involving system integrity concerns, public health or safety risks, or technical issues. Authorities may temporarily pause or limit the processing of some applications or documents in such cases.Indian nationals make up the largest group of asylum seekers in Canada. According to the Immigration and Refugee Board (IRB) of Canada, more than 45,000 asylum claims have been made by Indian nationals since

December 2012. In the first six months of last year alone, nearly 9,770 refugee claims were filed by Indian citizens. Most of these claims are reportedly from Punjab and are often linked to political or security concerns.Under the new rules, individuals who file an asylum claim more than one year after their first entry into Canada on or after June 24, 2020, will usually not have their cases referred to the Immigration and Refugee Board of Canada (IRB) for a full hearing. " The asylum claims made more than one year after someone's first entry into Canada after June 24, 2020, would not be referred to IRB regardless of whether the person has since left and returned. Also Asylum claims from people who enter Canada between ports of entry along the Canada–US land border and who make a claim after 14 days would not be referred to the IRB," it states.

The government said these new eligibility requirements will reduce pressure on the asylum system, protect it from sudden increases in claims, close loopholes, and discourage people from using asylum claims as a shortcut to regular immigration pathways." Guidance will be provided to officers to consider the individual circumstances of unaccompanied minors, given their lack of legal guardianship. People who are affected by these new rules will still have access to a pre-removal risk assessment (PRRA) to prevent them from being sent back to a country where they face risks like persection, torture or other harm," it added." With the passage of Bill C-12, we're strengthening the practical tools that keep our immigration and asylum systems fair, efficient and working as intended.

Millions expected to hit US streets in protest against Trump's war and policies

UNITED STATES. (Agency)

Massive nationwide protests against US President Donald Trump are expected Saturday as millions of people vent fury over what they see as his authoritarian bent and other forms of cruel, law-trampling governance.

It is the third time in less than a year that Americans will take to the streets as part of a grassroots movement called "No Kings," the most vocal and visual conduit for opposition to Trump since he began his second term in January 2025.And now they have something new to fume over -- the war in Iran that Trump launched alongside Israel, with ever-shifting goals and timelines for completion.The first such nationwide protest day came in June on Trump's 79th birthday and coincided with a military parade in Washington that he insisted on holding.Several million people turned out, from New York to San Francisco and many places in between.The second "No Kings" day in October drew an estimated seven million protesters, according to organizers.

The goal now is to bring out even more people on Saturday, as Trump's approval rating is low at around 40 percent and midterm elections loom in November, when Trump's Republicans could lose control of both chambers.

Just as Trump is worshipped by many in his "Make America Great Again" movement, on the other side of

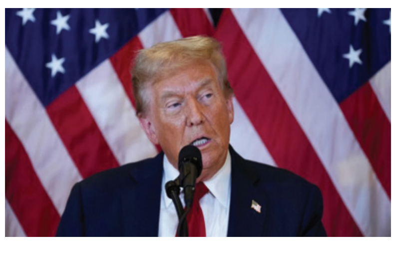

America's wide political chasm he is disliked or even loathed with equal passion.Trump foes bemoan his penchant for ruling by executive decree, his use of the Justice Department to prosecute opponents, his embrace of fossil fuels and climate change denial even as the planet warms, his fight against racial and gender diversity programs, and his newfound taste for flexing US military power after campaigning as a man of peace.

"Since the last time we marched, this administration has dragged us deeper into war," said Naveed Shah of Common Defense, a veterans association that belongs to the "No Kings" movement."At home, we've watched citizens killed in the streets by militarized forces. We've seen families torn apart and immigrant communities targeted. All of it done in the name of one man trying to rule like a king," Shah said. Springsteen in Minneapolis -Organizers say more than 3,000 rallies are planned, an increase from the last protest day, in major cities coast to coast and in suburbs and rural areas -- even in the Alaskan town of Kotzebue, above the Arctic circle.

Minnesota will be a key focal point, returning to the limelight months after becoming ground zero for the national debate over Trump's violent immigration crackdown.Legendary rocker Bruce Springsteen, a fierce critic of the president, is scheduled to perform in St. Paul, the capital of the northern state, his song "Streets of Minneapolis."It is a ballad he wrote and recorded in the space of 24 hours in memory of Renee Good and Alex Pretti, Americans shot and killed by federal agents during protests in frigid January weather against Trump's immigration offensive.

1 Month On, Where US-Israel War On Iran Stands And What It Cost So Far

World.(Agency)

What the US and Israel thought would be a short-term aerial bombardment of Iran to take out the top leadership and make way for a more Western-friendly establishment has landed them in choppy waters.

Despite the assassination of Iran's Supreme Leader, Ayatollah Khamenei, and other top military and intelligence officials, Tehran still shows no signs of buckling under pressure.

How It Unfolded

On February 28, Washington and Tel Aviv launched air strikes on Tehran, Minab and a number of other cities. The attacks have continued unabated, killing about 1,900 people, including 175 school girls, and displacing 3.2 million people.Iran's response was swift and wide-ranging. Missiles and drones were launched at Israel and Gulf nations, including Kuwait, the UAE, Saudi Arabia and Jordan.In the UAE, intercepted debris in Abu Dhabi killed two, while Kuwait's Shuwaikh Port was hit.US Defence Secretary Pete Hegseth, in a recent briefing, claimed that America has destroyed more than 10,000 targets that included underground facilities and buildings critical to Iran's defence industrial base and sunk over 150 Iranian naval vessels.Over 4,500 people, including 1,900 in Iran, have been killed across more than a dozen countries involved since February 28, The Independent reported.Two major steel plants in Iran were damaged in airstrikes, according to Iranian media. It is being reported that key sites linked to Iran's nuclear programme were also targeted.Former Pentagon official Elaine McCusker has estimated that battle damage and replacement of losses in the first three weeks alone could cost the US between $1.4 billion and $2.9 billion.Beyond Iran, the conflict has triggered clashes between Israel and Hezbollah that have impacted thousands in Lebanon.Over 1,100 people have been killed there and millions displaced, as per The Independent.

Economic Pressure Point

Despite being under heavy bombardment, Iran has managed to exert global pressure through its control of the Strait of Hormuz, a route that carries nearly 20 per cent of the world's oil.By blocking ships linked to its rivals, Iran has disrupted the global oil supply, which has driven crude prices higher.

Where Things Stand Now

US President Donald Trump has delayed further strikes on Iran's energy infrastructure by 10 days, saying peace talks are "going very well."

Iran has rejected US proposals as "one-sided and unfair" and has put forward its own non-negotiable demands that include sovereignty over the Strait of Hormuz and war reparations.

US Woman Awarded Rs 132 Crore After Eating Ice Cream With Nails, Metal Shards

HANOI.(Agency)

A US woman has been awarded Rs 132 crore ($14 million) in damages by a court jury after she ate an ice cream cone containing nails and other metal fragments. The Brevard County court found Bruster's Real Ice Cream liable for serving the contaminated dessert to Brandy Buckley, which led to serious medical complications for the Florida resident. The lawsuit was originally filed in 2019, but the case went to trial earlier this month.Buckley went to the ice cream shop in Palm Bay with her two children to get ice cream cones on September 11, 2018. She was eating a waffle cone with butter pecan ice cream when she noticed something wrong. As per her attorneys, Buckley swallowed some of the metal pieces, which caused internal injuries."She took a big bite of it and swallowed it quickly. She felt something but thought it was pecans," said Scott Alpizar, the lead attorney in the case was quoted as saying by Florida Today.Buckley ended up going to the hospital, where X-ray tests showed she had ingested metals along with at least one nail. Surgery was performed to remove the foreign objects from the body, but she continued to have health problems as not all of the metal was removed."It's really hard to understand how metal could have ended up in the ice cream. No matter how much trust you have in national brands, mistakes happen. You just need to be careful," said Scott.The woman's attorneys also submitted photos of the ice cream cone remnant and a nail in front of the jurors who ended up delivering the judgment in favour of the mother of two.This case highlights the critical importance of food safety and the responsibility that both local operators and national brands have to protect consumers," said Scott.John Alpizar, the other attorney representing Buckley, said his client was grateful to the jury for fulfilling their civic duty.

Prime Minister To Ouster To Arrest: Rise And Fall Of KP Sharma Oli

World.(Agency)

Tough-talking Nepali leader Khadga Prasad Sharma Oli spent decades in communist politics and served as prime minister four times before he was ousted in 2025 by deadly youth protests.

He was arrested on Saturday morning, one day after the country's new prime minister took office, following the defeat of the 74-year-old's bid for a political comeback in elections earlier this month.Oli, leader of the Communist Party of Nepal-Unified Marxist Leninist (CPN-UML), painted the polls during campaigning as a "competition between those who burn the country and those who build it".

He suffered a decisive defeat.

Oli was detained by police after a government-backed commission recommended his prosecution for his alleged role in the September violence that killed at least 77 people.He has previously denied responsibility or that he ordered the police to open fire.

'No effort'

The protests were triggered by the Oli government's brief ban on social media, but were driven by widespread frustration over economic stagnation and entrenched corruption.He quit as premier as mobs torched his house, parliament and government offices.In his resignation letter, Oli said he hoped stepping down would help "move towards a political solution and the resolution of the problems".In January, he gave a statement to a commission established by the interim government to investigate the deadly crackdown on the youth-led uprising.

Oli has denied he had told the police to open fire on protesters."I did not give any orders to shoot," he said, in an audio statement posted on his social media accounts in January.Instead, he has blamed "infiltrators" or "anarchic forces" for igniting violence -- without giving further details."The children were led to such a point where the law itself orders shooting," he added.The commission report said Oli had held responsiblity as the government's head.

The commission report said that it was "not established that there was an order to shoot", but said that "no effort was made to stop or control the firing".Authoritarian streakPolitical journalist Binu Subedi said

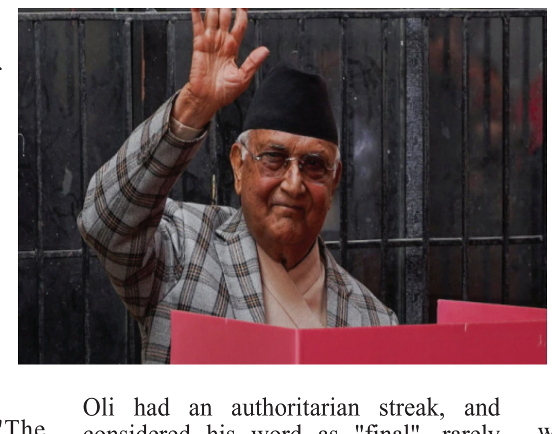

Oli had an authoritarian streak, and considered his word as "final", rarely accepting criticism or suggestions.

Often known by his first initials "KP", Oli spent years cultivating a cult-like image, with life-size cutouts and banners of "KP Ba (father), we love you" at rallies.

Oli's political career stretches nearly six decades, a period that saw a decade-long civil war and Nepal's 2008 abolition of its monarchy.Drawn into underground communist politics as a teenager, he was 21 when arrested in 1973 for campaigning to overthrow the king. "I was sentenced to harsh imprisonment for 14 years, with four years of solitary confinement", he wrote in a book of selected speeches.He studied and wrote poetry in detention, penning his verses on cigarette boxes when he couldn't access paper."My crime was that I fought against the autocratic regime," Oli added. "But this never deterred me; instead, it emboldened me to continue the struggle."

After his release in 1987, he joined the CPN-UML and rose through the ranks, winning a parliamentary seat.He first became prime minister in 2015, before being re-elected in 2018 and reappointed briefly in 2021 in Nepal's often turbulent parliament.

NEWS BOX

IPL 2026 complete guide: Where to watch, FAQs, schedule and all you need to know

New Delhi. (Agency)

The wait is over. The 19th edition of the Indian Premier League begins on March 28 and runs until May 31, promising two months of high-intensity T20 action across packed stadiums in India. The season will feature 70 league matches, followed by Qualifier 1, Eliminator, Qualifier 2 and the final.

On Friday, the BCCI announced the second part of the league-stage schedule, confirming that each team will play 14 matches, seven at home and seven away, before the top four advance to the playoffs. Matches will be held across 13 venues.The tournament opener will see defending champions Royal Challengers Bengaluru take on 2016 winners Sunrisers Hyderabad in Bengaluru. After ending their

long wait for a maiden title in 2025, RCB enter the new season with renewed confidence, but also the pressure of proving last year's triumph was no fluke.There will be no shortage of storylines elsewhere. Chennai Super Kings, who finished bottom of the table for the first time last season, will be desperate for a turnaround. Mumbai Indians, five-time champions, are still chasing their first title since 2020.

Punjab Kings, Lucknow Super Giants and Delhi Capitals remain in search of their maiden IPL crown, while Gujarat Titans and Rajasthan Royals will aim to add to their one title each. The Kings played the final last season, but lost to RCB at the Narendra Modi Stadium in Ahmedabad.A major talking point this season is the use of second homes. RCB have shifted marquee home games against MI and Kolkata Knight Riders from Bengaluru to Raipur. Punjab Kings will host MI, RCB and Delhi Capitals in Dharamsala, while Rajasthan Royals will take key fixtures against MI, Chennai Super Kings and RCB to Guwahati.

PCB issues show-cause notice to Naseem Shah over controversial social media post

The Pakistan cricket board issued a show-cause notice to Naseem Shah over a social media post. The pacer must respond as the board reviews disciplinary action.

New Delhi. (Agency)

TThe Pakistan Cricket Board (PCB) has issued a show-cause notice to fast bowler Naseem Shah for allegedly violating the terms of his central contract and media regulations. The development comes just a day after a controversial social media post from his account during the opening night of the Pakistan Super League 2026 season.

The post, which was later deleted, appeared to question the treatment of Maryam Nawaz, the Chief Minister of Pakistan's Punjab province, at the event. In an official statement, the Pakistan Cricket Board confirmed that disciplinary proceedings had been initiated on the pacer's actions."Naseem Shah is required to provide a response within the stipulated time."The PCB remains committed to upholding professional standards, contractual obligations, and the integrity of the game."

The board did not specify the exact clause breached but indicated that the matter would be reviewed after receiving Naseem's response.WHAT WAS NASEEM SHAH'S CONTROVERSIAL POST ABOUT?

The controversy stemmed from a post shared on Naseem's X account during the PSL opener at Lahore's Gaddafi Stadium. The post included a video of Maryam Nawaz arriving at the venue and read: "Why is she treated like a queen at Lord's?"

The post was quickly deleted, and a follow-up message claimed that Naseem's account had been hacked and later recovered. However, the explanation did not prevent the issue from escalating.The incident gained further attention as it came on a high-profile opening night attended by dignitaries, despite earlier decisions to limit public attendance due to external factors.WHAT HAS PCB SAID ON NASEEM SHAH?

The PCB maintained that the pacer's actions potentially breached both contractual obligations and media policies, which prohibit public criticism or inappropriate remarks related to officials, institutions or stakeholders.The board has taken a firm stance on player conduct in recent times, particularly around public statements and political references. The case will now proceed based on Naseem's explanation, following which any disciplinary action will be decided.

IPL 2026: CSK talisman MS Dhoni out for 2 weeks due to calf strain

New Delhi. (Agency)

Chennai Super Kings will not have the services of legendary MS Dhoni in the first two weeks of the Indian Premier League. Dhoni has been ruled out for the first few games due to a calf strain, confirmed the franchise on Saturday, March 28.

The legendary wicketkeeper batter, who has faced injury issues in recent years, is expected to miss the first four games of the IPL 2026 season for the franchise. In place of Dhoni, either Sanju Samson or Urvil Patel are expected to take over the wicketkeeping duties for the team.WHICH IPL 2026 MATCHES WILL MS DHONI MISS?

Dhoni is expected to miss at least the first four games of the season during his recovery period:March 30: Rajasthan Royals vs Chennai Super Kings

April 3: Chennai Super Kings vs Punjab KingsApril 5: Royal Challengers Bengaluru vs Chennai Super Kings

April 11: Chennai Super Kings vs Delhi CapitalsHis absence will test CSK's squad depth early in the season, particularly in terms of leadership and finishing ability.

Dhoni, who retired from international cricket in 2020, has continued to play exclusively in the IPL. Last season, he featured in all 14

matches, scoring 196 runs at a strike rate of over 135. He also briefly returned to captaincy after Ruturaj Gaikwad was ruled out due to injury.At 44, Dhoni remains one of the most influential figures in the league. If he returns later this season, he will become the oldest Indian to feature in the IPL, underlining both his longevity and importance to the franchise. For now, though, CSK will have to navigate the early phase without their biggest icon, with all eyes on how they adjust in his absence.WHO KEEPS WICKETS IN ABSENCE OF MS DHONI?

Chennai Super Kings identified Sanju Samson as the successor of MS Dhoni. They traded him from Rajasthan Royals for Ravindra Jadeja and Sam Curran. Samson, who will be opening the innings for CSK this season is expected to keep wickets for the team as well, having executed in the role in the T20 World Cup recently.

CSK can also opt to hand the keeping gloves to 27-year-old Urvil Patel as well, however, there are no indications of that at the moment.CSK will play their first game of the season against Rajasthan Royals. The match is scheduled to be played at the Barsapara Stadium in Guwahati on March 30.

Praggnanandhaa carries India's hope as Candidates Tournament begins in war-threatened Cyprus

CHANDIGARH. (Agency)

TIndia's R Praggnanandhaa will carry the nation's hopes as the FIDE Candidates Tournament gets underway in Cyprus on Sunday, March 29, with the winner earning the right to challenge reigning world champion D Gukesh later this year.Praggnanandhaa is the sole Indian in the Open section of the elite eight-player field, and faces a stern test in a tournament that will unfold over a fortnight in a double round-robin format. Each participant will play the others twice, with the highest scorer securing a place in the World Championship match. The tournament is being played in the middle of a war-torn West Asia, where the conflict between Iran and Israel shows no signs of stopping.On current form, American Grandmaster Fabiano Caruana enters as the favourite, closely followed by compatriot Hikaru Nakamura, who qualified via ratings. The ever-consistent Anish Giri is also expected to be a strong contender if he finds early momentum.The rest of the field features China's Wei Yi, Uzbekistan's Javokhir

Sindarov, Russia's Andrey Esipenko, and Germany's Matthias Bluebaum, making it one of the most competitive Candidates line-ups in recent years.For Praggnanandhaa, the build-up has been mixed. After a stellar 2025 season that saw him top the FIDE circuit standings to qualify, the young Indian endured a dip in form towards the end of the year, which extended into the Tata Steel Masters earlier this season. However, he arrives in Cyprus well-rested, having taken a break from competitive chess since February to focus solely on preparation.Sindarov, the youngest participant in the field, is widely regarded as the dark horse. The Uzbek made headlines by winning the Chess World Cup last year and possesses the tactical sharpness.

IPL 2026: New season, 10 Indian captains, but the old Dhoni question remains

NEW DELHI. (Agency)

As the Indian Premier League wanders into its 19th year, Indian cricket is not merely ticking along; it is basking in a golden white-ball age. Fresh from defending the ICC Men's T20 World Cup crown, attention now turns to the ever-beating heart of it all, the Indian Premier League. From 28 March, the circus rolls back into town, bringing with it the finest players, sharpest minds and a familiar swirl of chaos for two breathless months, this time under the watch of ten Indian captains.The IPL rarely does dull, and 2026 already has the look of a proper scrap. Squads have been shuffled, tweaked, and in some cases entirely rebuilt at the auction table. Every side appears convinced it has struck the right balance, a dash of youthful swagger, a measure of seasoned calm, and a handful of players capable of turning a game on its head in a matter of overs.That, in many ways, is the essence of the tournament. The IPL thrives on its refusal to behave. One over can swing a contest, an unfamiliar name can become the story of the week, and the most carefully laid

plans can unravel in an instant. With that in mind, we have taken a close look at all ten teams, weighing their strengths, probing their vulnerabilities, and sketching out what might pass for the best XI on current form.Yet the IPL has never been just about cricketing muscle. It is about identity, theatre and a fair bit of local pride. Each franchise carries the mood and colour of its city. Home grounds are not merely venues; they are puzzles to be solved. Teams obsess over boundary dimensions, study how surfaces behave under lights, and quietly hope conditions hold just long enough to suit their methods.

Raphinha, Phil Foden join growing injury list ahead of FIFA World Cup 2026

NEW DELHI. (Agency)

The injury list ahead of the FIFA World Cup 2026 continues to grow, with Raphinha and Phil Foden the latest high-profile names to suffer setbacks. With several key players already sidelined, concerns are mounting for national teams just months before the tournament.Foden's injury came during England's friendly against Uruguay, where a heavy challenge from Ronald Araujo left the Manchester City midfielder in visible pain. Despite a VAR check, no booking was issued, and Foden was forced off shortly after, replaced by Cole Palmer. The incident drew a strong reaction from England boss Thomas Tuchel, who was visibly frustrated on the sidelines.For Foden, the setback comes at a crucial time as he looks to cement his place both at Manchester City and in the England setup. After a promising start to the season, his form had dipped, and the Uruguay game was seen as an opportunity to make a statement — one that ended prematurely.

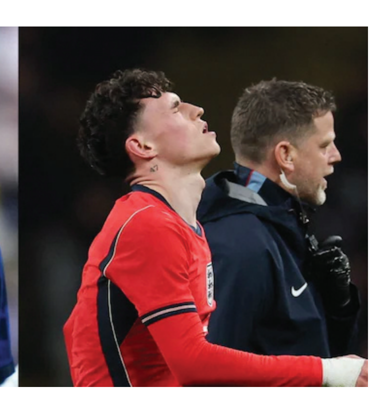

RAPHINHA INJURY WORRIES BARCA, BRAZIL

Raphinha's injury has added to Brazil's growing concerns ahead of the World Cup. The Barcelona winger was forced off in the first half of Brazil's 1-2 loss to France, with scans later confirming a right hamstring injury.The 29-year-old is set to return to FC Barcelona for treatment and is expected to be out until May. Early reports suggest it is the same hamstring issue that troubled him earlier in the season, raising fears of another prolonged absence.His absence will not only impact Barcelona's upcoming fixtures but also disrupt Brazil's preparations, given his importance in the attacking setup.

BIG NAMES INJURY LIST GROWS

The list of injured players ahead of the World Cup continues to expand, with Cristiano Ronaldo among the biggest names dealing with fitness concerns. Several key players across nations are either ruled out or racing against time to recover.

ISL media rights reboot draws big bids, but can AIFF avoid last season's chaos

AIFF reopened ISL rights bidding with strong offers from two bidders. The process looks improved, but doubts over execution remain.

BANGKOK. (Agency)

Indian football once again finds itself at a decisive moment as the All India Football Federation reopened bids for the commercial rights of the Indian Super League. After last season's breakdown, the process has resumed with fresh interest, but also with lingering doubts over whether things will run smoothly this time.Two serious bidders have emerged for the men's package. Genius Sports has put forward a massive offer of Rs 2129 crore for a 20-year cycle, while FanCode has submitted a bid worth around Rs 1190 crore. The gap between the two bids is significant, but more importantly, the presence of multiple bidders itself marks a shift from last year's failed process.The structure of the deal has also been redesigned. The contract is set for a 15-year base period with an option to extend by another five years. There is also a built-in clause of a 5 percent annual increase in value, offering a more stable long-term financial model compared to the uncertainty that surrounded the previous tender.On the women's side, Capri Sports is the sole bidder, having placed a Rs 150 crore offer for the Indian Women's League and its second division. The separation of men's and women's rights into different packages is another notable change in this cycle.

All of this comes after a season where the league's future itself was under threat. With

strong numbers now on the table, the focus shifts to whether the federation can convert this into a stable and transparent deal, or risk slipping back into the same issues that plagued the system last year.WHAT WAS THE AIFF ISL MEDIA RIGHTS CONTROVERSY?

The backdrop to this process is last year's collapse. The end of the Master Rights Agreement between AIFF and FSDL triggered a crisis that the federation struggled to handle.The initial tender for long-term rights attracted zero bids. High financial expectations, centralised control, and lack of clarity pushed potential bidders away. The result was a five-month delay to the 2025-26 season, which eventually began in a truncated format with just 91 matches.

Clubs faced uncertainty, some even pausing operations, while several openly criticised the federation's handling of the situation. The season only began after external intervention, and even then, broadcast rights were sold at a heavily reduced value. Trust in the system took a major hit.

Madhuri Dixit

Shells Out Rs 2.81 Crore To Lease Mumbai Office For Five Years

Madhuri Dixit has now leased an office in Lower Parel, adding another address to her professional portfolio. According to property registration documents reviewed by Square Yards, Dixit has taken a commercial unit on lease at One Lodha Place for a period of five years. The total rental value of the agreement stands at Rs 2.81 crore.The office spans a carpet area of 731 sq ft and comes with one dedicated car parking space. The lease agreement, registered on March 24, 2026, includes a stamp duty payment of Rs 72,600 and registration charges of Rs 1,000. A security deposit of Rs 17 lakh has also been paid as part of the deal. The property has been leased from Rinku Parikshit Joshi.

The rental structure follows a step-up model over the tenure. The monthly rent begins at Rs 4.25 lakh in the first year and increases annually by 5 per cent. It rises to Rs 4.46 lakh in the second year, Rs 4.68 lakh in the third, Rs 4.91 lakh in the fourth, and reaches Rs 5.16 lakh in the final year of the lease.

Neither Madhuri Dixit nor the property owner responded to queries regarding the transaction.Dixit, who began her acting journey with Abodh in 1984, rose to prominence with Tezaab and went on to headline several successful films including Dil, Beta, Hum Aapke Hain Koun..!, and Dil To Pagal Hai. Over the years, she has earned multiple Filmfare Awards and built a strong reputation across both commercial and critically acclaimed cinema.

In recent years, she has balanced film appearances with television, serving as a judge on popular dance reality shows such as Jhalak Dikhhla Jaa and Dance Deewane. She has also appeared in projects like The Fame Game, Dedh Ishqiya, Total Dhamaal, and Bhool Bhulaiyaa 3.

Beyond acting, Dixit is associated with philanthropic work and has collaborated with UNICEF since 2014 on initiatives supporting children's rights. She also co-founded the production company RnM Moving Pictures. She has been married to Shriram Nene since 1999, and the couple has two sons.

Urfi Javed

Shares Glimpse Of 'No Budget Dhurandhar' Look, Says 'This Ain't AI Bros'

Urfi Javed has once again grabbed attention on social media with her latest quirky post. This time, she has given fans a glimpse of her "no budget Dhurandhar" look. Known for her experimental fashion choices, she added a twist while referencing the buzz around Dhurandhar 2.

Taking to her Instagram handle, Urfi Javed shared the video in which she was seen introducing her look and wrote, "No budget dhurandhar ! This ain't AI bros ! Making jaldi dalungi , kaafi easy tha !" Fans immediately reacted with fire emojis. Urfi Javed is popular for getting such looks and enjoys a strong fan following.

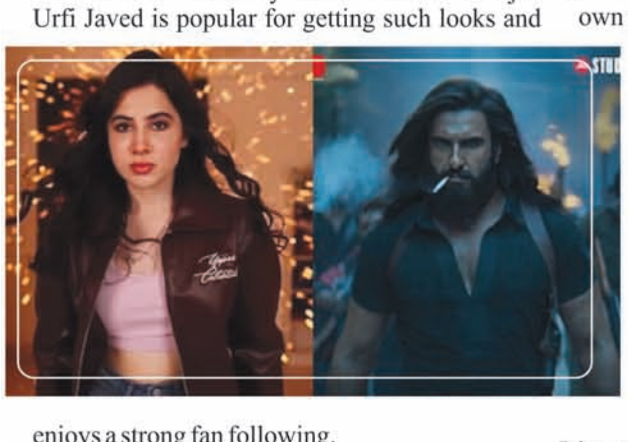

Urfi Javed Opens Up About Cosmetic Work

Urfi Javed recently attended a Ramadan event and spoke candidly to the media. When asked about cosmetic procedures, she said, "I have never gone under the knife… Maine sirf fillers aur Botox karaye hain (I have only done fillers and Botox)." She also shared that people naturally want to change their looks over time. Urfi previously revealed that she had lip fillers since the age of 18. Last year, she shared videos and pictures of herself before and after dissolving them. The actress explained that her fillers were misplaced and she wanted to remove them for a more natural look.

The actress uploaded a video showing the process, where her lips and face swelled immediately after the fillers were dissolved.

She warned fans: "Please watch this video at your own risk. Mere jo fillers the, kaafi misplaced the."

She added, "Main 2-3 hafte baad araam se ache se naturally karwaungi (After 2–3 weeks, I'll get them done again, properly and naturally)."

Despite the pain, Urfi reassured fans that she would get her fillers again, but in a more subtle, natural way. She captioned her Instagram post: "Removing my lip fillers, I can't believe I've had them since I was 18.

Never seen myself without these pouty lips. I will get them again in a week though, but this time more subtle."

About Dhurandhar 2

Dhurandhar 2: The Revenge serves as a sequel to the 2025 blockbuster Dhurandhar, which followed the story of Hamza infiltrating a Baloch gang in Lyari, Pakistan, as part of a mission to dismantle a terror network. The latest instalment explores the origins of the character, tracing how Jaskirat transforms into Hamza.

Aishwarya Rai's Old Take On Her 'Ideal Man' Goes Viral Amid Rumours Of Separation From Abhishek Bachchan

Aishwarya Rai and Abhishek Bachchan are one of the most loved couples in town. Every time they step out in the city or attend an event together, they turn heads with their impeccable style, effortless charm, and the undeniable chemistry that fans adore. Lately, they have been grabbing headlines for all the wrong reasons. Several divorce rumours have been doing the rounds online. However, the couple has time and again put an end to these speculations by making joint appearances. Amid the ongoing reports, an old interview of Aishwarya talking about her 'ideal man' is now going viral.In an old interview with Rediff conducted before her marriage to Abhishek Bachchan, Aishwarya Rai shared what she considered her ideal man. The actress said that her ideal man should be deeply in love with her, as she wouldn't accept anything less. She said, "My ideal man should be madly in love with me because I won't have it any other way. I am a total romantic at heart, so naturally, my ideal mate better be well-versed in the art of romance. Not flirting, but romance. And there is quite a difference. I dig dignity. It is rare and priceless in a world that's so taken over by images and put-ons."

Abhishek and Aishwarya's paths first crossed on the sets of Dhaai Akshar Prem Ka. Soon, they became good friends. They fell in love around 2006 while filming Umrao Jaan and Guru. Although friends since their first film, their relationship deepened in 2006, leading to an official proposal in New York and a wedding on April 20, 2007. Earlier, in an interview with Oprah Winfrey, Abhishek revealed that he proposed to Aishwarya on the same balcony in New York where he first wished to marry her.

He had said, "I was filming in New York for a movie. And, I used to stand on the balcony of my hotel room and wish, 'One day, wouldn't it be nice if I was together with her, married.' Years later, we were there for the premiere of Guru. After the premiere, we were back in the hotel. So, I took her to the very same balcony, and I asked her to marry me."

They welcomed their first daughter, Aaradhya Bachchan, on November 16, 2011. Professionally, Aishwarya and Abhishek have worked together in films like Dhai Akshar Prem Ke, Kuch Naa Kaho, Guru, Dhoom 2, and Raavan.

Varun Dhawan Reveals Daughter Lara Was Diagnosed With DDH At 1.5 Years: 'Walk Tedhi Hojaati Hai'

Varun Dhawan is one of the most bankable actors in the industry currently. He has been enjoying the success of Border 2. Well, amid this, the actor recently opened up about a deeply personal chapter in his life, revealing that his daughter Lara was diagnosed with Developmental Dysplasia of the Hip (DDH) when she was just 1.5 years old. His revelation left fans surprised.

In a conversation with Yuvaa, Varun shared that when Lara was 1.5 years old, she was diagnosed with DDH. He said, "My daughter was diagnosed with DDH, in which the hip slips out of the hip socket. Ek pair lamba chota hojaata hai jiski wajah se walk tedi hojaati hai".

He added, "You get Arthritis early, slip disc early. West main iska bahut accha treatement hota hai birth pe hi India main har jagah nahi hai itna. But yahan bhi bahut acche doctors hai jo iska care karte hain (In the West, this condition is treated very well from birth itself. In India, that level of treatment is not available everywhere yet. But there are also many excellent doctors here who take care of it). She didn't need to do a surgery. With one procedure they could put the hip back. But she had to be in a spica cast. That means she had to be in cast for 2.5 months. Which is extremely difficult. To put her in anaesthesia and then she woke up in a cast. Now the cast is out. I want to write a book on it."

Lara's birth announcement

On June 3, 2024, Varun Dhawan and his wife Natasha Dalal welcomed a baby girl at Mumbai's Hinduja Hospital. Varun and Natasha are childhood sweethearts. They tied the knot on January 24, 2021, in the presence of their families and closest friends after dating for a few years.

Varun Dhawan talks about his father David Dhawan's ICU phase

Recalling the toughest moment, he said, "Helpless in that moment…aap kya hi kar sakte ho. But his passion and his resilience even in the weakest of the moment was something which inspired me. Like nothing. Matlab I got so much inspiration that a man in ICU is telling me go and work. Vo keh raha hai jaake kaam karo..producer ka paisa waste mat karo..jaake kaam karo…that gave me lot of power actually in that situation..like in the weakest situation you fight back.. don't give up.. and me and my brother both went. I could not shoot without my brother that day.